www.tamsasanket.com
वर्षः 30 || अंक 294 || अम्बेडकरनगर
सोमवार
19 जनवरी 2026 || पृष्ठः 08 || मूल्यः ₹2
आज़ादी का अमृत महोत्सव
समूह संपादक- डॉ. ओ.पी. मिश्रा
https://epaper.tamsasanket.com

दैनिक
तमसा संकेत

अम्बेडकर नगर व लखनऊ से एक साथ प्रकाशित
» डॉ. लोहिया की जन्म भूमि से सर्वप्रथम प्रकाशित समाचार पत्र

मौसम
सूर्योदयः 06:56
सूर्यास्तः 05:37
अधिकतमः 22:00
न्यूनतमः 12:00

» पेज 07

विशेष समाचार | कक्षा से लोकतंत्र तक... » पेज 04 | रिटायर्ड लेखपाल के घर में ... » पेज 06 | इरादे कभी-कभी गलत समझ...

सम्मेलन का समापन 21 जनवरी को लोक सभा अध्यक्ष के समापन संबोधन के साथ होगा

लखनऊ में 86वां अखिल भारतीय पीठासीन अधिकारी सम्मेलन प्रारंभ

विधान-मंथन

हेमन्त कृष्ण

तमसा संकेत, नई दिल्ली, लखनऊ । 86वां अखिल भारतीय पीठासीन अधिकारी सम्मेलन सोमवार, 19 जनवरी, 2026 को उत्तर प्रदेश विधान सभा, लखनऊ में उत्तर प्रदेश की राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल के उद्घाटन भाषण के साथ प्रारंभ होगा। लोक सभा अध्यक्ष श्री ओम बिरला उद्घाटन सत्र को संबोधित करेंगे। उत्तर प्रदेश विधान सभा के अध्यक्ष स्वागत

भाषण देंगे। उत्तर प्रदेश विधान परिषद के सभापति श्री कुंवर मानवेंद्र सिंह उद्घाटन सत्र में धन्यवाद

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ एवं अन्य गणमान्य अतिथि समापन सत्र की शोभा बढ़ाएंगे

ज्ञापन प्रस्तुत करेंगे। इस अवसर पर राज्य सभा के उपसभापति श्री हरिवंश तथा उत्तर प्रदेश विधान सभा में नेता प्रतिपक्ष श्री माता प्रसाद पांडेय भी विशिष्ट जनसमूह को संबोधित करेंगे। उत्तर प्रदेश सरकार के मंत्रीगण, उत्तर प्रदेश विधान परिषद एवं उत्तर प्रदेश विधान सभा के सदस्य तथा अन्य गणमान्य अतिथि भी कार्यक्रम की शोभा बढ़ाएंगे। 19 जनवरी, 2026 से होने वाले 86वें AIPOC से पहले लखनऊ, उत्तर प्रदेश में अखिल भारतीय विधायी निकायों के सचिवों का 62वां सम्मेलन भी आयोजित किया जाएगा।

- उत्तर प्रदेश की राज्यपाल उद्घाटन भाषण देंगी
- लोक सभा अध्यक्ष उद्घाटन सत्र को करेंगे संबोधित
- पारदर्शी, प्रभावी एवं नागरिक-केंद्रित विधायी प्रक्रियाओं के लिए प्रौद्योगिकी का उपयोग, विधायकों की क्षमता निर्माण तथा जनता के प्रति विधायिका की जवाबदेही पर होगा विचार-मंथन

विधानसभा सत्र कम समय चला

यूपी की राजधानी लखनऊ में तीन दिनों तक विधायी प्रक्रियाओं, संसदीय परंपराओं, सदन संचालन, सुशासन तथा समसामयिक विधायी विषयों पर व्यापक विचार-विमर्श भले ही हो, लेकिन बीते पांच वर्षों से प्रदेश में विधानसभा सत्र 25 दिनों से कम ही चला हैं. वर्ष 2020 में कोविड महामारी के कारण 16 दिन ही विधान सत्र चला था. वर्ष 2021 में 17 दिन, वर्ष 2022 में 20 दिन, वर्ष 2023 में 22 दिन, वर्ष 2024 में 16 दिन और वर्ष 2025 में 20 दिन ही विधानसभा का सत्र चला था. जबकि प्रदेश विधानसभा की कार्यवाही के दिनों की संख्या आधिकारिक नियमों के अनुसार प्रति वर्ष कम से कम 90 दिन होनी चाहिए, लेकिन वास्तविकता में यह संख्या काफी कम रही है।

» (शेष पेज 06 पर)

19 से 21 जनवरी, 2026 तक आयोजित तीन-दिवसीय सम्मेलन के दौरान निम्नलिखित विषयों पर विचार-मंथन किया जाएगा

पारदर्शी, प्रभावी एवं नागरिक-केंद्रित विधायी प्रक्रियाओं के लिए प्रौद्योगिकी का उपयोग

कार्यकुशलता बढ़ाने एवं लोकतांत्रिक शासन को सुदृढ़ करने हेतु विधायकों की क्षमता निर्माण तथा जनता के प्रति विधायिका की जवाबदेही।

सम्मेलन का समापन ओम बिरला के समापन संबोधन के साथ होगा

सम्मेलन का समापन 21 जनवरी, 2026 को लोक सभा अध्यक्ष श्री ओम बिरला के समापन संबोधन के साथ होगा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ; राज्य सभा के उपसभापति श्री हरिवंश; उत्तर प्रदेश विधान परिषद के सभापति श्री कुंवर मानवेंद्र सिंह तथा उत्तर प्रदेश विधान सभा के अध्यक्ष समापन सत्र की शोभा बढ़ाएंगे और उसे संबोधित करेंगे।

बिहार में दोबारा जंगलराज रोका, बंगाल से विदा करेंगे

फेंसिंग जरूरी, ममता सरकार जमीन नहीं दे रही : मोदी

जनसभा

तमसा संकेत, एजेंसी

कोलकाता/गुवाहाटी । पीएम नरेंद्र मोदी ने रविवार को पश्चिम बंगाल में कहा कि यहां की जनता अब असली परिवर्तन चाहती है। हर कोई 15 साल के महाजंगल राज को बदलना चाहता है। अभी तो बीजेपी-एनडीए ने बिहार में जंगलराज को रोका है। अब टीएमसी

के महाजंगलराज को विदा करने के लिए तैयार है। पीएम ने सिंगूर में जनसभा को संबोधित करते हुए कहा- घुसपैठिए बचाने के लिए टीएमसी किसी भी हद तक जा सकती है।

» (शेष पेज 06 पर)

कांग्रेस की नीति है कि घुसपैठियों को बचाओ, उनकी मदद से सत्ता पाओ, बिहार में कांग्रेस ने घुसपैठियों को बचाने के लिए यात्राएं निकालीं, बिहार ने इन्हें बाहर कर दिया, मुझे विश्वास है असम भी यही करेगा।
- पीएम मोदी

यूपी में पीएम आवास योजना का बड़ा विस्तार

प्रत्येक परिवार को कुल ढाई लाख रुपये की सहायता

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) 2.0 के अंतर्गत मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उत्तर प्रदेश के 2 लाख 9 हजार 421 स्वीकृत लाभार्थियों के खातों में प्रथम किस्त की धनराशि अंतरित की। राजधानी के इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में आयोजित समारोह में मुख्यमंत्री ने इसे गरीब, मध्यम वर्ग और शहरी जरूरतमंदों के लिए ऐतिहासिक कदम बताया। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि नगर निकाय में नोडल अधिकारी तैनात कर

2.09 लाख परिवारों को पक्के घर की सौगात

यह सुनिश्चित किया जाए कि किसी भी लाभार्थी के साथ किसी स्तर पर कोई गड़बड़ी न हो, निर्माण सामग्री समय पर और उचित दर पर मिले तथा किस्तें समयबद्ध जारी हों।

» (शेष पेज 06 पर)

माघ मेलाः पुलिस ने शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद को रोका

साधु को पीटा, पालकी खींच ले गए, शंकराचार्य स्नान नहीं कर पाए

झड़प

तमसा संकेत, एजेंसी

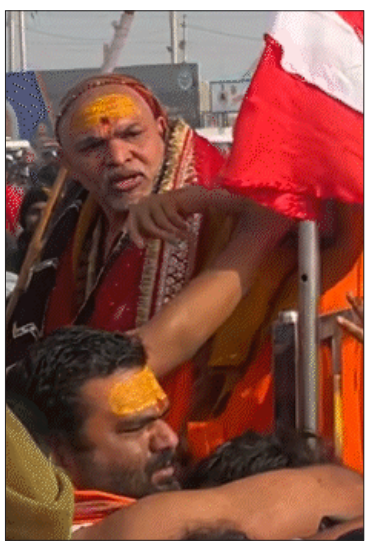

प्रयागराज । प्रयागराज माघ मेले में रविवार को मौनी अमावस्या के स्नान के लिए आए शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद की पालकी पुलिस ने रोक दी। पुलिस ने उनसे पैदल संगम जाने को कहा। शंकराचार्य के शिष्य नहीं माने और पालकी लेकर आगे बढ़ने लगे।

इस पर शिष्यों और पुलिस के बीच धक्का-मुक्की शुरू हो गई। पुलिस ने कई शिष्यों को हिरासत में ले लिया। पुलिस ने एक साधु को चौकी में पीटा। इससे शंकराचार्य नाराज हो गए और शिष्यों को छुड़वाने पर अड़ गए। अफसरों ने उन्हें समझाने की कोशिश की, हाथ जोड़े, लेकिन वे नहीं माने।

» (शेष पेज 06 पर)

पुलिस ने शंकराचार्य को पैदल जाने को कहा था

विवाद की शुरुआत में पुलिस ने भीड़ को देखते हुए शंकराचार्य को रथ से उतरकर पैदल जाने को कहा था, लेकिन शिष्य नहीं माने और आगे बढ़ने लगे। इस पर बहस हुई, फिर देखते ही देखते धक्का-मुक्की शुरू हो गई।

'प्रशासन शंकराचार्य की हत्या कराना चाहता था'

शंकराचार्य के शिष्य देवेंद्र पांडे ने कहा- माघ मेले में भारत के लाखों श्रद्धालुओं नहाने के लिए आए हैं। क्या सभी परमिशन लेकर आए हैं? क्या उन्हीं संतों को नहाने दिया जाएगा, जो परमिशन लेकर आएंगे? क्या जो प्रोटोकॉल में जाएंगे, उन्हीं संतों को घाट उपलब्ध कराया जाएगा? शंकराचार्य जी सहजता से स्नान करना चाहते थे, लेकिन प्रशासन प्री-प्लान के साथ भगदड़ मचाकर शंकराचार्य की हत्या करना चाहता था। हम लोग सौभाग्यशाली हैं, जो शंकराचार्य बच गए।

कंप्यूटर बाबा जमीन पर लेटे

जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती के समर्थन में कंप्यूटर बाबा जमीन पर लेटकर विरोध जता रहे हैं। पूरे घटनाक्रम की निंदा करते हुए उन्होंने कहा कि प्रशासन जब तक शंकराचार्य से आकर माफी नहीं मांग लेता, मैं लेट कर ही धरना देता रहूंगा। कंप्यूटर ने बाबा ने जमीन पर लेटे हुए कहा कि आज देश में हो क्या रहा है? संतों, शंकराचार्यों और सनातन का अपमान हो रहा। मैं जनता से पूछना चाहता हूं कि यह क्या सरकार का कार्यक्रम है? यहां सरकार का माघ महीना है या संतों का। इसलिए मेरा सभी से अनुरोध है कि हम सब लोग मिलकर ऐसी सरकार का विरोध करें, जो हमारे संतों का अनादर कर रही।

फास्ट न्यूज़

नोएडा में कार समेत दलदल में गिरा इंजीनियर, मौत

गौतम बुद्ध नगर । नोएडा में घने कोहरे की वजह से साफ्टवेयर इंजीनियर की दलदल में गिरकर मौत हो गई। वह करीब 80 मिनट तक पिता के सामने चिल्लाता रहा। उनसे फोन कर कहा- पापा मुझे बचा लो, मैं मरना नहीं चाहता।

बयान संबोधन

धर्म ही मुझे और मोदी को चला रहा : भागवत

मुंबई । राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ(RSS) चीफ मोहन भागवत ने कहा कि धर्म ही मुझे और नरेंद्र मोदी को धर्म ही चला रहा है। उन्होंने कहा कि धर्म पूरे ब्रह्मांड का चालक है। जब सृष्टि अस्तित्व में आई, तो उसके कामकाज को कंट्रोल करने वाले नियम धर्म बन गए। सब कुछ उसी सिद्धांत पर चलता है। उन्होंने आगे कहा कि भारत को अपने संतों और ऋषियों से मार्गदर्शन मिलता रहा है। जब तक ऐसा धर्म भारत को चलाएगा, वह विश्वगुरु बना रहेगा।

भागवत ने ये बातें रविवार को छत्रपति संभाजीनगर में RSS के शताब्दी वर्ष को लेकर आयोजित जनसभा में कहीं।

दावा-शिंदे गुट ने ढाई साल तक बीएमसी मेयर पद मांगा

मुंबई । BMC के चुनावी नतीजों से महाराष्ट्र की सियासत में नया पेंच फंस गया है। भाजपा मुंबई में सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी है। पहली बार भाजपा का मेयर बनने के साफ संकेत हैं। हालांकि, एकनाथ शिंदे ने अपने 29 नए पार्षदों को बांद्रा के होटल ताज लैंड्स एंड में शिफ्ट कर दिया है। बाहर कड़ा पहरा है।

ईरानी प्रदर्शनकारी बोले- सबसे ज्यादा जरूरत के वक्त समर्थन नहीं किया

'ट्रम्प ने हमें धोखा दिया'

आक्रोश

5000
लोगों की हिंसा में अब तक हुई मौत

तमसा संकेत, एजेंसी

तेहरान/वॉशिंगटन । ईरान में प्रदर्शनकारियों ने कहा कि उन्हें अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प से उम्मीद थी कि वे उनके लिए मददगार साबित होंगे। लेकिन अब ट्रम्प के रुख में बदलाव आ गया है, इससे वह अपने को ठगा महसूस

कर रहे हैं। लोगों का कहना है कि ट्रम्प ने जो कहा और बाद में जो किया, उनके बीच बहुत बड़ा फर्क था।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, देश छोड़ गए एक ईरानी ने कहा- ट्रम्प ने हमें धोखा दिया और बेवकूफ बनाया। जब ट्रम्प ने कहा कि एक ईरानी अधिकारी ने उन्हें और हत्याएं न करने का भरोसा दिलाया है, तो यह सुनकर हम हैरान रह गए। एक ईरानी ने कहा, ट्रम्प के बयानों की वजह से लोगों को उम्मीद जागी थी और उन्होंने जान जोखिम में डालकर प्रदर्शन किया, लेकिन जब सबसे ज्यादा जरूरत थी तब अमेरिका का समर्थन खत्म हो गया।

» (शेष पेज 06 पर)

कुर्द क्षेत्रों में सबसे अधिक मौतें

अधिकारी ने बताया कि सबसे घातक झड़पें ईरान के उत्तर-पश्चिमी कुर्द क्षेत्रों में हुईं, जहां कुर्द अलगा-ववादी समूह लंबे समय से सक्रिय हैं। इन क्षेत्रों में पहले भी अशांति के दौरान हिंसा का स्तर काफी अधिक रहा है। तीन सूत्रों ने 14 जनवरी को रॉयटर्स को बताया कि सशस्त्र कुर्द अलगाववादी समूहों ने इराक से ईरान में घुसने की कोशिश की थी, जिससे यह संकेत मिलता है कि विदेशी ताकतों ने दमन के दौरान अस्थिरता का फायदा उठाने की कोशिश की होगी। नॉर्वे स्थित कुर्द मानवाधिकार समूह हेंगाव ने भी रिपोर्ट किया है कि विरोध प्रदर्शनों के दौरान सबसे तीव्र झड़पें कुर्द-बहुसंख्यक क्षेत्रों में हुईं।

चर्चा : नगर को लोहिया नगर नाम देने सहित रेलवे स्टेशन और चौराहों के नामकरण का निर्णय

अकबरपुर में प्रमुख स्थानों के नाम बदलने की तैयारी

बृजेंद्र वीर सिंह

तमसा संकेत, अंबेडकरनगर। जिला मुख्यालय अकबरपुर में नगर की पहचान, सौंदर्यीकरण और विकास से जुड़े कई महत्वपूर्ण प्रस्तावों पर मुहर लगी है। अकबरपुर नगरपालिका परिषद की बोर्ड बैठक में शहर के प्रमुख स्थानों के नाम बदलने और नए नामकरण से जुड़े प्रस्ताव सर्वसम्मति से पारित किए गए। बैठक में चेयरमैन सहित सभी सभासद उपस्थित रहे। इस दौरान ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और विकासात्मक पहलुओं पर विस्तार से चर्चा की गई। नगर विकास से जुड़े फैसलों में अकबरपुर रेलवे स्टेशन का नाम बदलने का प्रस्ताव भी शामिल रहा। बोर्ड बैठक में स्टेशन का नाम डॉ. राम मनोहर लोहिया के नाम पर किए जाने के प्रस्ताव को मंजूरी दी गई। सभासदों का कहना है कि रेलवे स्टेशन का नामकरण नगर की पहचान को राष्ट्रीय स्तर पर मजबूत करेगा। नगरपालिका बोर्ड ने रोजगार सृजन की दिशा में भी एक महत्वपूर्ण निर्णय लिया। बैठक में नगर के सभी 25 वार्डों में मिल्क पार्लर के रूप में दुकानें खोलने के प्रस्ताव को स्वीकृति दी गई। इस योजना के तहत स्थानीय लोगों को स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध कराए जाएंगे।

» (शेष पेज 06 पर)

शासन को भेजे जाएंगे प्रस्ताव

नगरपालिका अध्यक्ष और सभासदों ने स्पष्ट किया कि बोर्ड बैठक में पारित सभी प्रस्तावों को शासन स्तर पर भेजा जाएगा। शासन से अंतिम स्वीकृति मिलने के बाद नामकरण और अन्य विकास कार्यों की प्रक्रिया आगे बढ़ाई जाएगी। संबंधित विभागों से आवश्यक अनुमति प्राप्त करने के बाद कार्ययोजना तैयार की जाएगी।

बैठक में यह भी कहा गया कि प्रस्तावित नामकरण और विकास कार्यों से नगर की सुंदरता और पहचान दोनों में वृद्धि होगी। प्रमुख चौराहों और सार्वजनिक स्थलों को नए नामों के साथ आधुनिक स्वरूप देने की योजना बनाई जाएगी। इसके अंतर्गत संकेतक, प्रतिमाएं और सौंदर्यीकरण से जुड़े कार्य शामिल हो सकते हैं।

अकबरपुर को 'लोहिया नगर' नाम देने का प्रस्ताव

बोर्ड बैठक में सबसे अहम निर्णय अकबरपुर नगर क्षेत्र को 'लोहिया नगर' के नाम से प्रस्तावित करने को लेकर लिया गया। प्रस्ताव के तहत डॉ. राम मनोहर लोहिया की जन्मस्थली से जुड़ी पहचान को और मजबूत करने की योजना बनाई गई है। सभासदों का कहना है कि इस नामकरण से नगर को वैचारिक और ऐतिहासिक पहचान मिलेगी और लोहिया के विचारों को सम्मान देने का अवसर मिलेगा।

प्रमुख चौराहों के नामकरण का फैसला

नगर के प्रमुख सार्वजनिक स्थलों के नाम देश के महान नेताओं के नाम पर रखने का भी निर्णय लिया गया। प्रस्ताव के अनुसार संघतिया तिराहे का नाम पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी बाजपेयी के नाम पर रखने का फैसला हुआ है। वहीं अयोध्या रोड स्थित एक प्रमुख चौराहे को पंडित दीन दयाल उपाध्याय के नाम से विकसित किए जाने का प्रस्ताव पारित किया गया। इन नामकरणों के साथ चौराहों के सौंदर्यीकरण की भी योजना बनाई जाएगी।

जम्मू-कश्मीर में आतंकी मुठभेड़ में 7 जवान घायल

किश्तवाड़ के सोनार में ऑपरेशन त्राशी-1 जारी

मुठभेड़

तमसा संकेत, एजेंसी

किश्तवाड़ । जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ में रविवार दोपहर को आतंकी मुठभेड़ में सेना के 7 जवान घायल हुए हैं। अधिकारियों के मुताबिक 3 जवानों को एयरलिफ्ट करके इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया गया।

घटना किश्तवाड़ के ऊपरी जंगली इलाके सोनार की है। यहां सेना की व्हाइट नाइट कोर का आतंकियों के खिलाफ 'ऑपरेशन त्राशी-1' जारी है। इसी दौरान आतंकियों से जवानों की मुठभेड़ हुई।

दोनों ओर से फायरिंग की गई। 2-3 से आतंकियों को जवानों ने घेरा था। तभी आतंकियों ने ग्रेनेड से हमला किया। अधिकारियों ने कहा है कि ये आतंकी जैश-ए-मोहम्मद से जुड़े हो सकते हैं।

» (शेष पेज 06 पर)

घटना किश्तवाड़ जिले के सोनार इलाके की है। यहां सेना का सर्च ऑपरेशन जारी है।

रोज़गार दो - सामाजिक न्याय दो : संजय सिंह, पदयात्रा का तीसरे दिन वाराणसी में हुआ प्रवेश, जगह-जगह संजय सिंह का हुआ जोरदार स्वागत

‘प्रदेश में दलितों और पिछड़ों को दबाने में लगी बीजेपी सरकार’

यात्रा

- यूपी में पेपर लीक और भ्रष्टाचार बना रोज़गार की सबसे बड़ी बाधा
- युवाओं को रोजगार दो, वरना 10,000 रुपये बेरोजगारी भत्ता दो

- संजय सिंह

तमसा संकेत, संवाददाता

सरकारी व निजी स्कूलों में संविधान की शिक्षा अनिवार्य हो : संजय सिंह

लखनऊ/वाराणसी । उत्तर प्रदेश में बेरोज़गारी और सामाजिक अन्याय के खिलाफ़ आम आदमी पार्टी की “रोज़गार दो- सामाजिक न्याय दो” पदयात्रा को रविवार को तीसरे दिन भी जनता का ज़बरदस्त समर्थन मिला। आप यूपी प्रभारी और राज्यसभा सांसद संजय सिंह के नेतृत्व में यह यात्रा मिर्ज़ापुर के गीता वाटिका, सबेसर, बाजहा से शुरू होकर पाहो बाजार होते हुए वाराणसी के जखनी, जमुनी स्थित श्री कृष्ण बैंक्वेट एवं मैरिज लॉन पहुंची। जहां-जहां से भी यह पदयात्रा गुजरी, बुज़ुर्गों का आशीर्वाद, माताओं की दुआएँ, युवाओं का जोश और जनता ने जिस तरह संजय सिंह का ज़बरदस्त स्वागत किया, उन सबने इस रोजगार दो-सामाजिक न्याय दो पदयात्रा को और मजबूत किया।

मिर्जापुर से वाराणसी प्रवेश करने तक रास्ते भर युवाओं, वकीलों, महिलाओं और बुजुर्गों ने पदयात्रा का गर्मजोशी से स्वागत किया। जगह-जगह पुष्पवर्षा हुई और फूलों की मालाएं पहनाकर लोगों ने खुले दिल से संजय सिंह का जोरदार स्वागत किया। इस दौरान लोग “रोज़गार दो- सामाजिक न्याय दो” के नारे लगाते हुए पदयात्रा में शामिल हुए। राज्यसभा सांसद संजय सिंह की अगुवाई में यह पदयात्रा धीरे-धीरे जनआंदोलन का रूप ले रही है।

पदयात्रा के दौरान संजय सिंह ने कहा कि

यह यात्रा दलित, पिछड़े, शोषित और वंचित समाज को उनका हक़ दिलाने और युवाओं को रोजगार देने की मांग के लिए निकली है। उन्होंने कहा कि यूपी में जातीय भेदभाव, असमानता और भ्रष्टाचार ने गरीबों और युवाओं की जिंदगी मुश्किल बना दी है। उन्होंने कहा, “रामराज्य तभी आएगा जब हर व्यक्ति को समान अवसर और हर हाथ को काम मिलेगा। बिना रोजगार और न्याय के समाज आगे नहीं बढ़ सकता।

सांसद संजय सिंह ने कहा कि यूपी

मणिकर्णिका घाट तोड़ने वालों पर नहीं, विरोध करने वाले सांसद संजय सिंह पर वाराणसी में हुई एफआईआर

मिर्जापुर से निकली आम आदमी पार्टी के रोजगार दो सामाजिक न्याय दो पदयात्रा ने रविवार को वाराणसी मैं प्रवेश किया। यह ऐसा वक्त है जब सांसद संजय सिंह खुद वाराणसी में मौजूद है और उन पर एफआईआर दर्ज कर दी गई है। संजय सिंह ने वाराणसी में मणिकर्णिका घाट को तोड़े जाने का विरोध करने पर उनके नाम दर्ज की गई एफआईआर पर तीखी प्रतिक्रिया देते हुए भाजपा सरकार पर वाराणसी काशी के ऐतिहासिक और पौराणिक मणिकर्णिका घाट को तोड़कर हिंदू धर्म की आस्था पर सीधा प्रहार करने का गंभीर आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि 18वीं शताब्दी में अहिल्याबाई होल्कर द्वारा पुनर्निर्मित और मोक्ष की मान्यता से जुड़े इस घाट को भाजपा सरकार ने बुरी तरह तहस-नहस कर दिया है। यह कोई विदेशी आक्रांता या मुगल शासन का दौर नहीं, बल्कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संसदीय क्षेत्र में, उनकी सरकार के समय हो रहा है। घाट से जुड़े पौराणिक मंदिरों, मां गंगा के मंदिर और शिवालय को तोड़ा गया, यहां तक कि अहिल्याबाई होल्कर की प्रतिमा भी क्षतिग्रस्त की गई—और सच उजागर करने पर कार्रवाई तोड़ने वालों पर नहीं, बल्कि मुझपर की गई। यह भाजपा की तानाशाही का एक जीता जागता उदाहरण है। ऐसे में संजय सिंह अपने तमाम साथियों के साथ बनारस के जखनी पहुंचे।

“प्रदेश में बढ़ते सामाजिक भेदभाव को खत्म करने निकली आप की 'रोज़गार दो सामाजिक न्याय दो' पदयात्रा: संजय सिंह

के नौजवान बेरोज़गारी की मार झेल रहे हैं। भर्ती परीक्षाओं में लगातार पेपर लीक हो रहे हैं और चयन प्रक्रिया में भारी गड़बड़ियां हो रही हैं। सरकार केवल वादे कर रही है, लेकिन रोजगार देने की नीयत नहीं दिखती। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश में विभिन्न प्रमुख विभागों में स्वीकृत पदों और रिक्तियों के बीच बड़ा अंतर साफ़ दिखाई देता है।

फास्ट न्यूज़

छांगुर सिंडिकेट का एक्टिव सदस्य नागपुर से गिरफ्तार

लखनऊ । बलरामपुर से धर्मांतरण का सिंडिकेट चलाने वाले छांगुर उर्फ जलालुद्दीन का एक एक्टिव सदस्य ईदुल इस्लाम गिरफ्तार हो गया है। उसे ATS ने नागपुर में पकड़ा और अब लखनऊ ला रही है। ईदुल इस्लाम पर लंबे समय से नजर रखी जा रही थी और उसके खिलाफ गैर-जमानती वारंट जारी था। गिरफ्तारी के बाद एटीएस उसे ट्रांजिट रिमांड पर लखनऊ ला रही है, यहां उससे गहन पूछताछ की जाएगी।

चौक में चापवाले की दुकान पर बवाल

लखनऊ । लखनऊ के चौक चौराहे पर स्थित चापवाले दुकान पर शुक्रवार देर रात बवाल हो गया। नशे में धुत दुकान के कर्मचारी ने एक कस्टमर से बदसलूकी की। जिसका विरोध करने पर मालिक और कर्मचारियों ने ग्राहक को जमकर पीट दिया। पीड़ित ने चौक थाने में मुकदमा दर्ज कराया है। फैजुल्लागंज के रहने वाले किशन चौरसिया ने बताया कि 17 जनवरी की रात अपने दोस्तों के साथ चौक चौराहे पर स्थित चाप वाले के यहां खाना खाने गया था। दुकान का स्टाफ अनवर नशे की हालत में उनसे बदतमीजी करने लगा। विरोध करने पर दुकान मालिक लकी अंदर से बाहर आया ।

3 फ्लाइट दिल्ली डायवर्ट, 13 डिले

लखनऊ । लखनऊ में शनिवार सुबह घने कोहरे के कारण विमान सेवाओं पर व्यापक असर पड़ा। चौधरी चरण सिंह अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर आने वाली तीन उड़ानें दिल्ली डायवर्ट कर दी गईं, जबकि पांच विमानों को रद्द करना पड़ा। कई अन्य उड़ानें भी निर्धारित समय से काफी देरी से संचालित हुईं। रियाद से सुबह 9 बजे लखनऊ पहुंचने वाली फ्लाइनेस की उड़ान (एक्सवाई 333) ने भी चार चक्कर लगाए और उसे भी दिल्ली डायवर्ट करना पड़ा।

इंडिगो की फ्लाइट की इमरजेंसी लैंडिंग, लखनऊ में उतारा गया

‘प्लेन में बम है’

- 8 घंटे तक सर्चिंग के बाद सूचना झूठी निकली, वापस रवाना

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ । इंडिगो की फ्लाइट में बम की सूचना के बाद हड़कंप मच गया। आनन-फानन में दिल्ली से बागडोगरा (पश्चिम बंगाल) जा रहे विमान की लखनऊ में इमरजेंसी लैंडिंग कराई गई। एयरपोर्ट सूत्रों के मुताबिक, ATC को रविवार सुबह 8:46 बजे इंडिगो की 6ई-6650 फ्लाइट में बम की सूचना मिली। विमान सुबह 9:17 बजे लखनऊ एयरपोर्ट पर लैंड हुआ। यात्रियों को उतारकर विमान को आइसोलेशन बे में पार्क किया गया। करीब आठ घंटे तक जांच की गई। बम की सूचना झूठी होनी की पुष्टि होने के बाद शाम 4:40 बजे यात्रियों समेत डेस्टिनेशन के लिए रवाना हुआ।

जानकारी के मुताबिक, विमान के बाथरूम के अंदर एक नैपकिन पर धमकी लिखी मिली। लिखा था- 'प्लेन में बम है।' एक यात्री को यह नैपकिन दिखी तो उसने इसकी सूचना क्रू मेंबर को दी। बाद में विमान को तत्काल लखनऊ डायवर्ट किया गया। यहां बम निरोधक दस्ते, फायर ब्रिगेड, मेडिकल और अन्य सुरक्षा एजेंसियों ने विमान को घेर लिया। बम निरोधक दस्ता विमान के अंदर सर्च ऑपरेशन चला रहा है। अन्य सुरक्षा एजेंसियों के अधिकारी भी मामले की बारीकी से जांच पड़ताल में जुटे हैं। विमान में 230 यात्री (8 बच्चे भी), 6 क्रू मेंबर और 2 पायलट सहित कुल 238 लोग सवार थे। सभी को चेकिंग के बाद सुरक्षित उतार दिया गया।

पैक्ड रेडियोएक्टिव सामग्री ले जाने की भी सूचना थी

एयरपोर्ट सूत्रों के अनुसार, प्लेन में बम की सूचना के अलावा यह भी जानकारी मिली है कि विमान के लगेज कंपार्टमेंट में पैक्ड स्थिति में रेडियोएक्टिव सामग्री भी ले जाई जा रही थी। मामले की गंभीरता को देखते हुए बॉम्ब थ्रेट असेसमेंट कमेटी (BTAC) का गठन किया गया है, जो पूरे प्रकरण का आकलन कर रही है। फिलहाल, विमान को आइसोलेशन बे में खड़ा कर दिया गया है। क्विक रिस्पॉन्स टीम (QRT) विमान को पूरी तरह से घेराबंदी में लेकर सुरक्षा जांच कर रही है।

जल-संरक्षण और ग्रामीण आजीविका को मिल रहा ठोस आधार

अमृत सरोवर निर्माण से गांवो के विकास को मिल रही गति

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ । उप मुख्यमंत्री श्री केशव प्रसाद मौर्य के नेतृत्व मे उत्तर प्रदेश मे मा0 प्रधानमंत्री जी के जल संरक्षण दूरगामी विजन के दृष्टिगत अप्रैल 2022 में प्रारंभ हुए मिशन अमृत सरोवर के तहत उत्तर प्रदेश में तेजी से अमृत सरोवरों का निर्माण हो रहा है। प्रदेश मे अब तक 19,111 से अधिक अमृत सरोवरों का निर्माण पूर्ण हो चुका है, जबकि 25,000 से अधिक स्थलों पर कार्य प्रगति पर है। यह उपलब्धि उत्तर प्रदेश को देश के अग्रणी राज्यों की श्रेणी में स्थापित करती है। प्रदेश के उप मुख्यमंत्री श्री केशव प्रसाद मौर्य के मार्गदर्शन में उत्तर प्रदेश ग्रामीण विकास विभाग द्वारा गांवो मे अभूतपूर्व अवस्थापना सुविधाओं का विकास किया जा रहा

है ग्रामीण क्षेत्रों का सर्वांगीण विकास राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। उप मुख्यमंत्री ने परंपरा और विज्ञान के समन्वय के साथ उत्तर प्रदेश के गांवों में उपेक्षा, अतिक्रमण और अव्यवस्था के शिकार रहे तालाबों के पुनरुद्धार के लिए अमृत सरोवर योजना में निर्माण कार्यों को गति प्रदान करने के लिए समय-समय पर निर्देशित किया जाता रहा है, ताकि जल संकट, गिरते भू-जल स्तर और अनिश्चित मानसून जैसी चुनौतियों से प्रभावी ढंग से निपटा जा सके। अमृत सरोवर का निर्माण न्यूनतम एक एकड़ क्षेत्रफल में किया जाता है, जिनमें लगभग 10,000 क्यूबिक मीटर जल धारण की क्षमता हो। पुराने तालाबों और प्राकृतिक जलभराव क्षेत्रों को

जलवायु परिवर्तन की चुनौती के बीच गांवों के लिए दीर्घकालिक और स्थायी जल-सुरक्षा की ठोस व्यवस्था

जलवायु परिवर्तन के दौर में अमृत सरोवर हीटवेव, सूखा और अनियमित वर्षा जैसी परिस्थितियों में प्राकृतिक सुरक्षा के कवच साबित हो रहे हैं। सरकार का लक्ष्य प्रत्येक ग्राम पंचायत में न्यूनतम दो अमृत सरोवर विकसित कर भविष्य की जल-संरक्षण को मजबूत करना है। जल संरक्षण व पर्यावरण संतुलन के लिए अमृत सरोवर दीर्घकालिक और स्थायी समाधान साबित हो रहे हैं।

पुनर्जीवित कर वैज्ञानिक ढलान, सुदृढ़ तटबंध और वर्षा जल संचयन संरचनाओं के माध्यम से सरोवर का विकास किया जा रहा है। सरोवरो के चारों ओर औषधीय, फलदार, छायादार वृक्षों जैसे नीम, पीपल, बरगद और अर्जुन जैसे स्थानीय वृक्षों की हरित पट्टी विकसित की जा रही है। इससे पर्यावरणीय संतुलन मजबूत होने के साथ-साथ मिट्टी के कटाव पर भी प्रभावी नियंत्रण व मृदा संरक्षण हो रहा है।

जनप्रतिनिधि पति और समाचार पत्र संपादक का कृत्य पूरे समाज और प्रशासन के लिए कलंक

छेड़छाड़ के आरोपी ग्राम प्रधान पति साजिद को किया गिरफ्तार

तमसा संकेत, संवाददाता

मंडावर। ग्राम पंचायत सैदपुर खादर के ग्राम प्रधान पति साजिद अहमद पर एक नाबालिग लड़की से छेड़छाड़ का बेहद शर्मनाक और गंभीर आरोप सामने आया है। पीड़िता ने अपने माता-पिता के साथ थाना मंडावर में शिकायत दर्ज कराकर पूरे मामले को उजागर किया है। पुलिस ने संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर त्वरित कार्रवाई करते हुए समाचार पत्र के प्रधान संपादक को गाड़ी संख्या यूपी 20 बी-वाई 6041सहित गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। आपको बता दें ग्राम पंचायत सैदपुर खादर के अंतर्गत फतेहपुर सभाचंद, चंद्रभानपुर किशोर उर्फ मिर्जापुर सहित तीन गांव आते हैं। ग्राम प्रधान पति साजिद अहमद पहले से ही कई विवादों में घिरा रहा है और स्वयं को “बिजनौर टुडे न्यूज़” का संपादक बताकर लोगों पर दबाव बनाने का प्रयास करता रहा है।

आरोप है कि साजिद अहमद ने रगाड़ी रोककर भरोसे का नाटक करते हुए कहा कि वह बच्ची को अपने साथ ले जाकर उसका जाति प्रमाण पत्र बनवा देगा। उसकी असली नीयत से अनजान महिला ने अपनी पोती को उसकी गाड़ी में बैठा दिया — और यहीं से एक घिनौने कृत्य की शुरुआत हुई। पीड़िता का आरोप है कि साजिद अहमद ने चलती गाड़ी में, फिर अपने तथाकथित ऑफिस में और बाद में तहसील परिसर जैसे सार्वजनिक स्थान पर भी उसके साथ छेड़छाड़ की। डरी-सहमी नाबालिग किसी तरह जान बचाकर बिजनौर से मंडावर मैक्स में बैठकर अकेली घर पहुँची और पूरी आपबीती अपनी मां को बताई। मां ने पारिवारिक भय और सामाजिक दबाव के चलते यह बात 16 जनवरी को अपने पति को बताई। इसके बाद 16 जनवरी की शाम लगभग 7:00 बजे पीड़िता अपने माता-पिता के साथ थाना मंडावर पहुँची और आरोपी के खिलाफ लिखित शिकायत दर्ज कराई। यह मामला केवल छेड़छाड़ तक सीमित नहीं है, बल्कि सत्ता, प्रभाव और भरोसे के खुले दुरुपयोग का गंभीर उदाहरण है। एक जनप्रतिनिधि का पति होने के बावजूद आरोपी का ऐसा कृत्य पूरे समाज और प्रशासन के लिए कलंक है। यदि नाबालिग से जुड़े इस गंभीर अपराध में कड़ी से कड़ी कानूनी कार्रवाई नहीं की जाती, तो यह कानून व्यवस्था और प्रशासन की कार्यशैली पर बड़ा सवाल खड़ा करेगा।

66 मामला ग्राम चंद्रभानपुर किशोर (उर्फ मिर्जापुर) का है। पीड़िता के अनुसार 14 जनवरी को साजिद अहमद अपनी गाड़ी से बिजनौर जा रहा था। इसी दौरान ग्राम मिर्जापुर अड्डे पर भागमल की मां अपनी नाबालिग पोती के साथ बैठी थीं, जो जाति प्रमाण पत्र बनवाने के लिए बिजनौर जाना चाहती थीं।

लखनऊ जंक्शन की 18 ट्रेनों का रूट बदला

लखनऊ । लखनऊ जंक्शन पर स्टेशन पुनर्विकास योजना के तहत कॉनकोर्स निर्माण का काम तेजी से चल रहा है। इसी वजह से रेलवे ने 19 जनवरी से 22 फरवरी तक ट्रैफिक ब्लॉक की अवधि बढ़ा दी है। इसका असर आगरा फोर्ट समेत कुल 18 ट्रेनों के संचालन पर पड़ेगा। यात्रियों को इस दौरान बदले हुए स्टेशनों और समय को ध्यान में रखकर यात्रा करनी होगी।

पूर्वोत्तर रेलवे के अधिकारियों कि माने तो, 19 जनवरी से 22 फरवरी तक 12180 आगरा फोर्ट–लखनऊ जंक्शन इंटरसिटी एक्सप्रेस अब ऐशबाग स्टेशन तक ही संचालित होगी। वापसी में 12179 लखनऊ जंक्शन–आगरा फोर्ट इंटरसिटी एक्सप्रेस ऐशबाग स्टेशन से दोपहर 3:55 बजे रवाना होगी।

14 फरवरी तक 20921 बांद्रा टर्मिनस–लखनऊ एक्सप्रेस ऐशबाग स्टेशन तक ही आएगी। वहीं, 15 फरवरी तक 20922 लखनऊ जंक्शन–बांद्रा टर्मिनस एक्सप्रेस लखनऊ जंक्शन के बजाय ऐशबाग से शाम 5:50 बजे चलेगी।

जनेश्वर मिश्र पार्क में काउंटर कम, सड़क हो रही जाम

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ । गोमतीनगर विस्तार स्थित जनेश्वर मिश्र पार्क में काउंटर होने से सामने की सड़क जाम हो रही है। टिकट काउंटर की कतार सड़क तक पहुंच जाती है जिससे ट्रैफिक बाधित होता है। ऐसा एक पत्र गोमतीनगर विस्तार पुलिस ने लखनऊ विकास प्राधिकरण (LDA) को लिखा है। इसमें प्राधिकरण से गुजारिश की गई है कि पार्क के अंदर काउंटर बढ़वा लें जिससे जाम की समस्या से निजात मिल सके। पुलिस के अनुसार, अवकाश के दिनों, वीकेंड और बड़े त्योहारों पर जनेश्वर मिश्र पार्क में भारी संख्या में लोग पहुंचते हैं। इन मौकों पर यातायात पूरी तरह बाधित हुआ और पुलिस को स्थिति संभालने में काफी मशक्कत करनी पड़ी। पत्र में यह भी कहा गया है कि पहले भी प्रवेश द्वारों पर अचानक भीड़ बढ़ने से अफरा-तफरी और धक्का-मुक्की की स्थिति बन चुकी है। अब तक कोई बड़ा हादसा नहीं हुआ, लेकिन

गोमतीनगर विस्तार पुलिस ने एलडीए को लिखा पत्र, कहा- अंदर काउंटर बढ़वा लें

मौजूदा व्यवस्थाएं बनी रहीं तो भविष्य में किसी अप्रिय घटना से इनकार नहीं किया जा सकता। पुलिस ने बताया कि टिकट काउंटर पार्क के बाहर सड़क पर होने और उनकी संख्या कम होने से लोग सड़क तक कतार में खड़े हो जाते हैं, जिससे जाम लगता है। वहीं, प्रवेश गेट पर टिकट चेक करने के लिए सीमित कर्मचारी होने के कारण लोगों को काफी देर तक रुकना पड़ता है, जिससे भीड़ और दबाव बढ़ जाता है।

आतंक : मजदूरों को मारे ईंट-पत्थर, दबंग प्लॉट कब्जाने पहुंचे थे, पीड़ित पक्ष कार्रवाई की मांग पर अड़ा

दिनदहाड़े गोलीबारी

- पुलिस ने मामले में चुप्पी साध रखी है। इससे स्थानीय लोगों में आक्रोश बढ़ता जा रहा है। क्षेत्र के लोग पुलिस से दबंगों पर कार्रवाई कर इलाके में कानून का राज कायम करने की मांग कर रहे हैं।

बड़ी संख्या में लोग दुबग्गा थाने पहुंचे है।

प्लॉट पर कब्जा करने आए लोगों ने हवाई फायरिंग और पत्थरबाजी की।

दुबग्गा का यह प्लॉट है, जिस पर कब्जे को लेकर दो गुटों में विवाद है।

तमसा संकेत, एजेंसी

दुबग्गा । लखनऊ में प्लॉट पर कब्जे को लेकर दो गुट आपस में भिड़ गए। एक गुट के लोगों ने दहशत कायम करने के लिए हवाई फायरिंग और पत्थरबाजी की। इससे जुड़ा एक वीडियो मिला है, जिसमें एक युवक फायरिंग करते दिख रहा है। घटना दुबग्गा थाना क्षेत्र के बाजार इलाके में रविवार को हुई।

दूसरा गुट कार्रवाई को लेकर दुबग्गा थाने पहुंचा है। पुलिस ने थाने में दोनों पक्षों के लोगों को बुलाया है। मौके पर गहमागहमी का माहौल है। पुलिस दोनों पक्षों को समझाने की कोशिश कर रही है, जबकि पीड़ित पक्ष कार्रवाई की मांग पर अड़ा हुआ है। अमीनाबाद के रहने वाले प्लॉट मालिक फाहम जाहिर ने बताया कि यह पहली घटना नहीं है। दो दिन पहले भी देर रात दबंगों ने प्लॉट पर काम कर रहे मजदूरों के साथ मारपीट की थी और हवाई फायरिंग कर आतंक फैलाया था।

पीड़ित ने इस संबंध में थाने में लिखित शिकायत दर्ज कराई थी। हालांकि, अब तक न तो कोई मुकदमा दर्ज किया गया है और न ही पुलिस ने कोई ठोस कार्रवाई की है।

प्लॉट पर आकर काम रोका

रविवार दोपहर करीब दो बजे अज्ञात बदमाश एक बार फिर प्लॉट पर पहुंचे। उन्होंने खुलेआम कई राउंड हवाई फायरिंग की और मौके से फरार हो गए। यह पूरी घटना पास में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है, जिसमें बदमाशों की गतिविधियां स्पष्ट रूप से देखी जा सकती हैं। दिनदहाड़े हुई इस फायरिंग की घटना ने कानून-व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि पुलिस समय रहते सख्त कार्रवाई करती, तो दबंगों के हौसले इतने बुलंद नहीं होते।

भय और दहशत का माहौल

फाहम जाहिर ने कहा- इस घटना के बाद से क्षेत्र में भय और दहशत का माहौल है। लोग अपने घरों और दुकानों से निकलने में भी डर महसूस कर रहे हैं। पुलिस प्रशासन से सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपियों की तत्काल पहचान कर गिरफ्तारी की मांग की है।

‘जनवरी में ही कर लें मार्च तक की टैक्स वसूली’

लखनऊ नगर आयुक्त ने दिए निर्देश, शहर के बड़े टैक्स बकायेदारों की कुर्की होगी

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ । लखनऊ के नगर आयुक्त गौरव कुमार ने नगर निगम के अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि मार्च तक की टैक्स वसूली जनवरी में ही कर लें। साथ ही उनकी सूची बनाने के लिए भी कहा जो बड़े बकायेदार हैं। कहा है कि बड़े बकायेदारों की कुर्की भी करें।

नगर आयुक्त ने नगर निगम में टैक्स की समीक्षा बैठक में ये निर्देश दिए। नॉन टैक्स रेवेन्यू को और बढ़ाने के लिए अधिकारियों और कर्मचारियों से कहा। नान टैक्स रेवेन्यू में कंस्ट्रक्शन एंड डिमोलिशन वेस्ट, लाइसेंस शुल्क सहित अन्य मद में भी टैक्स वसूली का लक्ष्य दिया गया। लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों और कर्मचारियों को नगर आयुक्त गौरव कुमार ने चेतावनी दी है। इसके साथ ही यह भी कहा कि

जो बड़े बकायेदार हैं, उनके खिलाफ सीलिंग और कुर्की की कार्रवाई की जाएगी। नगर निगम की तरफ से बड़े बकाएदारों की लिस्ट फाइनल की जा रही है। जिन पर कुर्की और सीलिंग की कार्रवाई होगी। बैठक में जोनल सेनेटरी ऑफिसरों को भी यूजर चार्ज की वसूली को लेकर निर्देश दिए गए। नगर आयुक्त ने सभी ZSO को निर्देशित किया कि डोर-टू-डोर कूड़ा संग्रहण के अंतर्गत यूजर चार्ज की शत-प्रतिशत वसूली सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि यूजर चार्ज नगर निगम की आय का महत्वपूर्ण स्रोत है ।

पिछले साल की तुलना में 60 करोड़ रुपए अधिक वसूली

नगर निगम ने पिछले साल की तुलना में अभी तक 60 करोड़ रुपए अधिक टैक्स की वसूली अभी तक कर ली है। नगर आयुक्त गौरव कुमार ने बताया कि हम पिछले साल की तुलना में अच्छा टैक्स कलेक्शन कर रहे हैं, लेकिन इसे और अधिक बढ़ाने की जरूरत है। उन जगहों पर खास तौर पर फोकस किया जा रहा है। जहां से नगर निगम की इनकम को और अधिक बढ़ाया जा सकता है। अभी दो महीने बचे हुए हैं, ऐसे में पर्याप्त समय है।

श्रवण कुमार की निर्वाण स्थली पर श्रवण धाम महोत्सव - 2026 का भव्य आगाज

धार्मिक अनुष्ठान, सांस्कृतिक रंग और जनकल्याण का संगम

उद्घाटन

बृजेंद्र वीर सिंह

तमसा संकेत, अंबेडकरनगर । जनपद अंबेडकरनगर के विकास खंड कटहरी स्थित महात्मा श्रवण कुमार की निर्वाण स्थली पर आयोजित तीन दिवसीय श्रवण धाम महोत्सव–2026 का रविवार को भव्य शुभारंभ हुआ। पूर्वाह्न में हवन–पूजन और विधिवत धार्मिक अनुष्ठानों के साथ महोत्सव की शुरुआत हुई। आयोजन स्थल पर श्रद्धालुओं की बड़ी संख्या में मौजूदगी रही। प्रशासनिक अधिकारियों, जनप्रतिनिधियों और

स्थानीय गणमान्य नागरिकों की उपस्थिति में कार्यक्रम औपचारिक रूप से प्रारंभ किया गया। महोत्सव के दौरान विभिन्न विभागों द्वारा जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी आमजन तक पहुंचाई गई। महिला सुरक्षा, पोषण, स्वास्थ्य और सामाजिक कल्याण से जुड़ी योजनाओं पर नुक्कड़ नाटकों और प्रस्तुतियों का आयोजन हुआ। कुपोषण से मुक्ति विषय पर नाट्य प्रस्तुति के माध्यम से जागरूकता फैलाई गई। आईसीडीएस योजनाओं की जानकारी पीपीटी के माध्यम से दी गई। तंबाकू नियंत्रण कार्यक्रम, आयुष्मान भारत योजना सहित अन्य योजनाओं पर विशेषज्ञों द्वारा व्याख्यान आयोजित किए गए। श्रवण धाम महोत्सव में विभिन्न

महोत्सव के पहले दिन धार्मिक अनुष्ठानों को विशेष महत्व दिया गया। वैदिक मंत्रोच्चार के बीच हवनझपूजन संपन्न हुआ। इसके उपरांत मुख्य मंच से सांस्कृतिक कार्यक्रमों का शुभारंभ किया गया। आयोजन को लेकर पूरे क्षेत्र में उत्सव का माहौल देखने को मिला। श्रद्धालुओं ने निर्वाण स्थली पर दर्शन -पूजन कर आस्था प्रकट की।

विभागों द्वारा लगाए गए स्टॉल श्रद्धालुओं और दर्शकों के लिए आकर्षण का केंद्र बने हुए हैं। सूचना विभाग द्वारा सरकार और जनपद की उपलब्धियों पर आधारित प्रदर्शनी को खास सराहना मिल रही है। लोग योजनाओं से जुड़ी जानकारी लेने के लिए स्टॉलों पर पहुंच रहे हैं। महोत्सव में हजारों की संख्या में श्रद्धालु और दर्शक सहभागिता कर रहे हैं। बच्चों के मनोरंजन के लिए आकर्षक झूलों और खेल–तमाशों की व्यवस्था की गई है। पूरे परिसर में सुरक्षा और व्यवस्थाओं के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं।

महिला सशक्तिकरण पर विशेष फोकस

महोत्सव के पहले दिन महिला सशक्तिकरण और सामाजिक जागरूकता को केंद्र में रखा गया। महिला गोष्ठी के अंतर्गत बेटी बचाओ–बेटी पढ़ाओ विषय पर आधारित नुक्कड़ नाटकों का मंचन किया गया। इन प्रस्तुतियों के माध्यम से बालिकाओं की शिक्षा, सुरक्षा और समान अधिकारों को लेकर संदेश दिया गया। एनआरएलएम से जुड़े लाभार्थियों ने "अपनी कहानी–अपनी जुबानी" कार्यक्रम के तहत अपने अनुभव साझा किए। स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं ने आत्मनिर्भरता की दिशा में किए गए प्रयासों की जानकारी दी।

सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने बांधा समां

धार्मिक अनुष्ठानों के बाद शुरू हुए सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने दर्शकों का मन मोह लिया। स्थानीय कलाकारों ने भक्तिमय गीतों की प्रस्तुति देकर माहौल को आध्यात्मिक रंगों से भर दिया। लोकगायन और पारंपरिक धुनों पर आधारित प्रस्तुतियों को खूब सराहा गया।इसके साथ ही लोकनृत्य समूहों द्वारा प्रस्तुत नृत्य कार्यक्रमों ने दर्शकों को आकर्षित किया। पारंपरिक वेशभूषा, सजीव भाव–भंगिमाओं और लोकसंगीत के तालमेल ने सांस्कृतिक मंच को जीवंत बना दिया। बड़ी संख्या में मौजूद दर्शकों ने तालियों के साथ कलाकारों का उत्साहवर्धन किया।

प्रसव के बाद महिला की मौत, परिजनों ने मुख्य मार्ग जाम कर किया प्रदर्शन

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। जिले के महामाया जिला चिकित्सालय में प्रसव के बाद एक 23 वर्षीय महिला की मौत से हड़कंप मच गया। मृतक महिला नौशीला, पत्नी मेराज, की अचानक मृत्यु के बाद परिजनों ने अस्पताल की महिला चिकित्सक पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए अकबरपुर-अयोध्या मार्ग पर जाम लगा दिया। घटना के कारण यातायात बाधित हो गया।

प्रसव के तुरंत बाद नौशीला की मृत्यु होने के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया। पोस्टमार्टम के बाद परिजनों ने जब शव घर लाया तो उनका गुस्सा और बढ़ गया। उन्होंने आरोप लगाया कि महिला चिकित्सक की कथित लापरवाही के कारण नौशीला की जान गई। गुस्साए परिजन न्याय की मांग करते हुए मुख्य मार्ग को अवरुद्ध कर दिया।

जाम की सूचना पर अकबरपुर थाना प्रभारी निवास पांडेय टीम के साथ घटनास्थल पर पहुंचे। पुलिस

ने परिजनों से बातचीत कर उन्हें समझाया और गुस्से को शांत कराया। काफी समय की समझाइश के बाद परिजनों ने जाम हटा दिया। इसके बाद यातायात सामान्य हुआ।

परिजनों ने आरोप लगाया कि चिकित्सक की लापरवाही के कारण नौशीला की मौत हुई। उन्होंने घटना की निष्पक्ष जांच कर दोषी चिकित्सक के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की मांग की। पुलिस ने परिजनों को आश्वासन दिया कि मामले की जांच नियमों के अनुसार निष्पक्ष तरीके से की जाएगी।

यह घटना जिले में स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता पर गंभीर सवाल खड़े करती है। अस्पताल में प्रसव के दौरान उचित देखरेख और त्वरित चिकित्सा सुविधा न मिलने के कारण यह घटना सामने आई।

फास्ट न्यूज

श्रवण धाम महोत्सव के लिए अकबरपुर से दो विशेष बसें शुरु

अंबेडकरनगर। अकबरपुर से श्रवण धाम महोत्सव में शामिल होने जाने वाले श्रद्धालुओं और दर्शकों के लिए राहत भरी खबर है। परिवहन निगम ने यात्रियों की सुविधा को देखते हुए अकबरपुर से श्रवण धाम के लिए दो विशेष बसों का संचालन शुरू कर दिया है। रविवार से इन बसों की सेवा प्रारंभ कर दी गई है। यह व्यवस्था विशेष रूप से श्रवण धाम महोत्सव के दौरान बढ़ने वाली भीड़ को ध्यान में रखते हुए की गई है।

महामाया राजकीय मेडिकल कॉलेज में आज से तीन दिवसीय वार्षिक समारोह का शुभारंभ

अंबेडकरनगर। महामाया राजकीय एलोपैथिक मेडिकल कॉलेज में तीन दिवसीय वार्षिक समारोह का शुभारंभ सोमवार से होगा। समारोह को लेकर कॉलेज प्रशासन की ओर से सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। यह वार्षिक आयोजन 19 जनवरी से शुरू होकर 21 जनवरी तक चलेगा। कार्यक्रम के दौरान मेडिकल कॉलेज परिसर में शैक्षणिक माहौल के साथ सांस्कृतिक और रचनात्मक गतिविधियों की झलक देखने को मिलेगी।

श्रवण धाम महोत्सव को लेकर प्रशासन अलर्ट

जनपद अम्बेडकरनगर । प्रस्तावित श्रवण धाम महोत्सव के दृष्टिगत प्रशासन पूरी तरह सक्रिय नजर आ रहा है। शनिवार रात जिलाधिकारी अनुपम शुक्ल और पुलिस अधीक्षक अभिजित आर शंकर ने महोत्सव स्थल का स्थलीय निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान सुरक्षा व्यवस्था, यातायात प्रबंधन, बैरिकेडिंग और श्रद्धालुओं की सुविधा से जुड़ी तैयारियों का गहन जायजा लिया गया।

मंदिर परिसर और रामलीला मैदान में चला स्वच्छता अभियान

संचारी रोगों पर संगोष्ठी गांव में निकाली गई जागरूकता रैली

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकरनगर। जनता इंटर कॉलेज महरुआ गोला में चल रहे राष्ट्रीय सेवा योजना के सात दिवसीय विशेष शिविर के दूसरे दिन विविध जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। कार्यक्रम अधिकारी अरुण कुमार सिंह के नेतृत्व में स्वयंसेवकों ने संचारी रोगों से बचाव को लेकर संगोष्ठी, जनजागरूकता रैली और स्वच्छता अभियान में सक्रिय सहभागिता की।

विशेष शिविर के दूसरे दिन की शुरुआत संचारी रोगों और उनसे बचाव विषय पर संगोष्ठी से हुई। संगोष्ठी में स्वयंसेवकों को मलेरिया, डेंगू, टाइफाइड, वायरल फीवर सहित अन्य संचारी रोगों के कारण, लक्षण और रोकथाम के उपायों की

जानकारी दी गई। कार्यक्रम के दौरान बताया गया कि साफ-सफाई, स्वच्छ जल, नियमित हाथ धोना, आसपास जलजमाव न होने देना और समय पर उपचार ही संचारी रोगों से बचाव के प्रभावी साधन हैं। संगोष्ठी में स्वयंसेवकों ने प्रश्नोत्तर के माध्यम से अपनी जिज्ञासाएं भी रखीं। संगोष्ठी के बाद राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवकों ने महरुआ ग्राम में जागरूकता रैली निकाली। रैली कॉलेज परिसर से शुरू होकर गांव के प्रमुख मार्गों से होते हुए रामलीला मैदान तक पहुंची। रैली के माध्यम से ग्रामीणों को स्वच्छता बनाए रखने, खुले में कचरा न फेंकने, जलजमाव से बचने और संचारी रोगों के प्रति सतर्क रहने का संदेश दिया गया।

मंदिर परिसर और रामलीला मैदान में स्वच्छता अभियान

रैली के उपरांत स्वयंसेवकों ने रामलीला मैदान परिसर में स्थित हनुमान मंदिर और शंकर भगवान मंदिर परिसर में स्वच्छता अभियान चलाया। मंदिर प्रांगण और आसपास के क्षेत्र में फैले कचरे को साफ किया गया। स्वयंसेवकों ने झाड़ू लगाकर परिसर को स्वच्छ बनाया और अपशिष्ट को एकत्र कर उचित स्थान पर निस्तारित किया। इस दौरान मंदिर परिसर में साफ-सफाई बनाए रखने और नियमित स्वच्छता पर विशेष ध्यान देने की अपील भी की गई।

स्वयंसेवकों ने निभाई सक्रिय भूमिका

राष्ट्रीय सेवा योजना के इस कार्यक्रम में स्वयंसेवकों ने अनुशासन और टीम भावना के साथ भाग लिया। शिविर के दूसरे दिन का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्र में स्वास्थ्य और स्वच्छता के प्रति जागरूकता बढ़ाना रहा। कार्यक्रम अधिकारी ने बताया कि सात दिवसीय विशेष शिविर के दौरान समाजोपयोगी गतिविधियों के माध्यम से विद्यार्थियों में सामाजिक जिम्मेदारी का बोध कराया जा रहा है।

मौनी अमावस्या पर चांडीपुर घाट पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़

सुरक्षा व्यवस्था को लेकर विशेष इंतजाम, महिलाओं के लिए चेंजिंग रूम बनाए गए

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। थाना राजेसुल्तानपुर क्षेत्र के चांडीपुर घाट पर मौनी अमावस्या के अवसर पर हजारों श्रद्धालुओं ने पवित्र स्नान किया। भारी भीड़ और धार्मिक उत्साह के बीच घाट पर पुलिस बल ने सुरक्षा और व्यवस्था बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

घाट पर भारी भीड़ को नियंत्रित करने और किसी अप्रिय घटना को रोकने के लिए पुलिस ने विशेष इंतजाम किए। थाना प्रभारी अक्षय पटेल ने बताया कि गहरे पानी वाले क्षेत्रों को बांस और रस्सी से घेरा गया ताकि कोई श्रद्धालु गहराई में न जा सके। सुरक्षा के लिए घाट पर पुरुष और महिला सिपाहियों की अलग-अलग तैनाती की गई।

स्नान के लिए घाट पर आए

श्रद्धालुओं ने सुरक्षा व्यवस्था की सराहना की। कई लोगों ने बताया कि प्रशासन द्वारा किए गए इंतजामों ने भीड़ में अनुशासन बनाए रखा। हालांकि कुछ लोगों ने अस्थाई शौचालय और सफाई व्यवस्था को और बेहतर बनाने की मांग की।

घाट पर दुर्घटना रोकने के लिए पुलिस ने गहरे स्थानों के आसपास चेतावनी बोर्ड लगाए और किसी भी तरह की आपात स्थिति में त्वरित कार्रवाई के लिए टीम तैयार रखी। साथ ही घाट के आसपास चिकित्सा सहायता और एम्बुलेंस की व्यवस्था भी की गई थी।

महिलाओं और लड़कियों की सुरक्षा पर विशेष ध्यान

महिलाओं और लड़कियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए कई महिला सिपाही तैनात की गई थीं। उन्होंने भीड़ को नियंत्रित करने के साथ-साथ महिलाओं के लिए बनाए गए अस्थाई चेंजिंग रूम की निगरानी की। बांस और तिरपाल से बनाए गए ये चेंजिंग रूम महिलाओं को स्नान और बदलने की सुविधा प्रदान करने के लिए स्थापित किए गए थे।

पुलिस ने घाट पर रील बनाने वालों को भी रोका, ताकि महिलाओं को स्नान में कोई असुविधा न हो। इसके अलावा घाट पर पुलिसकर्मी लगातार भ्रमण करते रहे और श्रद्धालुओं की सुरक्षा सुनिश्चित की।

गयासपुर में सहकारी सशक्तिकरण अभियान

तमसा संकेत, संवाददाता

जलालपुर, अंबेडकरनगर। जनपद के जलालपुर विकास खंड अंतर्गत गयासपुर में रविवार को 'सहकारी सशक्तिकरण अभियान' का भव्य आयोजन किया गया। कृभको अयोध्या के क्षेत्रीय अधिकारी पवन पटेल के नेतृत्व में आयोजित इस कार्यक्रम का उद्देश्य किसानों को सहकारी आंदोलन से जोड़ते हुए उन्नत कृषि पद्धतियों, संतुलित उर्वरक उपयोग, मृदा परीक्षण और धरती माता बचाओ अभियान के प्रति जागरूक करना रहा। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में किसानों ने सहभागिता की। कार्यक्रम में किसानों को सहकारिता के महत्व और उसके लाभों की जानकारी दी गई। क्षेत्रीय अधिकारी पवन पटेल ने कृभको द्वारा उपलब्ध कराए जा रहे उर्वरकों, कृषि आदानों और सेवाओं की विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि मृदा परीक्षण के आधार पर उर्वरक प्रयोग करने से उत्पादन

किसानों को संतुलित उर्वरक, मृदा परीक्षण और आधुनिक कृषि तकनीकों की दी गई जानकारी

लागत घटती है और फसल की गुणवत्ता व पैदावार में वृद्धि होती है। उन्होंने किसानों से निःशुल्क मृदा परीक्षण सुविधा का अधिक से अधिक लाभ उठाने की अपील की।

कार्यक्रम में उपस्थित कृषि वैज्ञानिक महेंद्र प्रताप गौतम ने फसलों में लगने वाले प्रमुख रोगों और कीट–पतंगों की पहचान पर प्रकाश डाला। उन्होंने वैज्ञानिक तरीके से कीट एवं रोग नियंत्रण के उपाय बताए और रसायनों के संतुलित प्रयोग की आवश्यकता पर जोर दिया।

विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों में विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण अभियान संपन्न

बीएलओ ने बूथ स्तर पर ड्राफ्ट वोटर लिस्ट का सार्वजनिक पाठ किया

फॉर्म 6 और 8 जमा करने की दी गई निर्देश

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। मुख्य निर्वाचन अधिकारी, उत्तर प्रदेश, लखनऊ के निर्देशानुसार जनपद के समस्त विधानसभा क्षेत्रों में विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण अभियान का आयोजन किया गया। यह अभियान अहंता तिथि 01.01.2026 के आधार पर 18 जनवरी, 2026 को सुबह 10:30 बजे से शाम 4:30 बजे तक संपन्न हुआ। अभियान के दौरान बूथ स्तर अधिकारी (बीएलओ) और संबंधित निर्वाचन अधिकारी पूरी तत्परता के साथ उपस्थित रहे।

अभियान के दौरान 277-कटेहरी, 278-टाण्डा, 279-आलापुर, 280-जलालपुर और 281-अकबरपुर

विधानसभा क्षेत्रों के समस्त पोलिंग स्टेशनों पर बीएलओ ने ड्राफ्ट वोटर लिस्ट को जनसामान्य के समक्ष पढ़कर सुनाया। मतदाता अपने नाम, पता, आयु और अन्य विवरणों की जांच कर सकते थे। इसके साथ ही सभी बूथों पर पर्याप्त संख्या में फॉर्म 6 (नए मतदाता पंजीकरण हेतु), फॉर्म 8 (नाम में संशोधन हेतु) और डिक्लेरेशन फॉर्म रखे गए। निरीक्षण में बीएलओ के कार्यों, फॉर्म 6 की अधिकतम प्राप्ति और निस्तारण, तथा प्राप्त नोटिसों को संबंधित मतदाताओं तक समय पर पहुंचाने की स्थिति का जायजा लिया गया। निरीक्षण में मतदाता सूची में सुधार और संशोधन के संबंध में विशेष दिशा-निर्देश दिए गए।

मतदाता पंजीकरण और निरीक्षण

अभियान के दौरान बीएलओ सुपरवाइजर, सहायक निर्वाचन रजिस्ट्रीकरण अधिकारी और निर्वाचन रजिस्ट्रीकरण अधिकारी अपने क्षेत्रों के बूथों का निरीक्षण करते रहे। जिला निर्वाचन अधिकारी एवं उप जिला निर्वाचन अधिकारी ने टाण्डा विधानसभा क्षेत्र के कम्पोजिट उच्च प्राथमिक विद्यालय सकरवाल और प्राथमिक विद्यालय पंथर, साथ ही अकबरपुर विधानसभा क्षेत्र के कम्पोजिट उच्च प्राथमिक विद्यालय (बालिका) बेवाना में औचक निरीक्षण किया।

इब्राहिमपुर में ग्राम प्रधान पर हमला सीसीटीवी में कैद हुई मारपीट की घटना

पुलिस ने दर्ज किया मुकदमा, आरोपियों की तलाश शुरू

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकरनगर। इब्राहिमपुर थाना क्षेत्र के बलरामपुर गांव में ग्राम प्रधान अमित पाण्डेय के साथ मारपीट का मामला सामने आया है। घटना का वीडियो सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गया है, जो अब सार्वजनिक हुआ है। पुलिस ने पीड़ित की तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है।

पीड़ित ग्राम प्रधान अमित पाण्डेय ने इब्राहिमपुर थाने में दी गई तहरीर में बताया कि 17 जनवरी को वह अपने घर के सामने बैठे थे। उसी दौरान दो गाड़ियों से सात लोग आए। हमलावरों के पास रॉड, चेन और डंडे थे। आरोपियों ने उन्हें गाली दी और मारपीट शुरू कर दी। पाण्डेय ने कहा कि मारपीट में उन्हें गंभीर चोटें आई हैं। पाण्डेय के अनुसार हमलावरों में उनके ही गांव के संदीप पुत्र आजाराम वर्मा, अनूप पुत्र आजाराम वर्मा और नवनीत पुत्र

अज्ञात शामिल थे। इसके अलावा कुछ अन्य अज्ञात लोग भी मारपीट में शामिल थे। जब पाण्डेय ने शोर मचाया, तो हमलावर उन्हें जान से मारने की धमकी देते हुए मौके से फरार हो गए। घटना का सीसीटीवी फुटेज घटना की गंभीरता को उजागर करता है। वीडियो में दिख रहा है कि हमलावर किस प्रकार आए और घातक हथियारों के साथ मारपीट की। फुटेज पुलिस को आरोपियों की पहचान और उनके छिपने की संभावना का पता लगाने में सहायक साबित हो सकती है।

क्षेत्राधिकारी (सीओ) शुभम कुमार ने बताया कि पीड़ित की शिकायत पर संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है।

'कोई मतदाता न छूटे' अभियान के तहत मतदाता जागरूकता अभियान तेज

तमसा संकेत, संवाददाता

जलालपुर, अम्बेडकरनगर। निर्वाचन आयोग की पहल 'कोई मतदाता न छूटे' के तहत जलालपुर विधानसभा क्षेत्र में मतदाताओं को अपने नामों की सूची जांचने और सुनिश्चित करने के लिए व्यापक अभियान चलाया जा रहा है। रविवार को भाजपा विकास निषाद के संयोजन में विभिन्न बूथों पर मतदाताओं को जागरूक किया गया और नए मतदाताओं के फॉर्म भरने में सक्रिय सहयोग प्रदान किया गया।

अभियान का मुख्य उद्देश्य सभी पात्र मतदाताओं को सूची में शामिल कराना और नामांकन में किसी प्रकार की कमी न रह जाए, यह सुनिश्चित करना है। विकास निषाद ने मतदाताओं से कहा कि वे अपने नाम, उम्र, पते और अन्य विवरणों की मतदाता सूची में जांच अवश्य करें। यदि कोई मतदाता सूची में शामिल नहीं है तो वह फॉर्म-6 भरकर अपने बीएलओ को जमा कर सकता है या ऑनलाइन पोर्टल

voters.eci.gov.in के माध्यम से आवेदन कर सकता है। यदि सूची में मतदाता का नाम दर्ज है, लेकिन उसमें पता, उम्र या अन्य विवरण में कोई त्रुटि है, तो फॉर्म-8 भरकर संशोधन के लिए आवेदन किया जा सकता है। अभियान के दौरान बूथ स्तर पर प्रशिक्षित कार्यकर्ता और बीएलओ इस प्रक्रिया में मतदाताओं की मदद कर रहे हैं, ताकि कोई भी पात्र मतदाता अपने अधिकार से वंचित न रहे। विकास निषाद के नेतृत्व में बूथों पर भाजपा के कार्यकर्ता नए मतदाताओं को फॉर्म भरने और दस्तावेजों की जांच में सहायता कर रहे हैं। विधानसभा संयोजक केशरी नंदन त्रिपाठी और नगर अध्यक्ष संदीप अग्रहरि भी विभिन्न बूथों का निरीक्षण करते हुए मतदाताओं को मार्गदर्शन प्रदान कर रहे थे।

निर्माण: कलेक्ट्रेट, जिला अस्पताल, न्यायालय और तहसील परिसर से हटेंगे पोलों के तार

हाईटेंशन लाइनों का भूमिगतकरण शुरू, 92.78 लाख की स्वीकृति

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। जिले के प्रमुख प्रशासनिक और न्यायिक परिसरों के आसपास अब बिजली के खंभों पर लटकते हाईटेंशन तार नजर नहीं आएंगे। कलेक्ट्रेट, विकास भवन, जिला अस्पताल, न्यायालय और तहसील परिसर क्षेत्र में फैली 33 केवीए और 11 हजार केवीए बिजली लाइनों को भूमिगत किए जाने की प्रक्रिया शुरू हो गई है। इस कार्य पर कुल 92 लाख 78 हजार रुपये खर्च किए जाएंगे।

लोक निर्माण विभाग ने इस योजना के लिए मध्यांचल विद्युत वितरण निगम को निर्धारित बजट उपलब्ध कराया है। बिजली लाइनों को सुरक्षित ढंग से अंडरग्राउंड करने

के लिए लोक निर्माण विभाग की ओर से पक्की नालियों का निर्माण कराया जा रहा है, जिनके भीतर से केबल बिछाई जाएगी।

मध्यांचल विद्युत वितरण निगम की ओर से बताया गया कि पूरे शहर की बिजली लाइन को एक साथ भूमिगत करना फिलहाल संभव नहीं है, इसलिए चरणबद्ध योजना के तहत सबसे संवेदनशील और व्यस्त क्षेत्रों का चयन किया गया है।

सड़क किनारे बिजली केबलों को सुरक्षित रखने के लिए लोक निर्माण विभाग द्वारा पक्की नालियों का निर्माण कराया जा रहा है। जिला अस्पताल गेट से तहसील परिसर तक, बसखारी रोड स्थित न्यायालय मार्ग और कलेक्ट्रेट क्षेत्र तक लगभग दस लाख रुपये की लागत से नाली निर्माण कराया जाएगा।

11 हजार, 440 वोल्ट और 33 केवीए लाइनें होंगी अंडरग्राउंड

अकबरपुर शहर में 11 हजार वोल्ट, 440 वोल्ट और 33 केवीए क्षमता की बिजली लाइनों को भूमिगत किया जाएगा। इससे न केवल दुर्घटनाओं पर अंकुश लगेगा, बल्कि तकनीकी फॉल्ट की स्थिति में मरम्मत भी अधिक सुरक्षित ढंग से की जा सकेगी।

शहर के भीड़भाड़ वाले इलाकों पर फोकस

पावर कॉरपोरेशन ने शहर में पोलों पर मौजूद हाईटेंशन लाइनों को हटाकर चरणबद्ध तरीके से भूमिगत करने का निर्णय लिया है। फिलहाल उन इलाकों को प्राथमिकता दी गई है, जहां प्रशासनिक कार्यालय, न्यायालय, अस्पताल और अधिक आवागमन रहता है। इन क्षेत्रों में आए दिन शॉर्ट सर्किट और तारों के संपर्क में आने से हादसों की आशंका बनी रहती थी। बिजली घर से ट्रांसफार्मर तक आने वाली लाइनों को हाईटेंशन श्रेणी में रखा जाता है। इन्हीं लाइनों को अंडरग्राउंड कर निर्बाध और सुरक्षित बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने की योजना पर काम शुरू किया गया है।

कंप्यूटर ऑपरेटर की सड़क हादसे में मौत, ट्रेलर ने बाइक को टक्कर मारी

तमसा संकेत, संवाददाता

जलालपुर, अम्बेडकरनगर। जलालपुर में पूर्ति निरीक्षक कार्यालय में कार्यरत कंप्यूटर ऑपरेटर संजय (35 वर्ष) की शनिवार देर शाम सड़क दुर्घटना में मौत हो गई। संजय अपने कार्यालय का काम निपटाकर बाइक से घर लौट रहे थे, तभी सुलतानपुर जनपद के अखंड नगर थाना क्षेत्र के नकटवा मुरादाबाद गांव के पास एक अनियंत्रित ट्रेलर ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी।

हादसा इतनी भीषण था कि संजय की मौके पर ही मौत हो गई। दुर्घटना की सूचना मिलते ही पुलिस टीम तुरंत घटनास्थल पर पहुंची और शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मृतक जौनपुर जनपद के रामपुर गांव के निवासी थे। पुलिस के अनुसार संजय बाइक से जलालपुर से अपने घर लौट रहे थे। उसी समय ट्रेलर अनियंत्रित होकर उनकी बाइक से टकरा गया। टक्कर इतनी जोरदार थी कि संजय की मौके पर ही मृत्यु हो गई।

मृतक संजय की पहचान, पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा

आसपास के लोग तुरंत पुलिस को सूचना दी। मालीपुर थाना अध्यक्ष स्वतंत्र मौर्य ने बताया कि यह हादसा सुलतानपुर जनपद के अखंड नगर थाना क्षेत्र में हुआ। अखंड नगर पुलिस द्वारा मामले की जांच शुरू कर दी गई है। ट्रेलर और चालक की पहचान कर कार्रवाई की जा रही है।

पुलिस ने मृतक का शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद हादसे के कारणों और दुर्घटना में शामिल वाहन की स्थिति की पुष्टि की जाएगी।

सम्पादकीय

बिना शिक्षकों के शिक्षा, सुप्रीम कोर्ट को देना पड़ा भर्ती का आदेश

यह एक विडंबना ही है कि सुप्रीम कोर्ट को उच्च शिक्षा संस्थानों में शिक्षकों के रिक्त पदों को चार माह के अंदर भर्ती करने के आदेश देने पड़े। इसके प्रति तो सरकारों को सजग रहना चाहिए था। चूंकि वे इसे लेकर तत्पर नहीं कि शिक्षकों के रिक्त पद प्राथमिकता के आधार पर भरे जाएं, इसलिए सरकारी और साथ ही निजी क्षेत्र के उच्च शिक्षा संस्थानों में बड़ी संख्या में शिक्षकों के पद रिक्त हैं। यह ठीक नहीं कि जो काम सरकार को करना चाहिए, वह सुप्रीम कोर्ट को करना पड़ा। इसकी अनदेखी नहीं की जा सकती कि कई बार शिक्षकों के पद वर्षों तक खाली पड़े रहते हैं। स्थिति कितनी खराब है, इसका पता इससे चलता है कि शिक्षकों के रिक्त पदों की समस्या से केंद्रीय विश्वविद्यालय भी जूझ रहे हैं। इसका मतलब है कि शिक्षा मंत्रालय भी इसके प्रति सजग नहीं कि शिक्षकों के पद लंबे समय तक रिक्त न रहें। सजगता के इस अभाव के चलते कई विश्वविद्यालयों में तो कुलपति के पद भी रिक्त बने रहते हैं। समझना कठिन है कि ऐसा क्यों है? निःसंदेह यह नहीं कहा जा सकता कि शिक्षकों के रिक्त पदों को भरने के लिए योग्य अभ्यर्थियों का अभाव है। शिक्षकों के पद रिक्त रहने से शिक्षा संस्थानों में कई तरह की समस्याएं घर कर जाती हैं। इसके चलते पठन-पाठन तो प्रभावित होता ही है, छात्रों की परेशानियां भी बढ़ जाती हैं। इन्हीं परेशानियों पर विचार करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने पाया कि देश के उच्च शिक्षा संस्थानों में शिक्षकों और गैर शिक्षकों के पद बड़ी संख्या में खाली पड़े हुए हैं। इसे इससे समझा जा सकता है कि बिहार के विश्वविद्यालयों में शिक्षकों के चार हजार पद रिक्त हैं। हरियाणा में किसी विश्वविद्यालय में छह साल से तो किसी में आठ साल से प्रोफेसर, एसोसिएट प्रोफेसर और असिस्टेंट प्रोफेसर की भर्ती नहीं हुई है। नतीजा यह है कि करीब 60 प्रतिशत पद रिक्त हैं। इसी तरह मध्य प्रदेश के 19 सरकारी विश्वविद्यालयों में से 15 में शिक्षकों के 70 प्रतिशत से ज्यादा पद खाली पड़े हैं। यही स्थिति अन्य राज्यों में भी है। इसका अर्थ है कि उच्च शिक्षा भगवान भरोसे चल रही है। यह दयनीय दशा तब है, जब नई शिक्षा नीति लागू हुए पांच वर्ष बीत गए हैं और उसमें छात्र-शिक्षक अनुपात पर विशेष बल दिया गया है। समस्या केवल यह नहीं कि शिक्षकों के ही पद बड़ी संख्या में रिक्त हैं। शिक्षकों के साथ-साथ गैर शिक्षकों के भी पद रिक्त हैं। यह और कुछ नहीं उच्च शिक्षा के ढांचे को कमजोर करने वाली स्थिति ही है। यह समझने में देर नहीं करनी चाहिए कि उच्च शिक्षा के स्तर में बहुत सुधार की आवश्यकता है और इसकी पूर्ति शिक्षकों के पद रिक्त रहते हुए संभव नहीं।

कक्षा से लोकतंत्र तक: अख़बार पढ़ते बच्चे और जागरूक भारत की नींव

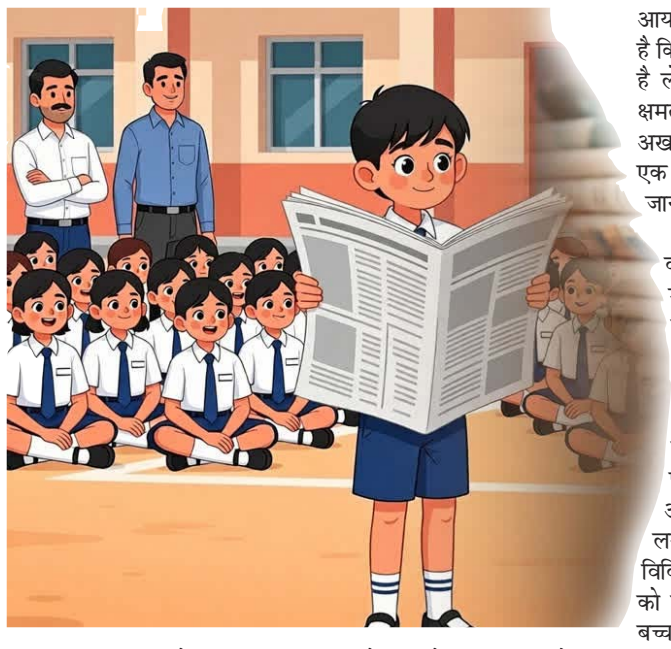

> लोकतंत्र की मजबूती जागरूक नागरिकों पर निर्भर करती है। अखबार पढ़ने वाला बच्चा धीरे-धीरे यह समझने लगता है कि सरकार कैसे काम करती है, नीतियां कैसे बनती हैं और आम लोगों का जीवन उनसे कैसे प्रभावित होता है।

राजस्थान सरकार के स्कूल शिक्षा विभाग ने हाल में 31 दिसंबर को एक आदेश जारी कर सरकारी स्कूलों में विद्यार्थियों को नियमित रूप से अखबार पढ़ना अनिवार्य किया है। इस पहल के तहत विद्यालयों की प्रार्थना सभा में रोज 10 मिनट प्रमुख राष्ट्रीय, अंतरराष्ट्रीय एवं खेलकूद समाचारों के प्रमुख संपादकीय और प्रमुख समाचार घटनाक्रम का वाचन किया जाएगा। साथ ही विद्यार्थियों की शब्दावली सुदृढ़ करने के लिए रोजाना पांच नए शब्दों का अर्थ सहित परिचय कराया जाएगा। इसके लिए कक्षा छह से 12 तक के विद्यार्थियों को दायित्व सौंपा जाएगा। आदेश में बताया गया कि उच्च माध्यमिक विद्यालय में न्यूनतम 2 अखबार (एक अंग्रेजी, एक हिंदी भाषा का) मंगवाये जाएं, जबकि प्रत्येक राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय में हिंदी भाषा के दो अखबार मंगवाए जाएं। इससे पूर्व उत्तरप्रदेश सरकार भी ऐसा ही एक आदेश निकाल चुकी है जहां सरकारी स्कूलों में विद्यार्थियों के प्रतिदिन अखबार पढ़ना अनिवार्य किया गया है। ये आदेश शिक्षा व्यवस्था में एक साधारण प्रशासनिक बदलाव भर नहीं है बल्कि यह उस सोच का प्रतीक है जो शिक्षा को केवल पाठ्यक्रम और परीक्षा तक सीमित नहीं मानती। यह निर्णय ऐसे समय में आया है जब देश भर में यह चिंता गहराती जा रही है कि हमारी शिक्षा प्रणाली बच्चों को अंक तो दे रही है लेकिन सोचने, समझने और सवाल करने की क्षमता लगातार कमजोर होती जा रही है। ऐसे में अखबार पढ़ने को विद्यालयी दिनचर्या से जोड़ना एक दूरदर्शी और लोकतांत्रिक पहल के रूप में देखा जाना चाहिए।

अखबार किसी समाज का जीवंत दर्पण होता है। वह केवल घटनाओं की सूचना नहीं देता बल्कि उनके पीछे छिपे कारणों, प्रभावों और सामाजिक संदर्भों को भी उजागर करता है। राजनीति, अर्थव्यवस्था, शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यावरण, विज्ञान, संस्कृति और खेल—अखबार के पन्नों में समूचा समाज सांस लेता हुआ दिखाई देता है। जब एक विद्यार्थी नियमित रूप से अखबार पढ़ता है, तो वह अनजाने में ही अपने आसपास और देश-दुनिया में घट रही घटनाओं से जुड़ने लगता है। राजस्थान और उत्तरप्रदेश जैसे बड़े और विविधता वाले राज्यों में यह पहल लाखों विद्यार्थियों को व्यापक दृष्टि प्रदान कर सकती है। आज का बच्चा सूचना के महासागर में जी रहा है लेकिन समझ की गहराई लगातार घटती जा रही है। मोबाइल फोन, सोशल मीडिया और रील संस्कृति ने जानकारी को तात्कालिक, अधूरी और भावनात्मक बना दिया है। ऐसे माहौल में अखबार पढ़ना बच्चों को ठहराव, धैर्य और विश्लेषण की आदत सिखाता है। अखबार का हर समाचार बच्चे को यह अवसर देता है कि वह तथ्यों को पढ़े, तुलना करे, कारण–परिणाम को समझे और अपनी राय बनाए। यह प्रक्रिया न केवल बौद्धिक विकास करती है, बल्कि बच्चों को जल्दबाजी में निष्कर्ष निकालने से भी रोकती है। भाषाई विकास के लिहाज़ से यह निर्णय अत्यंत महत्वपूर्ण है। अखबार पढ़ने से बच्चों का शब्द भंडार बढ़ता है, वाक्य संरचना की समझ विकसित होती है और विचारों को स्पष्ट रूप से व्यक्त करने की क्षमता मजबूत होती है। यदि स्कूलों में हिंदी के साथ-साथ क्षेत्रीय भाषाओं और अंग्रेज़ी अखबारों की भी व्यवस्था हो, तो बच्चों में बहुभाषिक समझ का विकास संभव है। यह उन्हें न केवल बेहतर विद्यार्थी बनाएगा, बल्कि भविष्य में किसी भी क्षेत्र में संवाद करने में सक्षम नागरिक भी बनाएगा।

संसद, विधानसभा, न्यायपालिका और प्रशासन से जुड़ी खबरें बच्चों के भीतर संविधान और लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति सम्मान पैदा करती हैं। यही समझ आगे चलकर मतदान, जनभागीदारी और सामाजिक जिम्मेदारी के रूप में दिखाई देती है।

फेक न्यूज़ और अफवाहों के इस दौर में अखबार पढ़ने की आदत बच्चों को विश्वसनीय सूचना स्रोतों से जोड़ती है। अखबार उन्हें सिखाता है कि हर सूचना पर आंख मूंदकर विश्वास नहीं किया जा सकता, बल्कि तथ्यों की जांच और विभिन्न दृष्टिकोणों को समझना जरूरी है। यदि शिक्षक कक्षा में अख़बार की खबरों पर चर्चा, वाद-विवाद और लेखन अभ्यास कराएं, तो यह प्रक्रिया और भी प्रभावी हो सकती है। इससे बच्चों में सवाल पूछने, तर्क करने और सहमति–असहमति को सम्मान के साथ व्यक्त करने की लोकतांत्रिक संस्कृति विकसित होगी। इस पहल का सामाजिक प्रभाव भी दूरगामी हो सकता है। अखबारों में प्रकाशित किसानों, मजदूरों, महिलाओं, बच्चों, दलितों, आदिवासियों और अन्य वंचित समुदायों से जुड़ी खबरें बच्चों के भीतर सामाजिक संवेदनशीलता और न्याय की भावना को मजबूत करती हैं। वे समाज की असमानताओं को पहचानते हैं और उनके समाधान के बारे में सोचने के लिए प्रेरित होते हैं। यही संवेदनशीलता आगे चलकर उन्हें एक जिम्मेदार नागरिक और मानवीय दृष्टि से समृद्ध इंसान बनाती है। शिक्षा विशेषज्ञों का मानना है कि यदि इस आदेश को केवल औपचारिकता न बनाकर उसे रचनात्मक ढंग से लागू किया जाए तो इसके परिणाम लंबे समय तक दिखाई देंगे। स्कूलों में नियमित रूप से अखबार उपलब्ध कराना, समाचारों पर बच्चों को अपनी राय लिखने और बोलने का अवसर देना तथा शिक्षकों को इस प्रक्रिया का सक्रिय मार्गदर्शक बनाना—ये सभी कदम इस पहल को वास्तविक सफलता की ओर ले जा सकते हैं।

कुल मिलाकर, राजस्थान और उत्तरप्रदेश में स्कूलों में अखबार पढ़ने की पहल शिक्षा को जीवन से जोड़ने का एक सार्थक प्रयास है। यह बच्चों को केवल किताबी ज्ञान तक सीमित नहीं रखेगी, बल्कि उन्हें जागरूक, विवेकशील और जिम्मेदार नागरिक बनने की दिशा में आगे बढ़ाएगी। आशा की जानी चाहिए कि अन्य राज्य भी इस प्रयोग से प्रेरणा लेकर शिक्षा व्यवस्था को अधिक लोकतांत्रिक, संवेदनशील और समाजोन्मुख बनाने की दिशा में कदम बढ़ाएंगे।

बाबूलाल नागा

सुप्रीम कोर्ट के सामने...

रामस्वरूप रावतसरे

आधुनिक हिंदू कानून की व्याख्या में प्राचीन ग्रंथों की भूमिका आज भी प्रासंगिक है

सुप्रीम कोर्ट ने 13 जनवरी 2026 को एक ऐतिहासिक फैसले में विधवा बहू को उसके दिवंगत ससुर की संपत्ति से भरण-पोषण (मेंटेनेंस) पाने के अधिकार को मान्यता दी है। फैसले में कोर्ट ने पारिवारिक दायित्वों के बारे में बताने के लिए मनुस्मृति का हवाला दिया। स्पष्ट है कि आधुनिक हिंदू कानून की व्याख्या में प्राचीन ग्रंथों की भूमिका आज भी बनी हुई है। यह फैसला इस बात का भी उदाहरण है कि किस तरह हिंदू दत्तक और भरण-पोषण अधिनियम, 1956 (एचएएमए) जैसे कानूनों की व्याख्या करते समय कोर्ट प्राचीन धर्मशास्त्रों को नैतिक और ऐतिहासिक संदर्भ के रूप में देखते हैं। जानकारी के अनुसार डॉ. महेंद्र प्रसाद का निधन 27 दिसंबर 2021 को हुआ था और उन्होंने 18 जुलाई 2011 की पंजीकृत वसीयत छोड़ी थी। उनके तीन बेटे थे। 2 मार्च 2023 को बेटे रणजीत शर्मा की मौत हो गई जिसके बाद उनकी पत्नी गीता शर्मा ने खुद को आश्रित बताते हुए हिंदू दत्तक और भरण-पोषण अधिनियम (एचएएमए) के तहत ससुर की संपत्ति से भरण-पोषण माँगा। फैमिली कोर्ट ने यह कहते हुए याचिका खारिज कर दी कि ससुर की मृत्यु के समय गीता विधवा नहीं थीं और इसलिए वह कानून के तहत आश्रित नहीं मानी जा सकतीं। 20 अगस्त 2025 को हाई कोर्ट ने इस फैसले को पलटते हुए कहा कि गीता शर्मा अब ससुर के बेटे की विधवा हैं और इस आधार पर उन्हें एचएएमए के तहत आश्रित माना जा सकता है। कोर्ट ने मामले को दोबारा सुनवाई के लिए भेज दिया। इस फैसले को कंचना राय और उमा देवी ने सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी। दोनों ने दावा किया कि वे लगभग 40 सालों से डॉ प्रसाद के साथ रह रही थीं। सुप्रीम कोर्ट के सामने मुख्य कानूनी प्रश्न यह रखा गया कि क्या ससुर की मृत्यु के बाद विधवा हुई बहू, हिंदू दत्तक एवं भरण-पोषण अधिनियम की धारा 21(अपप) के तहत आश्रित की श्रेणी में आती है या नहीं? जस्टिस पंकज मित्तल और जस्टिस एस वी एन भट्टी ने अपने फैसले में एचएएमए की सीधी व्याख्या अपनाई। कोर्ट ने कहा कि धारा 21(अपप) में 'बेटे की कोई भी विधवा' लिखा है, इसमें यह शर्त नहीं है कि पति ससुर से पहले मरा हो। इसलिए समय अप्रासंगिक है और गीता शर्मा कानूनन आश्रित मानी जाएँगी। धारा 22 के अनुसार, ऐसे आश्रितों का भरण-पोषण संपत्ति पाने वाले वारिसों को करना होगा, खासकर तब जब आश्रित को विरासत में हिस्सा न मिला हो। पीठ ने चेताया कि संकीर्ण व्याख्या करना अनुच्छेद 14 के तहत समानता का उल्लंघन होगा क्योंकि इससे विधवाओं को पति की मृत्यु के समय के आधार पर मनमाने ढंग से अलग किया जाएगा। साथ ही, कानून का उद्देश्य कल्याणकारी है और इसलिए अनुच्छेद 21 के तहत सम्मानजनक जीवन के अधिकार को ध्यान में रखते हुए कमजोर महिलाओं को संरक्षण देना जरूरी है। कोर्ट ने कहा कि जहाँ कानून में कमियाँ हो, वहाँ एचएएमए का सेक्शन 4 बिना कोड वाले सिद्धांतों (पारंपरिक सिद्धांत) को बनाए रखता है। कोर्ट ने मनुस्मृति अध्याय 8, श्लोक 389 का जिक्र किया जिसमें कहा गया है कि 'किसी भी पत्नी, बेटे, पिता या माँ को नहीं छोड़ा जाना चाहिए। जो कोई भी इन बेगुनाह परिवार वालों को छोड़ता है, राजा उस पर छह सौ यूनिट का जुर्माना लगाए'। इसका आशय यह है कि परिवार के मुखिया और उसके उत्तराधिकारियों पर आश्रित महिला सदस्यों, विशेष रूप से स्वयं का भरण-पोषण न कर पाने वाली बहू की देखभाल का नैतिक और सामाजिक दायित्व होता है। स्पष्ट है कि ससुर की यह जिम्मेदारी उसकी मृत्यु के बाद भी संपत्ति के उत्तराधिकारियों के माध्यम से जारी रहती है। एचएएमए की धारा 22, धारा 19 का विस्तार करते हुए ससुर की मृत्यु के बाद भी भरण-पोषण के दावे को मान्यता देती है। सुप्रीम कोर्ट ने हाई कोर्ट के फैसले को सही ठहराया और सभी अपीलों को खारिज कर दिया। जानकारों के अनुसार मौजूदा कानून में मनुस्मृति का इस्तेमाल एक संदर्भ के रूप में किया जाता है। अदालतें इसे परंपरा, नैतिक मूल्यों और सामाजिक संदर्भ को समझाने के लिए उद्धृत करती हैं, खासकर परिवार, महिलाओं की गरिमा और सामाजिक सुधार से जुड़े मामलों में।

इतिहास के...

विवेक रंजन श्रीवास्तव

नदी में स्नान भारत बनाम दुनिया

भारत में नदियों के खुले घाटों पर स्नान की परंपरा अत्यन्त प्राचीन, व्यापक और गहरी सांस्कृतिक जड़ों से जुड़ी हुई है। मकर संक्रांति पर जगह जगह लाखों लोग भारत में नदियों में स्नान करते हैं। यहाँ नदी केवल जलधारा नहीं, बल्कि देवी, मातृशक्ति और जीवन-दायिनी के रूप में प्रतिष्ठित है, जिसके जल में डूबकी लगाना शरीर-शुद्धि के साथ-साथ आत्मिक, आध्यात्मिक और नैतिक शुद्धि का भी प्रतीक माना जाता है। गंगा, यमुना, नर्मदा, गोदावरी, कावेरी जैसी नदियों के किनारे बसे नगरों और कस्बों में प्रातःकालीन स्नान, संध्या-आरती, दीपदान, श्राद्ध, पिंडदान और व्रत-उपवासों से जुड़े कर्मकांड एक जीवंत घाट-संस्कृति रचते हैं, जो भारत की सामूहिक स्मृति और धार्मिक जीवन का केन्द्रीय अंग है।

नदी-स्नान को आज भी पाप-पुण्य, मोक्ष और कर्मफल की अवधारणा से जोड़ा जाता है। मान्यता है कि कुछ विशेष तिथियों, पर्वों या योगों पर नदी में स्नान करने से पापों का क्षय और पुण्य की वृद्धि होती है, इसीलिए मकर संक्रांति, पूर्णिमा, अमावस्या या कुंभ जैसे अवसरों पर लाखों-करोड़ों लोग दूर-दूर से आकर नदियों में आस्तिकता और आस्था की डुबकी लगाते हैं। स्नान के भी अपने नियम, मर्यादाएँ और सावधानियाँ निर्धारित हैं, कैसे जल में उतरना है, किन दिशाओं की ओर मुख करके आचमन या संकल्प करना है, किन आचरणों से बचना है, ये सब मिलकर नदी-स्नान को केवल शारीरिक क्रिया नहीं, बल्कि धार्मिक अनुष्ठान बना देते हैं। यदि भारत की इस परंपरा की तुलना विदेशों से की जाए तो स्पष्ट दिखाई देता है कि अन्य देशों में भी नदियाँ जीवन और संस्कृति का महत्वपूर्ण अंग तो हैं लेकिन वहाँ की नदी-संस्कृति का स्वरूप नितांत भिन्न है। यूरोप के कई देशों,जैसे जर्मनी, स्विट्ज़रलैंड और ऑस्ट्रिया में नदी के किनारे सार्वजनिक स्नान और तैराकी की एक समृद्ध परंपरा मौजूद है, किंतु इसका मूल उद्देश्य धार्मिक नहीं बल्कि स्वास्थ्य, स्वच्छता और मनोरंजन है। इन देशों में गर्मियों के मौसम में राइन, एरे जैसी नदियों के किनारे "रिवर पूल", "रिवर बीच" और सुव्यवस्थित तैराकी क्षेत्र बनाए गए हैं जहाँ नगर-निवासी परिवारों के साथ धूप सेंकते हैं, तैरते हैं, विश्राम करते हैं और जल के साथ एक सहज, लौकिक संबंध बनाते हैं। इन स्थलों पर शहरी निकायों द्वारा चेंजिंग रूम, सुरक्षा-बाधाएँ, लाइफगार्ड और स्वच्छता मानकों जैसी सुविधाओं की औपचारिक व्यवस्था रहती है जो आधुनिक सार्वजनिक स्वास्थ्य की दृष्टि से महत्वपूर्ण भी हैं। इतिहास के पन्नों में झाँकने पर यूरोप की स्नान-संस्कृति का एक अलग रूप भी दिखता है।

विश्व को अस्थिर करता अमेरिका

अंतरराष्ट्रीय नियम-कानून को धता बताकर वेनेजुएला पर अमेरिका के हमले और वहां के राष्ट्रपति के अपहरण की चर्चा अभी समाप्त भी नहीं हुई थी कि डोनाल्ड ट्रंप ने ग्रीनलैंड पर कब्जा करने का एलान कर दिया। हालांकि ग्रीनलैंड को हासिल करने की बातें उन्होंने पहले भी की थीं, लेकिन तब अंतर-राष्ट्रीय समुदाय और विशेष रूप से यूरोप ने उनकी बातों को हल्के में लिया था, लेकिन अब उनकी चिंता बढ़ रही है, क्योंकि ट्रंप डेनमार्क के इस स्वायत्तशासी क्षेत्र पर हर हाल में कब्जे के इरादे जता रहे हैं। इस कारण सैन्य संगठन नाटो में शामिल कुछ यूरोपीय देश अपने सैनिकों को ग्रीनलैंड भेज रहे हैं। ग्रीनलैंड के साथ डेनमार्क के नेताओं ने स्पष्ट कर दिया है कि वे ट्रंप के इरादों को पूरा नहीं होने देंगे, लेकिन अमेरिकी राष्ट्रपति किसी की नहीं सुन रहे हैं। वे नाटो का अंत होने की डेनमार्क की चेतावनी का उपहास उड़ाकर कह रहे हैं कि यदि आज से पांच सौ साल पहले डेनमार्क की कोई नौका ग्रीनलैंड पहुंची तो इसका यह अर्थ नहीं कि वह उसका हो गया। ग्रीनलैंड का क्षेत्रफल भारत के क्षेत्रफल का लगभग 70 प्रतिशत है। यह विश्व का सबसे बड़ा द्वीप है। यहां तेल, गैस और दुर्लभ खनिज के भंडार हैं। यहां की बर्फ पिघलने के कारण इन संसाधनों के दोहन की संभावनाएं बढ़ रही हैं। जाहिर है कि इन पर ट्रंप की भी निगाह है। इसके अलावा इस द्वीप का सामरिक महत्व भी है। चूंकि ग्रीनलैंड के साथ उसके आसपास की भी बर्फ पिघल रही है, इसलिए समुद्री रास्तों से वहां तक रूस और चीन की पहुंच आसान हो रही है। इसी कारण ट्रंप कह रहे हैं कि ग्रीनलैंड पर रूस और चीन की निगाह है। हालांकि अतीत में भी अमेरिका के राष्ट्रपतियों ने ग्रीनलैंड को अपना हिस्सा बनाने की बातें की थीं, पर वे कभी इस दिशा आगे नहीं बढ़े। हां, एक समझौते के तहत 1951 में अमेरिका ने ग्रीनलैंड में अपना सैन्य अड्डा कायम कर लिया। यह अभी भी है। ट्रंप का तर्क है कि रूस और चीन का ग्रीनलैंड पर वर्चस्व कायम हो, इसके पहले अमेरिका को उसे अपना हिस्सा बना लेना चाहिए।

-संजय गुप्त

जरा हटके

विगत 11 वर्षों के...

डॉ. बालमुकुंद पाण्डेय

राष्ट्र के समक्ष चुनौतियां और राजनीतिक दल

राजनीतिक दल लोकतंत्र की ' प्राण वायु ' होते हैं। सुशासन, योग्य सहभागिता, संसदीय गरिमा, पारदर्शिता, जिम्मेदारी एवं जवाबदेही राजनीतिक दलों द्वारा प्राप्त होते हैं । राजनीतिक दलों का साध्य ' राष्ट्रीय लक्ष्यों की प्राप्ति एवं राष्ट्र सर्वोपरि ' होता है तो इनका साधन ' संसद में सहयोग ,संसदीय गरिमा की प्राप्ति एवं राष्ट्रीयता की भावना का उन्नयन ' होता है। सामयिक लोकतांत्रिक परिवेश में पड़ोसी देशों में राजनीतिक अस्थिरता ,हिंदू अल्पसंख्यकों पर जानलेवा हमले, पाकिस्तान में लोकतांत्रिक शासकीय संरचना के बजाय सेना को सर्वोच्च शक्ति दिया जाना जैसे मुद्दे चर्चा में रहे हैं. पाकिस्तान की शासकीय व्यवस्था में 3A की प्रासंगिकता हमेशा रही है, अर्थात संयुक्त राज्य अमेरिका का वर्चस्व, आर्मी (सेना) के हाथों में शक्तियों का केंद्रीकरण एवं अल्लाह(धार्मिक राज्येतर कर्ताओं की भूमिकाएं). पाकिस्तान ने अपने ' नकारात्मक साधनों ' जैसे छद्म युद्ध, सीमा पार घुसपैठ एवं चरमपंथी तत्वों को हमेशा बढ़ावा दिया है। ड्रैगन का हिंद महासागर एवं भारत के पूर्वोत्तर भाग पर अनाधिकृत नियंत्रण रेखा को बताना , इन सभी आक्रामक, अविश्वस्नीय कर्ताओं की उपस्थिति एवं अपने मौलिक धर्म ' पड़ोसी प्रथम ' के पालन में राजनीतिक दलों को अपने विचारों में एकता ,भावनात्मक स्तर पर भारत के प्रति राष्ट्रीयता का भाव एवं रचनात्मक विपक्ष की भूमिका में होना आवश्यक है।

क्या भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) राष्ट्र के समक्ष चुनौतियों का मुकाबला करने में समर्थ है?

क्या कांग्रेस सहित' इंडिया' गठबंधन राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय विषयों पर सरकार का सहयोग कर रहे हैं?

क्या वामदल अपने शताब्दी वर्ष में अपने राजनीतिक अस्तित्व को सुरक्षित कर पाएंगे?

क्या क्षेत्रीय दल अपने राजनीतिक कार्यक्रमों में बदलाव के लिए तैयार हो रहे हैं ?

राष्ट्र के समक्ष चुनौतियों का समाधान ' स्थिर विचारधारा' के प्रति स्तुति भावना रखने वाली सरकार कर सकती हैं । विगत 11 वर्षों के कार्यक्रमों, तथ्यों एवं आंकड़ों का राजनीतिक शल्य करने से स्पष्ट होता है कि भारत के समक्ष आंतरिक एवं वाह्य चुनौतियों का निजात वर्तमान सरकार पूरी निष्ठा एवं समर्पण से कर रही है। आंतरिक स्तर पर ' लाल उग्रवाद ', ' पत्थरबाजी की घटनाएं', ' घुसपैठ की समस्याएं ' एवं ' जम्मू कश्मीर में अलगाववाद की समस्याएं' सरकार को अस्थिर करने की सुनियोजित योजना पर सरकार ने कठोर प्रहार किया है। नक्सलवाद अर्थात लाल उग्रवाद अपनी सिंचित भूमि से अंतिम सांसें भर रहा है। सरकार के मजबूत राजनीतिक इच्छा, प्रशासनिक स्तर पर जमीनी निर्णय क्रियान्वयन की प्रतिबद्धता एवं असैनिक एवं सैनिक उत्साह से भारत ' शून्य नक्सलवाद' की तरफ अग्रसर है। विकास एवं पुनर्वास की नीति के कारण नक्सलियों के परिवार शिक्षा ,रोजगार एवं भौतिक एकाग्रता की तरफ आकर्षित हुए हैं एवं सन् 2026 में विकास की नई रोशनी की ऊर्जा की ओर आकर्षित हो रहे हैं। निर्वाचन आयोग एक स्वतंत्र संवैधानिक निकाय है। अपने निर्णय को क्रियान्वित करने में सक्षम एवं स्वतंत्र निकाय है। लोकतांत्रिक संस्कृति में कार्यपालिका का अभिकरण है जिसने अपने ' सघन विशेष पुनरीक्षण ' (SIR) के द्वारा लगभग 4 करोड़ अवैध मतदाताओं को चिन्हित किया है जो पहले लोकतंत्र के महापर्व के हिस्सा थे।

रसनेन्द्रिय विजय

> यह कोई नहीं बता सकता कि उसकि आख़िरी साँस कौन सी होगी।हर व्यक्ति यही सोचता है कि अभी मेरे जाने का समय आया नहीं हैं । यह मिथ्या है। हम तनावमुक्त होकर भोजन करें। हम हड़बड़ी में भोजन न करें।हम चबा चबा कर भोजन करें। हम खाने के लिए दांतों का काम आँतों से न लें। अतः रसनेन्द्रिय विजय होना जीवन का सबसे बड़ा काम हो जाता हैं । कहते हैं कि जिसने रसनेन्द्रिय विजय की उसने कर्मों की एक लड़ाई जीत ली हैं । शरीर के लिए आहार का आधार जरूरी हैं । अपने आप से अपनी रसना पर हमारा नियंत्रण का संयम बहुत कठिन हैं । हमारे द्वारा बढ़ी दृढ़ता से ही जीभ रसना पर विजय पाना आसान सम्भव होता हैं । हम सब पुण्यशाली , सौभाग्य शाली आदि हैं जों हमने भगवान महावीर का शासन पाया हैं । भगवान महावीर ने रसनेन्द्रिय विजय के एक नहीं अनेक सीधे सरल उपाय बताये हैं । रसनेन्द्रिय विजय के द्वारा हम स्वस्थता को आह्वान करें । अपनी रसनेन्द्रिय पर जरुरी लगाम लगायें । आरोगय का नाम लेते ही मस्तिष्क में जो छवि उभरती है वह शारीरिक स्वस्थता की व आरोग्यता की है । हमारे शारीरिक स्वस्थता का सीधा संबंध भोजन से है।भोजन का भी आज विज्ञान है।जिसमें भोजन की गुणवत्ता, स्वास्थ्य प्रदत्तता, मात्रा, मेल-बेमेल भोजन का ज्ञान, खाद्य संयम आदि-आदि समाहित हैं । खाद्य संयम हमें संयम की प्रेरणा देता है । यह विशेष कर आत्म-शोधन की प्रक्रिया हैं । वह इसलिए जब साधना का क्रम चालू करते हैं तो सबसे पहले आहार पर ध्यान दिया जाता है । वह उचित-अनुचित आहार का ज्ञान हमको होना चाहिए । वह तभी तो हमारे व्यस्त पेट को कुछ आराम मिलेगा और हमारी तीन इंच की जीभ भी रसनेन्द्रिय विजय से आराम पायेगी । सात्विक हल्का व भूख से कम भोजन खाना हमारी शुद्ध हवा है ।सब रोगों की एक यही सही दवा हैं । हमारा विवेक खाने में अगर जागृत नहीं तो क्या कोई भी दवा पुष्ट करती हैं । खाद्य संयम का संबंध शरीर और चेतना दोनों के साथ है। वह अल्पहारी का स्वास्थ्य सदा अच्छा रहेगा। अल्पहारी और जो आहार का संयम करता है वह चिरकाल तक युवा रहता है। ऊर्जा संपन्न रहता है । तीसरी बात वह दीर्घायु भी प्राप्त कर सकता है। चौथा बिंदु भाव विशुद्धि, चित्त की निर्मलता और मानसिक पवित्रता आदि है । अतः हम आहार का विशेष संयम रखें। आहार संयम के लियें हम जितना ज्यादा कर सके द्रव्यों की सीमा करें । हम प्रयास करके 9 द्रव्यों या जितने कम हो सकें उतने से ज्यादा न खाएं । वह शुद्ध सात्विक खाना खायें । यही हमारे लिए काम्य हैं ।

> प्रदीप छाजेड़

10 से ज्यादा वीवीआईपी ने नवदंपती को आशिर्वाद दिया, कृषि मंत्री बोले- सपा झूठ बोलने में माहिर

कैबिनेट मंत्री की बेटी की शादी में पहुंचे योगी

शुभकामनाएं

तमसा संकेत, एजेंसी

कानपुर । कानपुर में कैबिनेट मंत्री राकेश सचान की बेटी राशि की शादी में शामिल होने के लिए रविवार सुबह से ही VVIP के आने का सिलसिला जारी है। CSA यूनिवर्सिटी के हेलिपैड में CM योगी का हेलीकॉप्टर उतरा। स्वागत में खड़ी मेयर प्रमिला पांडेय ने सिर झुकाकर CM का अभिनंदन किया।

इसके अलावा साथ में खड़े विधायकों ने पैर छूकर CM से आशीर्वाद लिया। CM के साथ में कैबिनेट मंत्री स्वतंत्र देव सिंह भी रहे। वहीं CSA परिसर में बने दूसरे हेलीपैड में पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद का हेलिकॉप्टर उतरा। भाजपा के नेताओं ने पूर्व राष्ट्रपति का स्वागत किया। अपने शहर में

कैबिनेट मंत्री राकेश सचान की बेटी को फूलों का गुलदस्ता देकर शुभकामनाएं देते सीएम योगी।

उतरते ही सभी से हाथ जोड़कर अभिनंदन किया। मीडिया से बातचीत करते हुए पूर्व राष्ट्रपति ने शहरवासियों को नए साल और मौनी अमावस्या की शुभकामनाएं दीं। इसके बाद CM योगी और पूर्व राष्ट्रपति बिठूर स्थित कार्यक्रम स्थल के लिए रवाना हो गए। इनके अलावा MP के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव समेत 10 से ज्यादा VVIP भी शहर पहुंचे हैं। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव का हेलीकॉप्टर सीएसए में हेलीपैड पर उतरा। कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही, मेयर प्रमिला पांडेय, विधायक सुरेंद्र मैथानी और पूर्व विधायक रघुनंदन सिंह भदौरिया समेत भाजपा नेताओं ने स्वागत किया। एमपी के सीएम ने पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद से मुलाकात की। एमपी के दतिया जिले की भांडेर सीट से कांग्रेस विधायक फूल सिंह बरैया द्वारा महिलाओं के रेप पर दिए गए बयान पर एमपी के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने पलटवार किया। मीडिया से बात करते हुए उन्होंने कहा कि कांग्रेस की नेताओं कि जो मानसिकता रहती है, ये बयान उसी का परिणाम है।

कृषि मंत्री बोले- अखिलेश यादव जो कहते हैं, उसमें कोई सच्चाई नहीं होती

मंत्री राकेश सचान की बेटी की शादी में कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही भी पहुंचे। उन्होंने नव दंपती को आशिर्वाद दिया। इससे पहले मीडिया से बात की। मणिकर्णिका घाट को लेकर अखिलेश यादव के बयानों पर उन्होंने हमला किया। उन्होंने कहा कि अखिलेश यादव जो कहते हैं, उसमें कोई भी सच्चाई नहीं होती है। वह बिना तथ्यों के बयान देते रहते हैं। सोशल मीडिया पर पोस्ट करते रहते हैं। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी को झूठी अफवाह फैलाने में महारथ हासिल है। अखिलेश यादव बेबुनियाद बातों को पोस्ट करते रहते हैं। जिसका कोई भी तथ्य या वजूद नहीं होता है।

कैबिनेट मंत्री की बेटी राशि सचान ने दिल्ली से लॉ की पढ़ाई की है। वह राशि फाउंडेशन भी चलाती हैं। वहीं दामाद शिवेंद्र सचान के पिता यदुवेन्द्र सिंह सचान लेदर कारोबारी हैं। वह काकादेव में रहते हैं।

मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव भी कैबिनेट मंत्री राकेश सचान की बेटी की शादी में शामिल होने पहुंचे। मेयर प्रमिला पांडेय ने उनका स्वागत किया।

राज्यपाल सीएसए में लेंगी समीक्षा बैठक

राज्यपाल आनंदीबेन पटेल भी कानपुर आई हैं। वह CSA में समीक्षा बैठक करेंगी। समीक्षा बैठक में राज्यपाल के अपर मुख्य सचिव सुधीर एम. बोबडे भी रहेंगे। समीक्षा बैठक को लेकर CSA में तैयारियां तेज हैं। माना जा रहा है कि समीक्षा बैठक में कुछ ज्वलंत मुद्दों पर बात हो सकती है। बैठक को लेकर CSA के अधिकारियों ने तैयारियां पूरी कर ली है।

तेजी से बढ़ा साइबर अपराध जागरूकता ही डिजिटल सुरक्षा की असली ढाल

तमसा संकेत, संवाददाता

बिजनौर । डिजिटल इंडिया के दौर में जहां मोबाइल, इंटरनेट और ऑनलाइन लेन–देन आम जीवन का हिस्सा बन चुके हैं, वहीं बिजनौर जनपद में साइबर अपराध एक गंभीर चुनौती के रूप में उभर रहा है। साइबर ठगी, फर्जी बैंक कॉल, ओटीपी फ्रॉड, सोशल मीडिया हैकिंग और ऑनलाइन भुगतान से जुड़ी धोखाधड़ी के मामलों में लगातार वृद्धि दर्ज की जा रही है।

साइबर अपराधी अब पारंपरिक तरीकों से नहीं, बल्कि अत्याधुनिक तकनीक का इस्तेमाल कर लोगों को निशाना बना रहे हैं। फर्जी केवाईसी अपडेट, डिजिटल अरेस्ट का डर, नकली सरकारी नोटिस, व्हाट्सएप लिंक और सोशल मीडिया पर भावनात्मक जाल बिछाकर आम नागरिकों को ठगा जा रहा है। विशेषज्ञों के अनुसार, अधिकांश मामलों में अपराधी लोगों की जानकारी की कमी और जल्दबाजी का फायदा उठाते हैं। बिजनौर में डिजिटल भुगतान, मोबाइल बैंकिंग और ऑनलाइन सेवाओं का दायरा तेजी से बढ़ा है, लेकिन इसके अनुपात में साइबर जागरूकता अभी भी पर्याप्त नहीं है। यही कारण है कि ग्रामीण क्षेत्रों, वरिष्ठ नागरिकों, छात्रों और छोटे व्यापारियों को साइबर ठग आसान निशाना बना रहे हैं। साइबर विशेषज्ञों का स्पष्ट कहना है कि ओटीपी, पिन, बैंक विवरण या आधार से जुड़ी जानकारी किसी के साथ साझा करना सबसे बड़ी भूल है। कोई भी बैंक या सरकारी विभाग फोन पर इस प्रकार की जानकारी नहीं मांगता। अनजान लिंक पर क्लिक करना, संदिग्ध ऐप डाउनलोड करना और फर्जी कॉल पर विश्वास करना आर्थिक नुकसान का मुख्य कारण बन रहा है।

फास्ट न्यूज

अखिलेश जो कहते हैं उसमें कोई सच्चाई नहीं होती

कानपुर । अखिलेश यादव जो कहते हैं, उसमें कोई भी सच्चाई नहीं होती है। वह बिना तथ्यों के बयान देते रहते हैं और सोशल मीडिया पर पोस्ट करते रहते हैं। यह बात भाजपा सरकार के कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने रविवार को चंद्रशेखर आजाद कृषि विश्वविद्यालय में कही।

कृषि मंत्री रविवार को मंत्री राकेश सचान की बेटी की शादी में शामिल होने के लिए कानपुर आए थे।

मतदाता गहन पुनरीक्षण अभियान लोकतंत्र को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम

झालू। नगर पंचायत अध्यक्ष लोकेंद्र चौधरी ने अपनी टीम के साथ विशेष मतदाता पुनरीक्षण अभियान के अंतर्गत (एस आई आर) के निमित्त झालू मण्डल के खारी शक्ति केंद्र के बूथ संख्या 355 के मतदान केन्द्र पर जाकर फॉर्म 6 व नए मतदाताओं के बारे में जानकारी प्राप्त की । रविवार को मतदाता गहन पुनरीक्षण अभियान (एस आई आर) के अंतर्गत झालू मण्डल के खारी शक्ति केंद्र के बूथ संख्या 355 मतदान केन्द्र पर विशेष अभियान चलाया गया।

बुजुर्ग महिला की मौत पर अस्पताल में हंगामा

आगरा । आगरा में नेशनल हाईवे किनारे स्थित प्रभा हॉस्पिटल में एक बुजुर्ग महिला की मौत हो गई। महिला की मौत के बाद परिजनों ने अस्पताल पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए हंगामा किया। करीब 1 घंटे तक प्रदर्शन किया।

इसके बाद शव को हाईवे पर रखकर हंगामा। इस दौरान करीब 15 मिनट तक हाईवे जाम रहा।

हिंदू सम्मेलन का आयोजन

सम्मेलन की शुरुआत वैदिक मंत्रोच्चारण, विधिवत हुई

तमसा संकेत, संवाददाता

सूरतगंज (बाराबंकी)। विकासखंड के ठाकुरपुरवा गांव में रविवार को धार्मिक चेतना और सामाजिक एकजुटता को मजबूती देने के उद्देश्य से एक दिवसीय हिंदू सम्मेलन का आयोजन किया गया। गांव स्थित ऊँ महाकाल शिव शक्ति धाम मंदिर परिसर में आयोजित इस सम्मेलन में सनातन संस्कृति की रक्षा, सामाजिक समरसता और युवाओं की भूमिका पर विशेष जोर दिया गया। सम्मेलन की शुरुआत वैदिक मंत्रोच्चारण, विधिवत पूजा-अर्चना एवं दीप प्रज्वलन के साथ हुई, जिससे संपूर्ण वातावरण भक्तिमय हो गया। कार्यक्रम में क्षेत्र के विभिन्न गांवों से आए श्रद्धालुओं, युवाओं, महिलाओं एवं हिंदू संगठनों से जुड़े कार्यकर्ताओं की बड़ी भागीदारी देखने को मिली। आयोजन का उद्देश्य हिंदू समाज को संगठित कर सनातन संस्कृति, धार्मिक परंपराओं और नैतिक मूल्यों के प्रति जागरूक करना रहा। वक्ताओं ने कहा कि वर्तमान समय में सामाजिक एकता और सांस्कृतिक चेतना बनाए रखना अत्यंत आवश्यक है, जिसके लिए ऐसे आयोजनों की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। सम्मेलन के दौरान चक्रेश पाण्डेय ने अपनी ओजस्वी और राष्ट्रभक्ति से प्रेरित कविताओं के माध्यम से उपस्थित जनसमूह को संबोधित किया। उनकी कविताओं में सनातन धर्म की महिमा, हिंदू गौरव और राष्ट्रप्रेम की स्पष्ट झलक देखने को मिली, जिससे श्रोताओं में विशेष उत्साह का संचार हुआ। कार्यक्रम के संयोजक चक्रेश पाण्डेय ने अपने संबोधन में हिंदू समाज की एकता, संस्कृति संरक्षण और युवाओं की सक्रिय भागीदारी पर बल दिया। उन्होंने कहा कि संगठित समाज ही अपनी परंपराओं और मूल्यों की रक्षा कर सकता है। उन्होंने सभी से सामाजिक समरसता बनाए रखने और धार्मिक मूल्यों को आने वाली पीढ़ी तक पहुंचाने का आह्वान किया।

कार्यक्रम में मुख्य वक्ता रवि प्रकाश ने सनातन धर्म की वर्तमान भूमिका पर प्रकाश डाला, जबकि सम्मेलन की अध्यक्षता राम चंदर वर्मा ने की। उन्होंने कहा कि हिंदू समाज को अपनी जड़ों से जुड़े रहकर राष्ट्र निर्माण में योगदान देना चाहिए।

झांसी में 7 दिन से एक-एक अंग जला रहा था, ऑटो में बक्सा रखकर भागा

गर्लफ्रेंड के टुकड़े-टुकड़े किए, नीले बक्से में रखे

पूछताछ

ऑटो चालक जय सिंह पाल ने बताया- 400 रुपए में ऑटो बुक किया था। चार लोग थे। एक बक्से को रखकर ले गए।

तमसा संकेत, एजेंसी

झांसी । झांसी में बॉयफ्रेंड ने गर्लफ्रेंड की हत्या कर दी। लाश के टुकड़े-टुकड़े कर दिए। रिटायर्ड रेलकर्मी लाश को ठिकाने के इरादे से 7 दिन से रोज एक-एक अंग जला रहा था। बाद में बचे अधजले अंग, हड्डियों और राख को नीले बक्से में भरकर फेंकने जा रहा था।

आरोपी बृजभान ने शनिवार देर रात ऑटो एक बुक किया। उसमें बक्से के साथ सवार हुआ। बक्से से बदबू आने और पानी टपकने पर ऑटो चालक को शक हुआ। उसने रात 2 बजे पुलिस को सूचना दी।

मौके पर पहुंची पुलिस ने बक्सा खोला तो होश उड़ गए। बक्से के अंदर अधजला शव पड़ा था। पुलिस ने ऑटो चालक की निशानदेही पर आरोपी के घर पहुंची। वहां से आरोपी को हिरासत में लिया और पूछताछ शुरू की।

मृतक की पहचान प्रीति (40) के रूप में हुई है। वह बृजभान के साथ सीपरी बाजार के बह्म नगर में लिव-इन में रहती थी।

400 रुपए में बुक किया ऑटो

ऑटो चालक जय सिंह पाल ने बताया- मोहल्ले में ही रहने वाले बृजभान ने 400 रुपए में ऑटो बुक किया। वह अपने घर से एक बक्सा निकालकर लाया। मैंने मना किया कि हम यह नहीं ले जाएंगे, लेकिन उसने जबरदस्ती कहा कि ले चलो। इसी दौरान मुझे शक हुआ। बक्से में हड्डियों जैसी चीजें लग रही थी। बक्से को चिलू वाली गली में उतरवाया लिया। वहां बक्सा उतारने के बाद वह व्यक्ति खुद उसे उठाकर ले गया। उसके साथ कुल चार लोग थे। उन्होंने इसे घर का सामान बताया था।

लाश को टुकड़ों में काटा। फिर इसी चूल्हे में शव के टुकड़ों को जलाता था।

डीएम साहब ! कोई नहीं रोक पा रहा जिले में मिट्टी खनन कुंभकर्णी नींद सोए विभाग

खनन माफिया बनाम कानून

तमसा संकेत, संवाददाता

बिजनौर। उत्तर प्रदेश में अवैध खनन पर सख्त कानून और स्पष्ट नियम होने के बावजूद बिजनौर में जमीनी हकीकत इससे बिल्कुल उलट दिखाई दे रही है। जनपद बिजनौर के कई क्षेत्रों में मिट्टी खनन का कार्य बेख़ौफ़ होकर किया जा रहा है। जिले के नजीबाबाद रोड, नहटौर नूरपुर मार्ग, नूरपुर स्योहारा मार्ग, बिजनौर हल्दौर मार्ग,पर खनन का कार्य चरम सीमा पर है। अखबार की सुर्खियों में आने के बाद भी खनन विभाग और तहसील अधिकारी कुंभकर्णी नींद सोए हुए हैं। सरकारी तालाब को पाटने की शिकायत पर एडीएम वान्या सिंह द्वारा मिट्टी खनन की परमिशन निरस्त किए जाने के एक सप्ताह बाद तक भी उसी परमिशन की आड़ में लगातार मिट्टी खनन किया जाता रहा। यह मामला न केवल प्रशासनिक लापरवाही, बल्कि खनन माफिया को मिले संरक्षण की ओर भी इशारा करता है।सरकारी तालाब पाटे जाने की शिकायत पर सतेंद्र सिंह ग्राम हकुमतपुर केशो उर्फ गांवड़ी की मिट्टी खनन की अनुमति निरस्त कर दी गई। लेकिन निरस्तीकरण आदेश एक सप्ताह तक तहसील प्रशासन तक नहीं पहुंचा। खनन माफिया ने उसी परमिशन का हवाला देकर अवैध खनन जारी रखा।जिसके चलते जिला खनन अधिकारी व तहसील अधिकारियों की भूमिका संदेह के घेरे में है।

उत्तर प्रदेश खनन नियम क्या कहते हैं?

उत्तर प्रदेश में खनन गतिविधियां उत्तर प्रदेश खनिज (अवैध खनन, परिवहन एवं भंडारण का निवारण) नियमावली, 2021 तथा यू.पी. माइनर मिनरल कन्सेशन रूल्स के अंतर्गत संचालित होती हैं। इन नियमों के अनुसार मुख्य प्रावधान सरकारी भूमि, तालाब, नदी, नाला व जलस्रोत से खनन पूर्णतः प्रतिबंधित,अनुमति निरस्त होते ही खनन कार्य तत्काल बंद होना अनिवार्य, अवैध खनन पर वाहन, मशीन और खनिज जब्ती का प्रावधान, दोषी पर भारी जुर्माना और आपराधिक मुकदमा दर्ज किया जा सकता है। जिम्मेदार अधिकारियों की विभागीय कार्रवाई का स्पष्ट प्रावधान,इन नियमों के होते हुए भी यदि खनन जारी रहता है, तो यह कानून का सीधा उल्लंघन है।

खनन विभाग और तहसील प्रशासन पर सवाल आदेश समय पर क्यों नहीं भेजा गया? तहसील प्रशासन ने मौके पर जांच क्यों नहीं की? क्या जिला खनन अधिकारी ने जानबूझकर आंखें मूंदे रखीं? क्या अवैध खनन से राजस्व नुकसान की भरपाई होगी? इन सवालों के जवाब अब भी अधूरे हैं।

पर्यावरण और सरकारी संपत्ति को भारी नुकसान

सरकारी तालाबों का पाटना भू-जल स्तर, सिंचाई व्यवस्था और पर्यावरण संतुलन के लिए गंभीर खतरा है। मिट्टी खनन से न केवल प्राकृतिक संसाधन नष्ट होते हैं, बल्कि सरकार को लाखों रुपये के राजस्व नुकसान का भी सामना करना पड़ता है। जनता और सामाजिक संगठनों की मांग है पूरे मामले की उच्चस्तरीय जांच खनन माफिया के साथ-साथ संरक्षण देने वाले अधिकारियों पर हो कार्रवाई, अवैध खनन में प्रयुक्त मशीनों व वाहनों की तत्काल जब्ती, भविष्य में ऐसे मामलों की पुनरावृत्ति रोकने के लिए कड़ी निगरानी होनी चाहिए।

एसआईआर में कोई मतदाता न छूटे एमएलसी जितेंद्र सिंह सेंगर

तमसा संकेत, संवाददाता

महोबा । विधान परिषद सदस्य जितेंद्र सिंह सेंगर चरखारी नगर मण्डल में भाजपा संगठन द्वारा आवंटित स्थित शक्ति केंद्र रामनगर, बूथ संख्या- 378 खंदिया में विशेष गहन पुनरीक्षण (SIR) अभियान के अंतर्गत महत्वपूर्ण बैठक कर स्थानीय घरों में संपर्क किया 1

उपस्थित कार्यकर्ताओं व नागरिकों को SIR अभियान की प्रक्रिया, उद्देश्य एवं महत्व के साथ-साथ मतदाता सूची के शुद्धिकरण हेतु मृतक मतदाताओं के नाम हटाने, स्थानांतरित मतदाताओं के संशोधन तथा नए मतदाताओं के नाम जोड़ने के लिए फॉर्म-6, 7 व 8 की जानकारी दी । इस अवसर पर साथ मे पूर्व ब्लॉक प्रमुख श्री करण सिंह राजपूत जी,सैनिक प्रकोष्ठ जिला संयोजक श्री कुलदीप भटनागर जी, सांस्कृतिक प्रकोष्ठ जिला संयोजक श्री मनोज द्विवेदी जी, शक्ति केंद्र संयोजक श्री अभिषेक चौबे जी, श्री रविंद्र सिंह चौहान जी, बूथ अध्यक्ष श्री रमेश चंद्र तिवारी जी,श्री मोहन लाल द्विवेदी जी, सभासद श्री हरिहर रैकवार जी सहित पदाधिकारी, कार्यकर्ता बंधु एवं ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

खुलासा : गर्लफ्रेंड को मारने के लिए एमपी से यूपी लाया, रास्ते में तवा खरीदा, जिससे शक न हो

गर्लफ्रेंड की तवे से पीट कर हत्या

तमसा संकेत, एजेंसी

प्रयागराज । प्रयागराज के करीब शंकरगढ़ में 27 दिसंबर को एक महिला की लाश मिली। चेहरे और गर्दन पर गहरे जख्म थे और साफ था कि उसकी हत्या की गई।

18 दिन बाद पुलिस को पता चला कि महिला मध्य प्रदेश की रहने वाली है। जिस ननदोई के साथ महिला लिव इन में थी, उसने ही बेरहमी से मर्डर कर दिया था।

सबसे चौंकाने वाला था वो हथियार, जिसे उसने मर्डर के लिए चुना। उसने हत्या करने के लिए रोटी सेंकने वाले तवे का इस्तेमाल किया, ताकि महिला को शक न हो। मर्डर के 21 दिन तक ननदोई छिपा रहा, आखिरकार पुलिस ननदोई तक पहुंच गई। इस कत्ल के पीछे की वजह 2 लाख रुपए और करीब 4 लाख रुपए के गहने थे, जो उसने महिला को इमोशनल ब्लैकमेल करके हथिया लिए थे। अब महिला उन्हें वापस मांग रही थी। ननदोई ने पुलिस से कहा- ललिता मुझ पर दबाव बना रही थी कि अगर मेरे जेवर और रुपए वापस नहीं किए तो मैं पुलिस के पास जाऊंगी। इसके बाद वारदात को अंजाम देने के लिए हत्यारे ने फुलप्रूफ प्लानिंग की। मप्र के चाकघाट में रहने वाली महिला को 15 किमी दूर यूपी की सीमा से सटे शंकरगढ़ के धवैया गांव में घूमने के बहाने से ले आया। फिर वहां हत्या करने के बाद लाश को खेत में फेंककर भाग निकला। उसे लगा महिला मप्र की रहने वाली है, यहां उसे कोई पहचान ही नहीं सकेगा। हालांकि पुलिस ने जब क्लू से क्लू को जोड़ना शुरू किया, तो 21 दिन बाद हत्यारे तक पहुंच गई।

खेत के किनारे लगी झाड़ियों में मिली थी बॉडी

इस कहानी की शुरुआत 27 दिसंबर, 2025 से हुई। जब शकरगढ़ के धवैया गांव में दरोगा सिंह भदौरिया के खेत में एक महिला का खून से लथपथ शव मिला। पूरे इलाके में सनसनी फैल गई थी। पुलिस महिला की चोटें देखकर समझ गई कि ये हत्या हुई है, लाश ज्यादा पुरानी नहीं थी, इसलिए पुलिस को लेकर पहचान जल्दी हो जाएगी, मगर 13 जनवरी तक महिला के बारे में कोई भी जानकारी नहीं लग सकी। न ही पुलिस से किसी ने महिला की पहचान को लेकर संपर्क किया। शंकरगढ़ पुलिस ने यूपी के प्रयागराज और एमपी के रीवा, सतना में महिला की तस्वीरों के साथ इश्तिहार चस्पा करवाए। पुलिस को इस मर्डर केस में पहला क्लू 14 जनवरी को लगा, जब मध्य प्रदेश के रीवा डभौरा में रहने वाला रामाधार शंकरगढ़ थाने पहुंचा।

इंस्पेक्टर बोले- धीरज ही प्राइम सस्पेक्ट था

पुलिस के लिए यह बड़ा क्लू था। पुलिस ने धीरज से बात करने का प्रयास किया, मगर उसका भी मोबाइल बंद मिला। इससे शक गहरा गया। टीम उसके घर पहुंची तो वह वहां भी नहीं था।

वहां उसकी पत्नी मिली, मगर उसने बताया कि वो अपने काम से कुछ दिनों के लिए बाहर गए हुए है। कहां गए हैं? ये भी मुझे नहीं पता। थाना प्रभारी यशपाल सिंह ने बताया- इसके बाद धीरज पर ही हमारा डाउट हो गया। उसकी डिटेल के साथ 3 टीमें एक्टिव कर दी गईं। हम जानते थे कि धीरज के मिलने के बाद ही ललिता के मर्डर की असली कहानी सामने आएगी।

तेज रफ्तार रोडवेज बस ने हाईवे पर मचाई तबाही, एक की मौत, 10 घायल

तमसा संकेत, संवाददाता

सूरतगंज (बाराबंकी)। रामनगर थाना क्षेत्र अंतर्गत घने कोहरे के बीच नेशनल हाईवे पर रविवार सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। तेज रफ्तार रोडवेज बस ने ओवरटेक करने के दौरान पहले एक इनोवा कार और फिर आर्टिगा समेत अन्य कारों को जोरदार टक्कर मार दी। इस भीषण दुर्घटना में 10 लोग घायल हो गए, जबकि एक व्यक्ति की मौत हो गई। हादसे के बाद हाईवे पर लंबा जाम लग गया, जिससे आवागमन पूरी तरह बाधित हो गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार, जनपद बहराइच के थाना जरवल क्षेत्र के बदाई पुरवा मजरे आगापुर निवासी चालक सबलू पुत्र बासित अली अपने परिजनों के साथ इनोवा कार से लखनऊ एयरपोर्ट गए थे। वह दुबई से आए अपने पुत्र इसरार अहमद को लेकर परिवार के अन्य सदस्यों—मकबूल अहमद, पुत्र सुभान अली, पुत्री रजिया, दामाद अब्दुल सलाम और नातिन सफिया—के साथ वापस घर लौट रहे थे। रविवार सुबह करीब सात बजे जब उनकी इनोवा कार रामनगर थाना क्षेत्र के नेशनल हाईवे पर स्थित हरिनारायणपुर मोड़ के पास पहुंची, तभी लखनऊ की ओर से आ रही आलमबाग डिपो की रोडवेज बस ने ओवरटेक करने के प्रयास में इनोवा कार को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि पास से गुजर रही आर्टिगा कार भी उसकी चपेट में आ गई। इसी दौरान सिद्धार्थ-नगर निवासी मोहम्मद इस्लाम अपने रिश्तेदार अतीकुर्रहमान के साथ यात्रा कर रहे थे। उनकी कार में जनपद गोंडा निवासी देवेंद्र तिवारी भी सवार थे। रोडवेज बस ने उनकी कार को भी टक्कर मार दी। हादसे में अलग-अलग कारों में सवार कुल 11 लोग घायल हो गए।

राघवेंद्र सिंह बने मथुरा बार एसोसिएशन के अध्यक्ष

मथुरा। बार एसोसिएशन के चुनाव में राघवेंद्र सिंह अध्यक्ष चुने गए। राघवेंद्र सिंह ने अपने निकटतम प्रतिद्वंदी त्रिलोक चंद्र शर्मा को 111 मतों से हराया। राघवेंद्र सिंह को 1171 मत मिले वहीं त्रिलोक चंद्र शर्मा को 1060 मत मिले।

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैं हरिचरन लाल, पुत्र केदारनाथ, निवासी ग्राम ररिया, तहसील फतेहपुर, जनपद बाराबंकी (उ०प्र०) का मूल निवासी हूँ। मेरा हाईस्कूल का अंकपत्र, जिसका अनुक्रमांक 1809729, प्रमाण-पत्र संख्या 63028349 तथा रोल नंबर 2164810 है, दिनांक 05/01/2026 को रास्ते में कहीं गिर गया है। जिसकी काफी खोजबीन करने के बाद भी कोई पता नहीं चल सका है। यदि किसी सज्जन व्यक्ति को उक्त अंकपत्र मिले तो कृपया नीचे दिए गए पते पर सूचना देने का कष्ट करें।

सीतापुर में एक घंटे तक आलमारी-बक्से तोड़ते रहे, 50 लाख के गहने-कैश लूटे

रिटायर्ड लेखपाल के घर में बेटे बहू को बंधक बनाकर डकैती

वारदात

तमसा संकेत, एजेंसी

सीतापुर। यूपी के सीतापुर में बदमाशों ने रिटायर्ड लेखपाल के घर पर बेटे-बहू को बंधक बनाकर 50 लाख के गहने और नकदी लूट लिए। 6 बदमाश छत के रास्ते घर में घुसे। असलहे के दम पर परिवार के 6 लोगों को बंधक बना लिया। सभी के मोबाइल फोन छीन लिए। महिलाओं और पुरुषों को अलग-अलग कमरों में बंद कर दिया।

इसके बाद एक घंटे तक पूरे घर को खंगालते रहे। बदमाशों ने घर के सभी बक्से और आलमारियों को तोड़-तोड़कर 45 लाख के गहनों के साथ 5 लाख नकद लूट लिए। लूट के बाद बदमाशों ने परिवार वालों को जान से मारने की धमकी दी और मौके से फरार हो गए। बदमाशों के जाने के बाद पीड़ित परिवार किसी तरह बाहर आया। पुलिस को फोन कर घटना की जानकारी दी। पुलिस, फोरेंसिक टीम और डॉग स्क्वायड के साथ मौके पर पहुंची। आसपास के लोगों से पूछताछ कर सबूत जुटाए।

घटना की जानकारी पर एसपी अंकुर अग्रवाल मौके पर पहुंचे।

खेत के बीच बने मकान में लूट

रसूलपुर गांव के रहने वाले अमर सिंह वर्मा राजस्व विभाग में लेखपाल थे। 5 साल पहले रिटायर हो गए थे। उनके पास गांव में 45 बीघा जमीन है। बस्ती से कुछ दूर खेत के बीच में ही उन्होंने घर बनवा रखा है। चारों तरफ खेत ही खेत हैं। रिटायरमेंट के बाद अमर सीतापुर में बने घर में शिफ्ट हो गए। दो बेटे पुष्कर और अमर अपने-अपने परिवार के साथ गांव में ही रुक गए। दोनों धान की खरीदने-बेचने का काम करते हैं।

मामला तालगांव थाना क्षेत्र के रसूलपुर गांव का है। एसपी अंकुर अग्रवाल ने बताया रसूलपुर गांव में पीड़ित के घर 5 से 6 बदमाश घुसे और असलहे के बल पर लूटपाट की। इस वारदात में करीब 4 से 5 लाख रुपए नकद और ज्वैलरी लूटी गई है। पुलिस टीमें लगा दी गई हैं और जल्द ही घटना का खुलासा किया जाएगा। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि जल्द ही घटना का खुलासा कर बदमाशों को गिरफ्तार किया जाएगा।

पुष्कर ने बताया कि शनिवार को घर के सभी लोग खाना पीना खाकर सो रहे थे। तड़के करीब 3 बजे 6 बदमाश छत के रास्ते घर में घुस आए। इसके बाद एक-एक करके सभी के कमरे में गए और रजाई हटाकर असलहे के बल पर परिवार के सभी सदस्यों को बंधक बना लिया।

पुलिस-फोरेंसिक टीम और डॉग स्क्वायड जांच में जुटे

सूचना मिलते ही तालगांव थाना पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। फॉरेंसिक टीम और डॉग स्क्वायड भी घटनास्थल पर पहुंचकर साक्ष्य जुटाने में लगी है। आसपास के लोगों से पूछताछ की जा रही है और बदमाशों के भागने के संभावित रास्तों की जांच की जा रही है।

45 लाख के गहने और 5 लाख कैश ले गए

बदमाशों ने घर के पुरुषों को एक कमरे में बंद कर दिया और महिलाओं-बच्चों को दूसरे कमरे में बंद कर दिया। सभी के फोन ले लिए और उन्हें बाहर रख दिया। ताकि कोई पुलिस या आसपास के लोगों से संपर्क न कर सके। इसके बाद अलमारी तोड़कर उसमें रखे मेरी पत्नी के गहने और छोटे भाई की पत्नी के गहने, जिनकी कीमत करीब 45 लाख हैं, लूट लिए। अलमारी में रखे 5 लाख रुपए कैश भी ले गए।

प्लास्टिक निर्मित वस्तुओं, के प्रयोग से पर्यावरण को खतरा

तमसा संकेत, संवाददाता

बाराबंकी । एक जमाना था जब मिट्टी के कलात्मक बर्तन व मूर्तियां बनाने वाले कुम्हार बिरादरी के इन बेहतरीन कारीगरों की बड़ी कद्र होती थी राजा महाराजाओं के यहां विधिवत नुमाईशें लगती थी इन्हें इनाम इकराम आदि करके सम्मानित किया जाता था धीरे-धीरे राजतंत्रात्मक शासन प्रणाली समाप्त हो गई और प्रजातंत्रात्मक शासन प्रणाली का प्रादुर्भाव हुआ अब न तो वे राजा रहे और न ही इन की इस कला का सम्मान करने वाले लोग ही रह गए लोगों ने इनके द्वारा बनाए गए बर्तनों के स्थान पर कृत्रिम रूप से निर्मित वस्तुओं का प्रयोग करना शुरू कर दिया जिससे इनकी इस कला को ग्रहण लग गया।

यद्धपि दीपावली के आगमन पर चॉक पर मिट्टी का कार्य करने वाले कारीगरों को अच्छी खासी आमदनी हो जाती थी मिट्टी के दीपक गल्ले भुर्के हांडिया तथा विभिन्न देवी-देवताओं की मूर्तियों को बना करके बेचने पर इन्हें नगदी के साथ ही साथ अनाज भी मिल जाता था जिस पर घर के सारे खर्चों का दारोमदार निर्भर करता था ।

वक्त के थपेड़ों के साथ ही साथ लोगों का इनकी कला की ओर से मोहभंग हो गया फलतः वहीं मिट्टी के कुल्हड़ और प्लेटों के स्थान पर प्लास्टिक से निर्मित गिलासों व प्लेटों का प्रयोग करना शुरू किया जिसका आलम यह हुआ कि इनके मिट्टी में नष्ट न होने के चलते धीरे-धीरे मिट्टी की उर्वरा शक्ति क्षीण होने लगी वहीं जलाने पर वायु प्रदूषण भी फैलने लगा । अन्तता प्रयोग से पर्यावरण को खतरा बढ़ रहा है, परन्तु समय के गर्भ में कब प्रशासन प्लास्टिक बस्तुओं पर रोकथाम लगा पाता है ?

फास्ट न्यूज

सरकारी राशन की दुकान पर जबरन बेचा जा रहा सर्फ

मथुरा। तहसील महावन के ग्राम तैयापुर में सरकारी राशन की दुकान पर जबरन सर्फ बेचने की वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुई है। ग्राम तैयापुर के ग्रामीणों ने शनिवार को इसकी शिकायत तहसील महावन पर पूर्ति निरीक्षक से की है। ग्रामीणों का आरोप है कि राशन डीलर 100 रुपए में जबरन सर्फ बेच रहे हैं सर्फ न लेने डीलर द्वारा सरकारी राशन में कटौती की जा रही है।

माता जी की ज्योति की भव्य शोभा यात्रा

चांदपुर नगर । आस्था और भक्ति के वातावरण के बीच माता जी की ज्योति की भव्य शोभा यात्रा बड़े ही धूमधाम से निकाली गई। देवी मंदिर स्थित संतोषी माता मंदिर परिसर में कार्यक्रम की शुरुआत विधिवत पूजन-अर्चन के साथ हुई, जहां 108 कन्याओं का श्रद्धापूर्वक पूजन किया गया। इसके उपरांत माता ज्वालाजी मंदिर से लाई गई माता जी की पावन ज्योति को विधि-विधान से शोभा यात्रा के रूप में नगर भ्रमण के लिए प्रस्थान कराया गया। माता ज्वालाजी की ज्योति का डोला 11 बजकर 22 मिनट पर देवी मंदिर परिसर से आरंभ हुआ। मार्ग में श्रद्धालुओं ने पुष्प वर्षा कर माता जी की ज्योति का स्वागत किया और जयकारों से वातावरण को भक्तिमय बना दिया।

शिविर का छठा दिन सड़क सुरक्षा जागरूकता दिवस के रूप में मनाया

हल्दौर। क्षेत्र के गांव कूकड़ा इस्लामपुर के समग्र विद्यालय में आरएचएस इंटर कॉलेज की राष्ट्रीय सेवा योजना द्वितीय इकाई द्वारा सात दिवसीय शिविर के छठे दिन सड़क सुरक्षा जागरूकता दिवस मनाया गया। रविवार को कार्यक्रम में थाना हल्दौर के उप निरीक्षक संदीप कुमार मुख्य अतिथि रहे, जबकि अध्यक्षता प्रधानाचार्य मेघराज सिंह राणा ने की।

कमिश्नर के निर्देशों के अनुपालन में मोहिद्दीनपुर में व्यापक सफाई अभियान

तमसा संकेत, संवाददाता

मेरठ। कमिश्नर मेरठ द्वारा जारी सख्त दिशा-निर्देशों के अनुपालन में ग्राम पंचायत मोहिद्दीनपुर के मुख्य मार्ग (मेरठ–दिल्ली रोड) पर एक व्यापक एवं विशेष सफाई अभियान चलाया गया। इस अभियान का उद्देश्य सार्वजनिक मार्गों को स्वच्छ, सुरक्षित एवं अतिक्रमण-मुक्त बनाए रखना तथा आमजन में स्वच्छता के प्रति जागरूकता बढ़ाना रहा।

सफाई अभियान के दौरान सड़क किनारे जमा कूड़े-कचरे को पूरी तरह हटाया गया और नालियों व सार्वजनिक स्थलों की भी साफ-सफाई कराई गई। इसके साथ ही दुकानदारों एवं आसपास के घरों के लोगों को स्वच्छता के महत्व के बारे में समझाया गया। उन्हें स्पष्ट रूप से निर्देशित किया गया कि सड़क किनारे कूड़ा फेंकने से परहेज करें और ग्राम पंचायत द्वारा नियमित रूप से संचालित कूड़ा गाड़ी में ही अपना घरेलू एवं व्यावसायिक कचरा डालें। अधिकारियों ने बताया कि कमिश्नर मेरठ के स्पष्ट और सख्त निर्देश हैं कि मुख्य मार्गों सहित किसी भी सार्वजनिक स्थान पर कूड़ा दिखाई नहीं देना चाहिए। इस दिशा में लापरवाही बरतने पर आवश्यक कार्रवाई भी की जा सकती है। ग्राम पंचायत ने आमजन से सहयोग की अपील करते हुए कहा कि स्वच्छता केवल प्रशासन की नहीं, बल्कि समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है।

यह सफाई अभियान ग्राम प्रधान एवं ग्राम सचिव मनोज शर्मा के नेतृत्व में संचालित किया गया, जिसमें विकास खंड मेरठ के कुल 20 सफाई कर्मियों ने सक्रिय रूप से भाग लिया। ग्राम पंचायत द्वारा यह भी कहा गया कि स्वच्छ और स्वस्थ वातावरण बनाए रखने के लिए भविष्य में भी ऐसे अभियान निरंतर जारी रखे जाएंगे।

बी0एल0ओ0 द्वारा निर्वाचक नामावली के प्रकाशित आलेख्य (ड्राफ्ट सूची) को पढ़कर सुनाया गया

2266 मतदेय स्थलों पर आयोजित हुआ विशेष बूथ दिवस/मेगा कैंप

सभी मतदेय स्थलों पर बीएलओ द्वारा फॉर्म 6, 7 एवं 8 प्राप्त किए गए।

तमसा संकेत, संवाददाता

मथुरा । जिलाधिकारी / जिला निर्वाचन अधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह ने विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण अभियान 2026 के संबंध में राजकीय इंटर कॉलेज मथुरा तथा प्राथमिक विद्यालय औरंगाबाद प्रथम मथुरा पर स्थित मतदेय स्थल का निरीक्षण किया। जिलाधिकारी ने बीएलओ से जानकारी ली कि उनके क्षेत्र में कितने-कितने नाम कटे है, कितने फॉर्म 6, 7 एवं 8 प्राप्त हुए है तथा कितने लोगों को नोटिस दिया गया है। जिलाधिकारी ने मतदेय स्थल पर फॉर्म 6, 7 एवं 8 की उपलब्धता की जानकारी ली। उन्होंने सभी बीएलओ को निर्देश दिए कि शुद्ध एवं त्रुटिरहित मतदाता सूची हेतु पूर्ण निष्ठा एवं दृढ़ता से कार्य सुनिश्चित करे। जिलाधिकारी ने कहा कि विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण अभियान 2026 का कार्य महत्वपूर्ण है, जिसमें कोई भी लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। जिलाधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह ने अवगत कराया है कि जनपद के सभी 2266 मतदेय स्थलों पर भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार रविवार को विशेष बूथ दिवस आयोजित किया गया। विशेष बूथ दिवस में समस्त बीएलओ एवं पदाभिहित स्थलों (मतदान केन्द्रों) पर तैनात पदाभिहित अधिकारी द्वारा उपस्थित रहकर अर्ह नागरिकों से दावे / आपत्तियाँ प्राप्त किए गए। बी0एल0ओ0 द्वारा अनुपस्थित / शिफ्टेड / मृतक / डुप्लीकेट आदि सूची को भी पढ़कर सुनाया गया।

जिलाधिकारी / जिला निर्वाचन अधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह ने विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण अभियान 2026 के संबंध में राजकीय इंटर कॉलेज मथुरा तथा प्राथमिक विद्यालय औरंगाबाद प्रथम मथुरा पर स्थित मतदेय स्थलों का किया निरीक्षण

जिलाधिकारी ने जन साधारण से अपील की है कि जनपद के अर्ह नागरिक, जो दिनांक 1 जनवरी 2026 को 18 वर्ष की आयु पूर्ण कर रहे हैं, वे अपना नाम बढ़ाने हेतु प्रारूप 6, मतदाता सूची से नाम अपमार्जित करने हेतु प्ररूप 7, विद्यमान निर्वाचक नामावली / ईपीआईसी प्रतिस्थापन / दिव्यांगजन चिह्नांकित करने संबंधी प्रविष्टियों का सुधार/ निवास स्थानान्तरण हेतु प्ररूप 8 पर अपना आवेदन भरकर बीएलओ एवं पदाभिहित अधिकारियों को जमा करा सकते हैं तथा उक्त कार्य ऑनलाइन भी किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि यदि किसी व्यक्ति की जन्म भारत में 01.07.1987 के पूर्व हुआ है तो ऐसे मतदाता जिनका नाम 2003 की मतदाता सूची में है, ऐसे मतदाता का केवल एन्मरेशन फॉर्म भरवाना है ।

फॉर्म 6, 7 एवं 8 प्राप्त किए जा रहे

मतदेय स्थलों पर उपस्थित बी0एल0ओ0 ने जिलाधिकारी को अवगत कराया गया कि उनके द्वारा निर्वाचक नामावली के प्रकाशित आलेख्य (ड्राफ्ट सूची) को पढ़कर सुनाया गया है। उन्होंने बताया कि फॉर्म 6, 7 एवं 8 प्राप्त किए जा रहे है तथा लोगों को नोटिस भी प्राप्त कराए गए है। जिलाधिकारी ने भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार अर्हता दिनांक 1 जनवरी 2026 के आधार पर विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र की निर्वाचक नामावलियों का विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण का आलेख्य प्रकाशन दिनांक 06 जनवरी 2026 को जनपद के अन्तर्गत 81 छाता, 82 मांट, 83 गोवर्धन, 84 मथुरा एवं 85 बल्देव (अ०जा०) विधान सभा निर्वाचन क्षेत्रों के समस्त मतदेय स्थलों / पदाभिहित स्थलों (मतदान केन्द्रों) पर कराते हुए दावे / आपत्तियाँ दिनांक 06 जनवरी 2026 से 06 फरवरी 2026 तक प्राप्त की जा रही हैं।

मतदाता पुनरीक्षण अभियान के अंतर्गत बूथों पर परखी गई व्यवस्थाएं : चिंकी गुप्ता

बूथ स्तर पर पहुंची भाजपा मण्डल अध्यक्ष चिंकी गुप्ता

तमसा संकेत, संवाददाता

झालू। मतदाता सूची को अधिक सटीक और पारदर्शी बनाने के उद्देश्य से चल रहे विशेष मतदाता पुनरीक्षण अभियान के अंतर्गत शनिवार को हृदयनंद पब्लिक इंटर कॉलेज परिसर में बनाए गए मतदान केंद्रों की जमीनी हकीकत परखी गई। झालू भाजपा मण्डल अध्यक्ष चिंकी गुप्ता ने बूथ संख्या 379 से 384 तक पहुंचकर पुनरीक्षण कार्य की स्थिति का अवलोकन किया।

इस दौरान बूथों पर तैनात कर्मियों से नए मतदाताओं के पंजीकरण, नाम हटाने तथा संशोधन से संबंधित प्रक्रिया की जानकारी ली गई। बताया गया कि अभियान के अंतर्गत युवा मतदाताओं को सूची में जोड़ने, मृतक अथवा स्थानांतरित मतदाताओं के नाम हटाने और गलत प्रविष्टियों को सुधारने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

निरीक्षण के समय यह भी सामने आया कि बड़ी संख्या में लोग मतदाता सूची में सुधार को लेकर जानकारी लेने पहुंच रहे हैं। ऐसे में बूथों पर फार्म भरने की प्रक्रिया को सरल रखने और आमजन को सहयोग देने के निर्देश दिए गए। साथ ही लोगों से आग्रह किया गया कि वे समय रहते अपने दस्तावेजों के साथ आवेदन कर लें, ताकि भविष्य में किसी प्रकार की परेशानी न हो।

ग्राम चौकपुरी में सेक्टर संयोजक वरुण चौधरी के आवास पर क्षेत्रीय स्तर पर चल रहे पुनरीक्षण अभियान की समीक्षा की गई। बैठक में मतदाता सूची की गुणवत्ता, जागरूकता की स्थिति और ग्रामीण क्षेत्रों में आ रही व्यावहारिक दिक्कतों पर चर्चा हुई।

जनता ने उठाए सवाल ओवरलोड गन्ना ट्रकों -ट्रैक्टर ट्रालो पर चुप्पी क्यों?

दोपहिया-चारपहिया वाहनों पर सख्ती, भारी वाहनों पर कार्रवाई न होने से बढ़ रही नाराजगी

तमसा संकेत, संवाददाता

बिजनौर । जनपद में यातायात पुलिस, पुलिस विभाग और एआरटीओ प्रवर्तन दल की कार्यप्रणाली को लेकर आमजन के बीच चर्चाएं तेज हो गई हैं। लोगों का कहना है कि मोटरसाइकिल और कार चालकों पर चालान की कार्रवाई तो नियमित रूप से की जा रही है, लेकिन ओवरलोड गन्ने से लदे भारी ट्रक और ट्रैक्टर ट्राले सड़कों पर खुलेआम दौड़ते नजर आ रहे हैं। स्थानीय नागरिकों और सामाजिक संगठनों के अनुसार, गन्ना सीजन के दौरान क्षमता से कहीं अधिक लदे ट्रक शहर, कस्बों और प्रमुख मार्गों से गुजरते हैं। ओवरलोडिंग के कारण कई बार ट्रक और ट्रैक्टर ट्राले अनियंत्रित होकर सड़क पर पलट जाते हैं, जिससे राहगीरों और वाहन चालकों की जान खतरे में पड़ जाती है। पूर्व में ऐसी घटनाएं सामने आ चुकी हैं। जनता का सवाल है कि जब ओवरलोडिंग एक गंभीर यातायात अपराध है, तो ऐसे ट्रकों पर नियमित चालान और सीज की कार्रवाई क्यों नहीं दिखाई देती। क्या यातायात नियम केवल दोपहिया और चारपहिया वाहनों तक ही सीमित हैं? मीडिया और जागरूक नागरिकों ने मांग की है कि ओवरलोड गन्ना ट्रकों और ट्रैक्टर ट्रालों के खिलाफ सघन अभियान चलाकर नियमों के तहत कार्रवाई की जाए, ताकि सड़क दुर्घटनाओं पर प्रभावी नियंत्रण हो सके और आमजन को सुरक्षित यातायात मिल सके।

बुद्धिजीवी वर्ग ने जताई चिंता

बुद्धिजीवी वर्ग का कहना है कि ओवरलोड गन्ना ट्रक न केवल कानून व्यवस्था के लिए चुनौती हैं, बल्कि आम नागरिकों की सुरक्षा के लिए भी बड़ा खतरा बने हुए हैं। उनका मानना है कि यदि समय रहते प्रभावी कदम नहीं उठाए गए, तो हादसों की संख्या बढ़ सकती है।

पृष्ठ 01 का शेष...

विधानसभा सत्र...

इस कारण से समाजवादी पार्टी का कहना है कि तीन दिनों तक होने वाले इस आयोजन में विधानसभा सत्र हर साल कम से कम 60 दिनों तक जरूर चले, इस पर भी विचार करना चाहिए.

बिहार में दोबारा ...

केंद्र सरकार ने कई बार चिट्ठी लिखी कि बॉर्डर पर फेंसिंग के लिए जमीन चाहिए, लेकिन बंगाल सरकार को कोई फर्क नहीं पड़ता क्योंकि घुसपैठिए इनके पक्के वोटर हैं।

पीएम ने सिंगूर में 837 करोड़ रुपए के प्रोजेक्ट्स का शिलान्यास और इनॉगरेशन किया। इससे पहले सुबह पीएम असम में थे। वहां मोदी ने कलियाबोर में 6,957 करोड़ के काजीरंगा एलिवेटेड कॉरिडोर की आधारशिला रखी। पीएम ने दो अमृत भारत एक्सप्रेस ट्रेनों- डिब्रूगढ़-गोमती नगर (लखनऊ) और कामाख्या-रोहतक को वर्चुअली हरी झंडी दिखाई।

पीएम मोदी बोले टीएमसी के राज में बेटियां सुरक्षित नहीं हैं। यहां की शिक्षा व्यवस्था माफिया, भ्रष्टाचारियों के कब्जे में है। भाजपा को आपका एक वोट पक्का करेगा कि कॉलेज में रेप-हिंसा की घटनाओं पर लगाम लगे। एक वोट तय करेगा कि बंगाल में संदेशखाली जैसी घटना ना हो।

टीएमसी का छोटे से छोटा नेता खुद को बंगाल का माईबाप समझने लगा है। हुगली को इन्होंने शिक्षक भर्ती घोटाले के लिए बदनाम किया है। बीजेपी इन्हें सजा दिलाएगी। आपको एक बात याद रखनी है बंगाल में निवेश तभी आएगा। जब यहां माफिया, दंगाइयों को हटाया जाएगा।

बंगाल के नौजवानों, किसानों, माताओं-बहनों की हर संभव सेवा करूं, ये मेरा प्रयास रहता है। यहां की टीएमसी सरकार केंद्र की योजनाओं को आप तक पहुंचने नहीं देती। इनको मोदी से दिक्कत है, ये मुझे समझ आता है, लेकिन टीएमसी बंगाल के लोगों से अपनी दुश्मनी निकाल रही है।

हर साल जब ब्रह्मपुत्र का जलस्तर बढ़ता है तो यहां के वन्यजीव ऊंचे इलाकों की ओर निकलते है। रायनो हाथी सड़क के किनारे फंस जाते हैं। इसीलिए यहां 90 किमी लंबा कॉरिडोर तैयार किया जा रहा है। इसके लिए 7 हजार करोड़ रुपए खर्च किए जाएंगे।

पिछले कुछ वर्षों में काजीरंगा में पर्यटकों की संख्या बढ़ी है। इससे गाइड, ट्रैवल एजेंसियों, होटल, हस्तशिल्प कलाकारों और स्थानीय लोगों को आय के नए अवसर मिले हैं।

असम आज दुनिया को दिखा रहा है कि विकास के साथ-साथ विरासत को कैसे संभाला जा सकता है। दशकों तक लोगों को लगता रहा कि देश का विकास कहीं और हो रहा है और वे पीछे रह गए हैं। इस सोच को बदलने का काम किया गया और नॉर्थ ईस्ट के विकास को प्राथमिकता दी गई।

यूपी में पीएम आवास ...

सीएम योगी ने कहा कि स्वच्छ भारत मिशन एक क्रांति लेकर आया है। लोग अब स्वच्छता से रहने लगे हैं। सरकार ने माफिया को दूर किया और आपने गंदगी को, इससे उत्तर प्रदेश आगे बढ़ गया। आज 2,094 करोड़ 21 लाख रुपये की राशि सीधे लाभार्थियों के खातों में भेजी गई है। प्रथम किस्त के रूप में प्रत्येक लाभार्थी को एक लाख रुपये मिलेंगे। 75 प्रतिशत निर्माण पूरा होने पर दूसरी किस्त एक लाख रुपये और अंतिम किस्त 50 हजार रुपये की दी जाएगी। इस तरह प्रत्येक परिवार को कुल ढाई लाख रुपये की सहायता मिलेगी।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि मौनी अमावस्या के अवसर पर प्रयागराज में अब तक चार करोड़ लोग मां गंगा, मां यमुना और मां सरस्वती की पावन त्रिवेणी में स्नान कर चुके होंगे। इसके साथ अयोध्या, काशी और गढ़मुक्तेश्वर जैसे तीर्थों पर करोड़ों श्रद्धालुओं ने पवित्र स्नान किया है। ऐसे पावन अवसर पर आवास योजना की पहली किस्त मिलना लाभार्थियों के लिए विशेष सौगात है। मुख्यमंत्री ने सभी लाभार्थियों को बधाई देते हुए उनसे प्रधानमंत्री को धन्यवाद पत्र लिखने का आह्वान किया और विश्वास जताया कि समयबद्ध तरीके से आवास निर्माण पूरा कर प्रदेश को अधिक सशक्त व आत्मनिर्भर बनाया जाएगा।

'ट्रम्प ने हमें धोखा...

ईरान में 28 दिसंबर से जारी हिंसक प्रदर्शन में अब तक 5,000 लोगों की मौत हो गई है। इनमें करीब 500 सुरक्षाकर्मी शामिल है। एक ईरानी अधिकारी ने नाम न बताने की शर्त पर रॉयटर्स को यह जानकारी दी है। उन्होंने यह भी बताया कि सबसे ज्यादा हिंसक झड़पें उत्तर-पश्चिम ईरान के कुर्द इलाकों में हुईं, जहां हालात सबसे ज्यादा खराब थे। ईरान में फैशन की पढ़ाई कर रही 23 साल की एक कॉलेज की छात्रा को ईरानी सुरक्षा बलों ने 8 जनवरी को गोली मार दी थी। घटना की जानकारी अब सामने आई है। न्यूज एजेंसी AP के मुताबिक छात्रा की मां को लाशों के ढेर के बीच अपनी बेटी की बॉडी ढूंढनी पड़ी।

रिपोर्ट के मुताबिक छात्रा रूबिना अमिनियन को ईरानी सुरक्षाबलों की गोली सीधे सिर के पीछे लगी, जिससे उसकी मौत हो गई। रूबिना की मौत के एक सप्ताह बाद भी परिवार ने रीति रिवाज से उसका अंतिम संस्कार नहीं किया है। सुरक्षा बलों से बचने के लिए उसके शव को चोरी से सड़क के किनारे गड्ढे में ही दफना दिया।

वहीं, ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई ने पहली बार ये माना कि पिछले 28 दिसंबर से जारी प्रदर्शनों के दौरान हजारों लोग मारे गए। उन्होंने इन मौतों के लिए ट्रम्प को जिम्मेदार ठहराया। खामेनई ने कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के हाथ खून से रंगे हैं। ट्रम्प ने इसका जवाब देते हुए कहा कि ईरान सरकार अब चंद दिनों की मेहमान है। वहां नए नेतृत्व की तलाश करने का समय आ गया है।

घटना के समय रूबिना की मां करमनशाह शहर में थीं, जो तेहरान से लगभग 460 किलोमीटर दूर है। रूबिना की मां को उसके दोस्तों ने फोन कर बताया कि उन्हें गोली लग गई है।

न्यूज एजेंसी AP के मुताबिक, वे सब 8 जनवरी को कॉलेज से घर लौट रहे थे, तभी प्रदर्शन दिखाई दिया और वे उसमें शामिल हो गए। ईरानी एजेंट राइफल और शॉटगन का इस्तेमाल कर प्रदर्शनकारियों को तितर-बितर कर रहे थे।

इस दौरान सुरक्षा बलों की गोली रूबिना के सिर के पीछे लगी। जानकारी मिलते ही रूबिना की मां अमीना नोरेई तुरंत तेहरान रवाना हुईं। वहां उन्होंने बेटी की बॉडी ढूंढी। रूबिना राजनीतिक या सक्रिय गतिविधियों में शामिल नहीं थीं।

अकबरपुर में प्रमुख ...

नगर प्रशासन का मानना है कि इससे दुग्ध उत्पादों की उपलब्धता बढ़ेगी और स्थानीय अर्थव्यवस्था को बल मिलेगा।

बोर्ड बैठक में सभी प्रस्तावों को सर्वसम्मति से पारित किया गया। सभासदों ने कहा कि नगर के विकास और पहचान से जुड़े मुद्दों पर सभी ने एकजुट होकर निर्णय लिया है। बैठक का उद्देश्य शहर को एक नई दिशा देना और आने वाले समय में अकबरपुर को एक विशिष्ट पहचान दिलाना रहा।

बोर्ड बैठक के फैसलों के बाद नगर में इन प्रस्तावों को लेकर चर्चा तेज हो गई है। विशेष रूप से नगर का नाम 'लोहिया नगर' किए जाने और रेलवे स्टेशन के नाम परिवर्तन को लेकर लोगों में उत्सुकता देखी जा रही है। अब सभी की निगाहें शासन की स्वीकृति पर टिकी हैं।

जम्मू-कश्मीर में ...

अधिकारियों के मुताबिक आतंकियों की तलाश अभी भी जारी है। इलाके पर ड्रोन से नजर रखी जा रही है। स्निफर डॉग्स की भी मदद ली गई है। जम्मू-कश्मीर पुलिस, सेना, CRPF सर्चिंग में जुटी है।

16 दिसंबर 2025: जम्मू-कश्मीर के उधमपुर में मजालता क्षेत्र के सोहन गांव के पास लगातार दूसरे दिन को आतंकियों और सुरक्षाबलों के बीच एनकाउंटर हुआ था। आतंकियों की गोलीबारी में स्पेशल ऑपरेशंस ग्रुप (SOG) के दो जवान घायल हुए थे। एक दिन पहले हुई मुठभेड़ में जम्मू-कश्मीर पुलिस का जवान शहीद हुआ था।

दिल्ली को 8 विकेट से हराया, कप्तान मंधाना ने 96 रन बनाए, बेल-साटघरे को 3-3 विकेट

डब्ल्यूपीएल में बेंगलुरु की लगातार चौथी जीत

खेल

नई दिल्ली, एजेंसी

विमेंस प्रीमियर लीग (WPL) के चौथे सीजन में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (RCB) ने लगातार चौथा मैच जीत लिया। टीम ने शनिवार के दूसरे मुकाबले में दिल्ली कैपिटल्स को 8 विकेट से हराया। इसी के साथ टीम ने पॉइंट्स टेबल के टॉप पोजिशन पर अपनी स्थिति भी मजबूत कर ली।

नवी मुंबई के DY पाटील स्टेडियम में बेंगलुरु ने बॉलिंग चुनी। दिल्ली ने शेफाली वर्मा की फिफ्टी के दम पर 166 रन बना दिए। लौरेन बेल और सयाली साटघरे को 3-3 विकेट मिले। बेंगलुरु ने कप्तान स्मृति मंधाना के 96 रन की मदद से 18.2 ओवर में 2 ही विकेट खोकर टारगेट हासिल कर लिया। 167 रन के टारगेट के सामने बेंगलुरु ने तीसरे ही ओवर में ओपनर ग्रेस हैरिस का विकेट गंवा दिया। वे 4 गेंद पर 1 रन बनाने के बाद शेफाली वर्मा के हाथों कैच हुईं, उन्हें मारिजान कैप ने पवेलियन भेजा। कप्तान स्मृति मंधाना ने फिर जॉर्जिया वोल के साथ RCB को संभाल लिया। पावरप्ले में टीम 37 रन ही बना सकी, लेकिन दूसरा विकेट नहीं गिरा। वोल और मंधाना ने 7वें ओवर में 12 और 8वें ओवर में 13 रन बना दिए। 12 ओवर में टीम का स्कोर 113 रन तक भी पहुंचा दिया। मंधाना ने फिफ्टी लगाई और वोल के साथ सेंचुरी पार्टनरशिप कर ली। दोनों ने 16 ओवर में टीम को 143 रन तक पहुंचा दिया।

RCB की कप्तान स्मृति मंधाना ने 96 रन बनाए।

टॉस हारकर पहले बैटिंग करने उतरी दिल्ली कैपिटल्स की शुरुआत बेहद खराब रही। टीम ने 10 रन पर ही 4 विकेट गंवा दिए। विकेटकीपर लिजेल ली और कप्तान जेमिमा रोड्रिग्ज 4-4 रन बनाकर आउट हुईं। वहीं लौरा वोलवार्ट और मारिजान कैप खाता भी नहीं खोल सकीं।

विकेट की खुशी मनातीं RCB की प्लेयर्स।

शेफाली ने 100 के पार पहुंचाया

पावरप्ले में 4 विकेट गिरने के बावजूद ओपनर शेफाली वर्मा ने दिल्ली का स्कोरिंग रेट कम नहीं होने दिया। उन्होंने पहले निकी प्रसाद के साथ फिफ्टी पार्टनरशिप की, फिर आखिर की बैटर्स के साथ टीम को 100 रन के पार पहुंचा दिया। उनके सामने निकी 12, मिन्नू मणि 5 और स्नेह राणा 22 रन बनाकर आउट हो गईं। शेफाली भी 41 गेंद पर 4 छक्के और 5 चौके लगाकर 62 रन बनाने के बाद आउट हुईं। आखिर में लुसी हैमिलटन ने 19 गेंद पर 3 चौके और 3 छक्के लगाकर 36 रन बनाए। टीम 166 रन बनाकर ऑलआउट हुई।

श्रेयांका ने 44 रन दिए

बेंगलुरु के लिए लौरेन बेल ने 26 रन देकर 3 विकेट लिए। वहीं सयाली साटघरे को 27 रन देने के बाद 3 विकेट मिले। प्रेमा रावत ने 16 रन देकर 2 विकेट लिए। नदीन डी क्लर्क ने 1 विकेट लिया। एक बैटर रन आउट भी हुईं। श्रेयांका पाटील ने 3 ओवर में 44 रन दे दिए, लेकिन कोई विकेट नहीं ले पाईं। राधा यादव को भी कोई विकेट नहीं मिला।

अंडर-19 वर्ल्डकप में भारत की लगातार दूसरी जीत

बांग्लादेश को 18 रन से हराया

बुलावायो (जिम्बाब्वे), एजेंसी

भारत ने अंडर-19 वर्ल्ड कप में लगातार दूसरी जीत हासिल की है। टीम ने शनिवार को बांग्लादेश को बारिश से प्रभावित मैच में 18 रन से हराया। बुलावायो में बांग्लादेश ने टॉस जीतकर गेंदबाजी चुनी।

भारत पहले खेलते हुए 48.4 ओवर में 238 रन पर ऑलआउट हो गई। टीम ने बांग्लादेश को 49 ओवर में 239 रन का टारगेट दिया, जिसे बारिश के कारण रिवाइज करके 29 ओवर में 165 रन कर दिया गया।

आखिर में बांग्लादेशी टीम ने 28.3 ओवर में 146 ही बना सकी। भारतीय टीम के लिए विहान मल्होत्रा ने 4 विकेट झटके। भारतीय टीम से अभिज्ञान कुंडू (80 रन) और वैभव सूर्यवंशी (72 रन) ने फिफ्टी लगाई। वैभव सूर्यवंशी ने बांग्लादेश की पारी के 26वें ओवर में बाउंड्री पर ठीक वैसा कैच पकड़ा, जैसा सूर्यकुमार यादव ने टी-20 वर्ल्ड कप 2024 के फाइनल में पकड़ा था। वैभव के कैच से मोहम्मद समियुन बसीर रतुल 2 रन बनाकर आउट और दबाव बना।

मैच के बाद दोनों टीमों के खिलाड़ियों ने आपस में हाथ मिलाया। इससे पहले टॉस कराने आए बांग्लादेश के उपकप्तान जवाद अबरार ने भारत के कप्तान आयुष म्हात्रे से हाथ नहीं मिलाया।

विहान मल्होत्रा को 4 विकेट, वैभव-अभिज्ञान की फिफ्टी

ओलिंपिक मेडलिस्ट अमन जीते, टीम हारी, तपस्या गहलावत ने किया क्लीन स्वीप

अंतिम पंघाल की टीम ने मुंबई को 7-2 से हराया

झज्जर, एजेंसी

PWL में हरियाणा के रेसलर्स की धमाकेदार परफॉर्मेंस देखने को मिल रही है। महिला 53 किग्रा वर्ग में दो बार की अंडर-20 वर्ल्ड चैंपियन अंतिम पंघाल ने दमदार जीत हासिल की। जबकि पेरिस 2024 ओलिंपिक कांस्य पदक विजेता अमन सहरावत को टाइगर्स ऑफ मुंबई दंगल के लिए शानदार प्रदर्शन के लिए फाइटर ऑफ द मैच का पुरस्कार मिला। हालांकि अपनी जीत के साथ वे टीम की हार को नहीं बचा पाए।

यूपी डोमिनेटर्स ने शनिवार शाम नोएडा इंडोर स्टेडियम में खेले गए प्रो रेसलिंग लीग 2026 के चौथे मैच में टाइगर्स ऑफ मुंबई दंगल के खिलाफ शानदार प्रदर्शन करते हुए 7–2 से प्रभावशाली जीत दर्ज की।

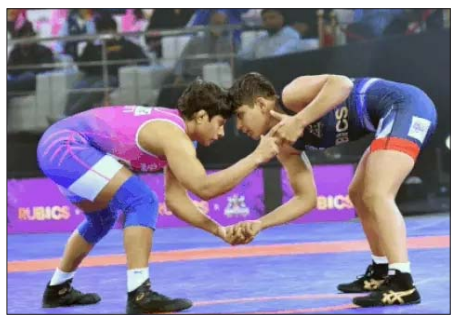

मेरी प्रतिद्वंद्वी मजबूत थी

मैच के बाद जीत दर्ज करने वाली यूपी डोमिनेटर्स की कप्तान हरियाणा के हिसार जिले की रहने वाली अंतिम पंघाल ने कहा, "मेरा बाउट अच्छा रहा, मेरी प्रतिद्वंद्वी मजबूत थीं और मुकाबला कड़ा था। मैंने अपनी तैयारी के अनुसार ही रणनीति को अंजाम दिया, हालांकि हर मैच के बाद सुधार की गुंजाइश रहती है। कप्तान के तौर पर हम टॉस के किसी भी नतीजे के लिए तैयार थे।

निशा दहिया ने फॉल के जरिए जीत हासिल की, जबकि झज्जर की रहने वाली तपस्या गहलावत ने 9-0 की एकतरफा जीत दर्ज कर बढ़त को और बढ़ाया। तपस्या गहलावत ने पिछले साल जूनियर वर्ल्ड रेसलिंग चैंपियनशिप जीतकर विदेश की धरती पर देश का परचम लहरा चुकी है।

वर्ल्ड कप में टीम को लीड करेंगे बाजवा, सिलेक्शन न हुआ तो निराश मां-बाप कनाडा शिफ्ट हुए

पंजाब ने ठुकराया, कनाडा ने टी-20 कैप्टन बनाया

लुधियाना, एजेंसी

जिस क्रिकेटर दिलप्रीत बाजवा को पंजाब ने ठुकराया, वह महज 3 साल में कनाडा की क्रिकेट टीम के कैप्टन बन गए। कनाडा क्रिकेट बोर्ड ने दिलप्रीत को अगले टी-20 वर्ल्ड कप के लिए टीम की कमान सौंपी है। दिलप्रीत पहले पंजाब में क्रिकेट खेलते थे। पटियाला में 130 रन की पारी खेलने के बावजूद पंजाब की अंडर-19 क्रिकेट टीम में उनका सिलेक्शन नहीं हुआ। इससे निराश होकर मां-बाप बेटे को लेकर कनाडा शिफ्ट हो गए।

सरकारी कॉलेज के मैदान से शुरू किया सफरः गुरदासपुर के बटाला के रहने वाले दिलप्रीत को क्रिकेट खेलने का शौक बचपन से था। उन्होंने सरकारी कॉलेज गुरदासपुर के मैदान में कोच राकेश मार्शल के पास क्रिकेट की कोचिंग शुरू की और जिले की टीम का हिस्सा बने।

दिलप्रीत ने पंजाब राज्य अंतर-जिला कटोच शील्ड टूर्नामेंट समेत अन्य टूर्नामेंटों में गुरदासपुर जिले का प्रतिनिधित्व किया। इसी टूर्नामेंट के आधार पर पंजाब रणजी टीम का चयन होता है। दिलप्रीत ने इस टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन किया, फिर भी उनका सलेक्शन नहीं हुआ।

क्रिकेटर दिलप्रीत बाजवा ने पंजाब टीम में चयन नहीं होने पर 2020 में देश छोड़ दिया था।

दिलप्रीत का क्रिकेट का जुनून वहां भी जारी रहा। पहले उन्होंने क्लब क्रिकेट खेला। इसके बाद जब क्रिकेट का हुनर दिखाया तो कनाडा की इंटरनेशनल क्रिकेट टीम में उनका सिलेक्शन कर लिया गया।

पंजाब की टीम के साथ दिलप्रीत सिंह बाजवा (दाएं से तीसरे) सफेद गोल कैप में।

कनाडा की टीम में कुल 6 पंजाबी प्लेयर्स

कप्तान दिलप्रीत सिंह बाजवा के अलावा रोपड़ के परगट सिंह और चंडीगढ़ के नवनीत धालीवाल भी पंजाब में घरेलू क्रिकेट खेल चुके हैं। परगट सिंह तो पंजाब रणजी टीम का हिस्सा भी रहे हैं। वर्तमान में परगट सिंह भी कनाडा की राष्ट्रीय टीम का हिस्सा हैं। इसके अलावा नवनीत धालीवाल ने पंजाब में इंटर डिस्ट्रिक्ट लेवल पर क्रिकेट खेली है। दिलप्रीत के अलावा कनाडा की टी-20 टीम में जसकरनदीप बुट्टर, नवनीत धालीवाल, कंवरपाल, रविंदरपाल सिंह, अजयवीर हुंदल कुल छह प्लेयर कनाडा की टी-20 वर्ल्ड कप टीम में हैं।

मनोरंजन

मृणाल ठाकुर-धनुष की शादी की खबरें फर्जी

एक्टर के करीबी दोस्त बोले- धनुष दूसरी शादी नहीं करेगा, बेटों के लिए सौतेली मां नहीं लाना चाहता

नई दिल्ली। पिछले कुछ दिनों से साउथ स्टार धनुष और एक्ट्रेस मृणाल ठाकुर की शादी की खबरें सुर्खियों में हैं। फ्री प्रेस जर्नल की रिपोर्ट में दावा किया गया कि धनुष और मृणाल 14 फरवरी को शादी के बंधन में बंधने वाले हैं, हालांकि अब एक्टर की करीबी दोस्त ने इन खबरों का खंडन किया है। साथ ही एक्ट्रेस की टीम ने भी खबरों को अफवाह कहा है। इसी बीच अब मृणाल ठाकुर ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर कर खुद को अडिग कहा है। हाल ही में बॉलीवुड हंगामा की रिपोर्ट में धनुष के सबसे करीबी दोस्त, डायरेक्टर-प्रोड्यूसर के हवाले से लिखा गया है, 'उन्होंने अपनी रूमर्ड वेडिंग के बारे में कुछ नहीं बताया, जबकि हम हर रोज मिलते हैं, बातें करते हैं। क्या वो अपने सबसे करीबी लोगों को बताए बिना शादी कर रहा है। क्योंकि अगर मुझे नहीं पता, तो किसी को भी नहीं पता होगा।' आगे उन्होंने कहा, 'जब धनुष और उनकी पूर्व पत्नी (ऐश्वर्या रजनीकांत) कानूनी तौर पर अलग हुए, तो दोनों ने मिलकर दोनों बच्चों यात्रा और लिंगा की मिलकर परवरिश करने का फैसला किया। जहां तक मुझे पता है, धनुष दोबारा शादी करने का इच्छुक नहीं है। वह अपने बेटों के लिए घर में सौतेली मां नहीं लाना चाहता।

पहले कहा था- सांप्रदायिक वजहों से काम नहीं मिला, कंगना बोलीं-आप नफरत में अंधे हुए

इरादे कभी-कभी गलत समझ लिए जाते हैं : एआर रहमान

मुंबई/चेन्नई। कंपोजर-सिंगर एआर रहमान ने अपने पहले दिए गए बयान पर सफाई दी है। उन्होंने कहा कि कभी-कभी इरादे को समझने में गलती हो जाती है। कॉन्ट्रोवर्सी के बाद रहमान का यह पहला बयान है। हाल ही में दिए एक इंटरव्यू में कहा है कि उन्हें सांप्रदायिक वजहों से पिछले 8 सालों से बॉलीवुड में काम नहीं दिया जा रहा है। वहीं, जावेद अख्तर के बाद अब कंगना रनोट भी एआर रहमान के बयान पर भड़क गईं। एक्ट्रेस ने बताया- 'मैं चाहती थी कि एआर रहमान मेरी फिल्म इमरजेंसी का नरेशन करें, लेकिन उन्होंने ये कहते हुए इनकार कर दिया कि वो किसी प्रोपगेंडा फिल्म का हिस्सा नहीं बनना चाहते।' विवाद बढ़ने पर अब एआर रहमान ने सफाई देते हुए कहा है कि वो किसी को ठेस नहीं पहुंचाना चाहते थे। कंगना ने ऑफिशियल इंस्टाग्राम अकाउंट से एआर रहमान का बयान पोस्ट कर लिखा-प्रिय एआर रहमान जी, फिल्म इंडस्ट्री में मुझे बहुत भेदभाव और पक्षपात का सामना करना पड़ता है, सिर्फ इसलिए क्योंकि मैं एक केसरिया पार्टी का समर्थन करती हूं। लेकिन मुझे यह कहना ही पड़ेगा कि आपसे ज्यादा पूर्वाग्रही और नफरत से भरा इंसान मैंने आज तक नहीं देखा।

रहमान ने कहा- भारत मेरी प्रेरणा, मेरा गुरु, मेरा घर

बयान पर विवाद बढ़ने के बाद अब एआर रहमान ने इस पर सफाई दी है। उन्होंने ऑफिशियल इंस्टाग्राम अकाउंट से एक वीडियो जारी किया, जिसमें उन्होंने कहा, 'प्रिय दोस्तों, संगीत हमेशा से मेरे लिए जुड़ने, जश्न मनाने और किसी संस्कृति को सम्मान देने का माध्यम रहा है। भारत मेरी प्रेरणा है, मेरा गुरु है और मेरा घर है। मैं समझता हूं कि कई बार लोगों की नीयत को गलत समझ लिया जाता है, लेकिन मेरा उद्देश्य हमेशा संगीत के जरिए लोगों को ऊपर उठाना, सम्मान देना और सेवा करना ही रहा है।' आगे उन्होंने कहा, 'मैंने कभी किसी को दुख पहुंचाने की इच्छा नहीं रखी है, और मुझे उम्मीद है कि मेरी सच्चाई महसूस की जाएगी। मुझे भारतीय होने पर गर्व है, क्योंकि यही मुझे ऐसा माहौल बनाने की आजादी देता है जहां अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता हो और हर तरह की संस्कृतियों की आवाजों का सम्मान किया जाए।'

कहा- स्ट्रगलिंग एक्ट्रेस को शुगर डैडी चाहिए होता है, फंसा लेती हैं, सबूत मिला तो माफ नहीं करूंगी

गोविंदा के अफेयर पर सुनीता का बयान

बीते साल गोविंदा और सुनीता के तलाक की खबरें सुर्खियों में थीं। रिपोर्ट्स के अनुसार, मई 2025 में सुनीता ने बांद्रा फैमिली कोर्ट में तलाक की अर्जी भी दी थी। हालांकि बाद में उन्होंने इंटरव्यू में सुलह की बात कही। इसी समय खबरें रहीं कि गोविंदा का अफेयर एक मराठी एक्ट्रेस से चल रहा है।

नई दिल्ली, एजेंसी

सुनीता आहूजा ने फिर एक बार गोविंदा के अफेयर की खबरों पर रिएक्शन दिया है। उनका कहना है कि गोविंदा का इस उम्र में अफेयर करना शोभा नहीं देता। इससे उनके बच्चे भी डिस्टर्ब होते हैं। सुनीता ने ये भी चेतावनी दी है कि अगर उन्हें गोविंदा के खिलाफ सबूत मिलते हैं, तो वो उन्हें कभी माफ नहीं करेंगी।

सुनीता आहूजा ने हाल ही में मिस मालिनी को दिए इंटरव्यू में कहा है, '2025 मेरे लिए बहुत बुरा साल था, क्योंकि उस समय हमारी फैमिली लाइफ में काफी परेशानियां चल रही थीं। मैं गोविंदा के बारे में भी कई बातें सुन रही थी, जो मुझे बिल्कुल अच्छा नहीं लग रहा था। मैं हमेशा कहती हूं कि हर चीज करने की एक उम्र होती है। 63 साल की उम्र में ऐसी बातें सुनना अच्छा नहीं लगता, खासकर जब बच्चे बड़े हो चुके हों। यह सब बहुत गलत और दुखद था। उम्मीद है कि 2026 में भगवान गोविंदा को सही समझदारी दें।' आगे सुनीता ने कहा है, 'देखो, मेरे बच्चे अब बड़े हो गए हैं, और मैंने हमेशा यही कहा है कि ऐसी बातों से बच्चे परेशान होते हैं। मैं हमेशा कहती हूं कि यह तुम्हारी उम्र नहीं है। आजकल क्या होता है, जो लड़कियां स्ट्रगल करने आती हैं, उन्हें एक शुगर डैडी चाहिए होता है, जो उनका खर्च चलाए। चेहरा दो कौड़ी का होता है, लेकिन हीरोइन बनना चाहती हैं। तो फिर क्या उम्मीद करोगे? फिर फंसा लेंगी, बाद में ब्लैकमेल करेंगी, ऐसी बहुत लड़कियां आती हैं। लेकिन तुम थोड़ी बेवकूफ हो। तुम 63 साल के हो चुके हो।'

सुनीता आहूजा ने बातचीत में ये भी कहा है कि अगर उन्हें गोविंदा के खिलाफ सबूत मिले, तो वो उन्हें कभी माफ नहीं करेंगी। उन्होंने कहा, 'तुम्हारी एक अच्छी फैमिली है, सुंदर बीवी है, दो बड़े बच्चे हैं।

पिता को याद कर छलक पड़े रानी मुखर्जी के आंसू

बोलीं- पापा ने साथिया 26 बार देखी

नई दिल्ली, एजेंसी

रानी मुखर्जी की फिल्म 'मर्दानी 3' थिएटर्स में 30 जनवरी 2026 को रिलीज होगी। जब भी रानी मुखर्जी की कोई फिल्म रिलीज होने वाली होती है तो अपने पिता को याद कर वह भावुक हो जाती हैं। बातचीत के दौरान अपने पिता राम मुखर्जी को याद कर उनकी आंखों से आंसू छलक पड़े। रानी कहती है कि कब भी कोई फिल्म रिलीज होने वाली होती है तो पिता की बहुत याद आती है। उन्हें इस बाद का बहुत ही मलाल है कि उनके पिता 'मर्दानी 3' नहीं देख पाएंगे।

30 साल के फिल्मी करियर में रानी मुखर्जी को पहली बार फिल्म 'मिसेज चटर्जी वर्सेस नॉर्वे' के लिए 71वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार में सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का अवॉर्ड मिला था। इस अवॉर्ड को उन्होंने अपने दिवंगत पिता राम मुखर्जी को समर्पित किया था।

रानी मुखर्जी कहती हैं- जीवन में जब भी ऐसा कोई पल आता है तो डैडी की बहुत याद आती है। पापा के जाने के बाद तो एक बड़ा धक्का तो लगा ही था। नेशनल अवॉर्ड ही नहीं, हर अच्छे-बुरे पल में पापा की याद आती है। जन्मदिन हो या कोई खुशी का मौका, हर बार पापा याद आते। जब उदास हूं, परेशान हूं या मुश्किल वक्त चल रहा हो, तब भी पापा याद आते।

पाकिस्तानी बोले पूर्व पीएम का परिवार गद्दार, देशभक्ति सिखाने वालों ने भारतीय ब्रांड चुना

नवाज की बहू ने भारतीय डिजाइनर का लहंगा पहना

आपत्ति

इस्लामाबाद, एजेंसी

पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ के नाती की दुल्हन ने भारतीय डिजाइन का लहंगा पहना। इससे पाकिस्तानी नाराज हो गए। नवाज शरीफ की बेटी और वहां के पंजाब प्रांत की मुख्यमंत्री मरियम नवाज के बेटे जुनैद सफदर की शादी लाहौर में हुई।

जुनैद ने शनिवार को नवाज शरीफ की पार्टी के ही सीनियर नेता शेख रोहेल असगर की पोती शंजे अली रोहेल से निकाह किया है। शंजे अली ने मेहंदी समारोह में भारतीय

डिजाइनर सब्यसाची मुखर्जी का डिजाइन किया हुआ हरे रंग का लहंगा पहना।शादी की तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल होते ही पाकिस्तानी लोगों ने सवाल उठाना शुरू कर दिया। उन्होंने कहा- बड़े पाकिस्तानी राजनीतिक परिवार की शादी में भारतीय डिजाइनरों को क्यों चुना गया। कुछ सोशल मीडिया यूजर्स ने शरीफ परिवार को गद्दार तक कहा। लोगों ने कहा– हमें देशभक्ति का पाठ पढ़ाने वाले खुद भारतीय ब्रांड चुनते हैं।

शंजे अली रोहेल ने जो लहंगा पहना था उसमें पारंपरिक डिजाइन, अलग-अलग रंगों के हिस्से, मोटा सुनहरा बॉर्डर और हरे व गुलाबी रंग के दुपट्टे थे। इसके बाद शनिवार को निकाह हुआ, जिसमें प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और उप प्रधानमंत्री इशाक डार भी मौजूद रहे। शादी समारोह में दुल्हन ने भारतीय डिजाइनर तरुण तहिलियानी की डिजाइन की हुई लाल साड़ी पहनी। कुछ लोगों का कहना था कि पाकिस्तानी डिजाइनर दुल्हन को ज्यादा देशी और सांस्कृतिक लुक दे सकते थे और भारतीय डिजाइनरों का चुनाव खास नहीं लगा। कुछ यूजर्स ने मशहूर पाकिस्तानी डिजाइनरों के नाम गिनाते हुए नाराजगी जताई। वहीं कुछ लोगों ने दुल्हन का समर्थन भी किया और कहा कि कपड़ों का चुनाव निजी फैसला होता है और फैशन की कोई सीमा नहीं होती।

सब्यसाची और तरुण तहिलियानी भारत के मशहूर ब्रांड

सब्यसाची मुखर्जी भारत के सबसे जाने-माने फैशन डिजाइनर्स में से एक हैं। सब्यसाची को खास तौर पर ब्राइडल वियर और पारंपरिक भारतीय कारीगरी को नए अंदाज में पेश करने के लिए जाना जाता है।

उनकी डिजाइन की हुई शादी की ड्रेस बॉलीवुड की कई बड़ी शादियों का हिस्सा रही है। अनुष्का शर्मा, दीपिका पादुकोण, प्रियंका चोपड़ा, कैटरीना कैफ और बिपाशा बसु ने अपनी शादी में उनके आउटफिट्स पहने हैं।

भारतीय डिजाइनर का लहंगा पहनने पर मरियम नवाज ट्रोल

मीडिया रिपोर्ट्स में यह भी बताया गया है कि सिर्फ दुल्हन ही नहीं, बल्कि मरियम नवाज ने भी मेहंदी समारोह के लिए भारतीय डिजाइनर अभिनव मिश्रा का पाउडर-ब्लू लहंगा पहना था। रिपोर्ट के मुताबिक, इस लहंगे की कीमत पाकिस्तानी करेंसी में करीब 4 लाख रुपए है।

इसे लेकर मरियम को सोशल मीडिया पर ट्रोल किया गया। एक यूजर ने लिखा कि मरियम नवाज को हर समय दुल्हन की तरह सजने का शौक है। वहीं एक अन्य ने लिखा कि शादी में सबसे अहम इंसान दुल्हन होती है और किसी को भी उससे बेहतर कपड़े नहीं पहनने चाहिए। आखिर यह नानी अम्मा दुल्हन की तरह क्यों सजी हुई हैं।

मरियम नवाज ने भी मेहंदी समरोह के दौरान भारतीय डिजाइनर अभिनव मिश्रा का पाउडर-ब्लू लहंगा पहना था। (इमेज क्रेडिट- सोशल मीडिया)

ईरान में फंसे हैं 16 भारतीय नाविक 1 महीने से लगा रहे मदद की गुहार

वापस लाने के लिए सरकार कर रही ये उपाय

नई दिल्ली, एजेंसी

ईरान में पिछले महीने जब्त किए गए एक कमर्शियल जहाज पर सवार 16 भारतीय क्रू मेंबर्स की मदद के लिए भारत सरकार लगातार कोशिश कर रही है।

तेहरान स्थित भारतीय दूतावास ने शनिवार को साफ किया कि वह ईरानी अधिकारियों पर दबाव बनाए रखेगा ताकि भारतियों को जल्द से जल्द कॉन्सुलर एक्सेस मिल सके।

दूतावास के अनुसार, एमटी वैलेंट रोर नाम के इस जहाज को 14 दिसंबर को हिरासत में लिया गया था। इसकी जानकारी मिलते ही, बंदर अब्बास में भारतीय वाणिज्य दूतावास ने फौरन कदम उठाया।

दूतावास ने एक आधिकारिक बयान में कहा, 'बंदर अब्बास में भारतीय वाणिज्य दूतावास ने तुरंत ईरान सरकार को पत्र लिखकर क्रू को कॉन्सुलर एक्सेस देने की मांग की।' इसके बाद, यह अनुरोध कई बार दोहराया गया। राजनयिक पत्रों के अलावा, बंदर अब्बास और तेहरान में व्यक्तिगत बैठकें की गईं, जिसमें राजदूत स्तर की चर्चाएं भी शामिल रहीं।

दूतावास का मानना है कि यह मुद्दा ईरान की न्यायिक प्रक्रिया के अंतर्गत आएगा, लेकिन भारतीय पक्ष इस प्रक्रिया को तेज करने पर जोर दे रहा है। दूतावास ने ईरानी अधिकारियों से अनुरोध किया है कि भारतीय क्रू मेंबर्स को भारत में अपने परिवारों से संपर्क करने की अनुमति दी जाए। साथ ही, जहाज की मालिक कंपनी, जो संयुक्त अरब अमीरात में स्थित है, से भी 15 दिसंबर को संपर्क साधा गया।

फास्ट न्यूज

पाकिस्तान में मरियम नवाज के बेटे की शादी को लेकर हंगामा

इस्लामाबाद । पाकिस्तान के पंजाब की मुख्यमंत्री मरियम नवाज के बेटे की 17 जनवरी को लाहौर में धूमधाम से शादी हुई। ये शादी जितनी अपनी भव्यता के लिए चर्चा में है, उतनी ही चर्चा इस शादी से जुड़े एक विवाद की है। खास बात ये है कि इस विवाद के केंद्र में एक भारतीय डिजाइनर है। जिसे लेकर पाकिस्तान के लोग कड़ी नाराजगी जता रहे हैं।

'नए नेतृत्व का समय आग गया है' ईरान में ट्रंप कर रहे तख्तापलट का इशारा

नई दिल्ली। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप ने एक बार फिर ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई को धमकी दी है। ट्रंप का दावा है कि वो खामेनेई की 37 साल की सत्ता को जड़ से उखाड़ फेंकेंगे। ट्रंप ने कहा कि अब ईरान में नए नेतृत्व का समय आ गया है।

ट्रंप ने शनिवार को कहा, खामेनेई में अब तक का जो सबसे अच्छा फैसला लिया है, वो 800 से ज्यादा लोगों को फांसी न देने का था।

ट्रंप का कहना है कि ईरान में हिंसा और दमन के बल पर सरकार चल रही है। खामेनेई ने ईरान को पूरी तरह से तबाह कर दिया है।

चीन के जासूसों के खिलाफ ताइवान ने छेड़ा अभियान

ताइपे । चीन और ताइवान के बीच ठनी हुई है। चीन जहां ताइवान पर कब्जे की हरसंभव कोशिशों में जुटा है। वहीं ताइवान भी अपने बचाव में हर कदम उठा रहा है। इसी के तहत ताइवान ने देश में चीन के लिए खुफिया जानकारी जुटाने वाले लोगों के खिलाफ अभियान चलाया है और एक रिपोर्टर और सैन्य अधिकारियों को पकड़ा है।

शेयर बाजार से विदेशी निवेशकों ने 22,530 करोड़ निकाले

जनवरी के पहले 15 दिन में बिकवाली

मुंबई, एजेंसी

भारतीय शेयर बाजार में विदेशी निवेशकों (FIIs) की बिकवाली का दौर नए साल में भी जारी है। साल 2026 की शुरुआत के साथ ही जनवरी के पहले 15 दिनों में विदेशी निवेशकों ने घरेलू बाजार से 22,530 करोड़ के शेयर बेच दिए हैं।पिछले हफ्ते केवल चार कारोबारी सत्रों में ही विदेशी निवेशकों ने 14,266 करोड़ की बिकवाली की।

छुट्टी की वजह से पिछला हफ्ता छोटा था, इसके बावजूद बिकवाली की रफ्तार बहुत तेज रही। मार्केट एक्सपर्ट्स के मुताबिक ग्लोबल लेवल पर बढ़ते तनाव और भारत में शेयरों की ऊंची वैल्यूएशन के कारण विदेशी निवेशक अपना पैसा निकाल रहे हैं। बड़ी आईटी कंपनियों के तीसरी तिमाही के नतीजे उम्मीद से बेहतर रहे हैं। इसके बावजूद बाजार में तेजी नहीं लौट पा रही है। रेलिगेयर ब्रोकिंग के अजीत मिश्रा के मुताबिक, टैरिफ से जुड़ी अनिश्चितताएं और दुनिया भर में चल रहे भू-राजनीतिक तनाव आईटी कंपनियों के अच्छे नतीजों पर भारी पड़ रहे हैं। निवेशकों में इस बात को लेकर डर है कि आने वाले समय में ग्लोबल ट्रेड पॉलिसी कैसी रहेगी, इसलिए वे मुनाफावसूली कर रहे हैं। दिसंबर 2025 में विदेशी निवेशकों ने 22,611 करोड़ के शेयर बेचे थे। अगर पूरे साल 2025 की बात करें, तो विदेशी निवेशकों ने भारतीय बाजार से कुल 1,66,286 करोड़ की निकासी की है। यह बाजार के लिए एक बड़ा दबाव बना हुआ है, जिसकी वजह से पिछले कुछ महीनों से सेंसेक्स और निफ्टी में उतार-चढ़ाव देखा जा रहा है।

ट्रम्प के गाजा पीस बोर्ड से नाराज इजराइल

कहा- बिना बातचीत टीम बनाई, यह नीति के खिलाफ, शांति बोर्ड में भारतवंशी अजय बंगा भी शामिल

वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प का गाजा पीस प्लान दूसरे चरण में पहुंच चुका है। ट्रम्प ने गाजा के प्रशासन और पुनर्निर्माण के लिए नेशनल कमेटी फॉर द एडमिनिस्ट्रे-शन ऑफ गाजा (NCAG) के गठन का ऐलान किया है।

इस कमेटी की देखरेख करने, फंड जुटाने जैसे कामों के लिए ट्रम्प ने 'बोर्ड ऑफ पीस' (शांति बोर्ड) का गठन किया है। राष्ट्रपति खुद इसकी अध्यक्षता कर रहे हैं। इसके अलावा गाजा एग्जीक्यूटिव बोर्ड भी बनाया गया है।

इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के ऑफिस ने कहा है कि गाजा के लिए बनाए गए नए प्रशासनिक बोर्ड की घोषणा अमेरिका ने इजराइल से बिना बातचीत के की है। इजराइल का कहना है कि यह फैसला उसकी सरकारी नीति के खिलाफ है। व्हाइट हाउस ने शुक्रवार को बोर्ड के सदस्यों की सूची जारी की। इस बोर्ड में 7 लोग शामिल हैं, जिनमें भारतवंशी अजय बंगा भी हैं। बंगा फिलहाल वर्ल्ड बैंक ग्रुप के अध्यक्ष हैं। बोर्ड के दूसरे सदस्यों में मार्को रुबियो (विदेश मंत्री), स्टीव विटकॉफ (विशेष राजदूत) समेत कई लीडर शामिल हैं। ट्रम्प की प्रस्तावित 'बोर्ड ऑफ पीस' में सदस्यता को लेकर एक नई रिपोर्ट सामने आई है। ब्लूमबर्ग न्यूज ने शनिवार को रिपोर्ट किया कि बोर्ड के ड्राफ्ट चार्टर में कहा गया है कि देशों को परमानेंट सदस्यता पाने के लिए पहले साल में $1 बिलियन (एक अरब डॉलर) की फीस देनी होगी।

पीस बोर्ड के हर सदस्य की अपनी तय जिम्मेदारी होगी

व्हाइट हाउस ने कहा कि एग्जीक्यूटिव बोर्ड का हर सदस्य गाजा की स्थिरता और लंबे समय की सफलता से जुड़े एक तय पोर्टफोलियो की जिम्मेदारी संभालेगा। इसमें शासन क्षमता बढ़ाना, क्षेत्रीय संबंध, पुनर्निर्माण, फंडिंग और पूंजी जुटाना शामिल है। व्हाइट हाउस के मुताबिक, आने वाले हफ्तों में बोर्ड ऑफ पीस और गाजा एग्जीक्यूटिव बोर्ड के और सदस्यों की घोषणा की जाएगी।

इजराइल को ट्रम्प के पीस बोर्ड से क्या नाराजगी

नेतन्याहू के ऑफिस के मुताबिक, विदेश मंत्री गिदोन सार इस मुद्दे को अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो के सामने उठाएंगे। हालांकि, यह नहीं बताया गया कि बोर्ड का कौन सा हिस्सा इजराइल को आपत्तिजनक लग रहा है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, मुख्य समस्या तुर्किए विदेश मंत्री हाकान फिदान को शामिल करने से है। इजराइल का मुख्य विरोध तुर्किए जैसे देशों की भूमिका से है। यह हमास के समर्थक माने जाते हैं और इजराइल के साथ इनका संबंध तनाव पूर्ण हैं। तुर्किए के राष्ट्रपति रजब तैय्यब एर्दोगन ने इजराइल की गाजा कार्रवाई की कड़ी आलोचना की है। इजराइल का कहना है कि ऐसे देशों को गाजा के प्रशासन में शामिल नहीं किया जाना चाहिए।

> इजराइली राष्ट्रीय सुरक्षा मंत्री इतामार बेन-गवीर ने नेतन्याहू के बयान का समर्थन करते हुए कहा कि गाजा को 'कार्यकारी बोर्ड' की जरूरत नहीं, बल्कि हमास को पूरी तरह खत्म करने और बड़े पैमाने पर स्वैच्छिक पलायन की जरूरत है।

ईरान में लाशों के ढेर से खोजा बेटी का शव

सुरक्षाबलों ने सिर में गोली मारी थी, मां बोली- शव चुरा सड़क किनारे दफनाया

तेहरान/वॉशिंगटन, एजेंसी

ईरान में फैशन की पढ़ाई कर रही 23 साल की एक कॉलेज की छात्रा को ईरानी सुरक्षा बलों ने 8 जनवरी को गोली मार दी थी। घटना की जानकारी अब सामने आई है। न्यूज एजेंसी AP के मुताबिक छात्रा की मां को लाशों के ढेर के बीच अपनी बेटी की बॉडी ढूंढनी पड़ी।

रिपोर्ट के मुताबिक छात्रा रूबिना अमिनियन को ईरानी सुरक्षाबलों की गोली सीधे सिर के पीछे लगी, जिससे उसकी मौत हो गई। रूबिना की मौत के एक सप्ताह बाद भी परिवार ने रीति रिवाज से उसका अंतिम संस्कार नहीं किया है। सुरक्षा बलों से बचने के लिए उसके शव को चोरी से सड़क के किनारे गड्ढे में ही दफना दिया।

वहीं, ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई ने पहली बार ये माना कि पिछले 28 दिसंबर से जारी प्रदर्शनों के दौरान हजारों लोग मारे गए। उन्होंने इन मौतों के लिए ट्रम्प को जिम्मेदार ठहराया। खामेनई ने कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के हाथ खून से रंगे हैं। ट्रम्प ने इसका जवाब देते हुए कहा कि ईरान सरकार अब चंद दिनों की मेहमान है। वहां नए नेतृत्व की तलाश करने का समय आ गया है।

रूबिना अमिनियन को ईरानी सुरक्षा बलों ने सिर में गोली मारी थी।

रूबिना के शव को मजबूरन सड़क के किनारे गड्ढे में दफनाया

मिनोई ने बताया कि वापस आते समय सात घंटे की यात्रा के दौरान नोरेई और उनकी सबसे बड़ी बेटी कार की पिछली सीट पर रूबिना के शव को पकड़े बैठी रहीं, उनके कपड़े खून से भीग गए थे। नोरेई ने बताया कि जब वे घर पहुंचीं तो सुरक्षा बलों ने उनके घर को घेर लिया था।

छात्रा की दोस्त ने परिवार को मौत की सूचना दी

घटना के समय रूबिना की मां करमनशाह शहर में थीं, जो तेहरान से लगभग 460 किलोमीटर दूर है। रूबिना की मां को उसके दोस्तों ने फोन कर बताया कि उन्हें गोली लग गई है। न्यूज एजेंसी AP के मुताबिक, वे सब 8 जनवरी को कॉलेज से घर लौट रहे थे, तभी प्रदर्शन दिखाई दिया और वे उसमें शामिल हो गए। ईरानी एजेंट राइफल और शॉटगन का इस्तेमाल कर प्रदर्शनकारियों को तितर-बितर कर रहे थे। इस दौरान सुरक्षा बलों की गोली रूबिना के सिर के पीछे लगी। जानकारी मिलते ही रूबिना की मां अमीना नोरेई तुरंत तेहरान रवाना हुईं। वहां उन्होंने बेटी की बॉडी ढूंढी। रूबिना राजनीतिक या सक्रिय गतिविधियों में शामिल नहीं थीं।

परिवार ने अधिकारियों के डर से शव को चुराया

जब नोरेई को अपनी बेटी मिली, तो परिवार शव के साथ जल्दी से जल्दी शहर छोड़ कर भाग निकला। उन्हें डर था कि अधिकारी उनका रास्ता रोक देंगे और शव को जाने देने के लिए पैसे की मांग करेंगे, यह जानकारी अमीनियन के चाचा मिनोई ने दी। मिनोई ने कहा कि हमने असल में शव को चुराया था, हमारे पास दूसरा रास्ता नहीं था। न्यूयॉर्क स्थित सेंटर फॉर ह्यूमन राइट्स एक बयान में कहा कि उन्हें प्रदर्शनकारियों के शवों को लौटाने के बदले परिवारों से पैसे मांगने की कई सूचनाएं मिली हैं।

डीजीसीए ने इंडिगो पर 22.20 करोड़ का फाइन लगाया

दिसंबर में एयरलाइन की 2500 फ्लाइट कैंसिल हुई थीं

नई दिल्ली, एजेंसी

डायरेक्टोरेट जनरल ऑफ सिविल एविएशन (DGCA) ने एयरलाइन कंपनी इंडिगो पर 22.20 करोड़ का जुर्माना लगाया है। यह जुर्माना एयरक्राफ्ट रूल्स, 1937 के रूल 133A के तहत लगाया गया है। इसके तहत एकमुश्त जुर्माना 1.80 करोड़ है। इसके अलावा FDTL नियमों का 68 दिन तक पालन नहीं करने पर प्रतिदिन 30 लाख का जुर्माना लगाया गया, जो कि 20.40 करोड़ होता है। DGCA ने यह एक्शन 3 से 5 दिसंबर, 2025 के बीच इंडिगो की 2507 फ्लाइट के कैंसिल होने और 1852 फ्लाइट के ऑपरेशन में देरी होने पर लिया है। इस कारण 3 लाख से ज्यादा यात्रियों को परेशानी हुई थी। नागरिक उड्डयन मंत्रालय (MoCA) के निर्देश पर DGCA ने मामले की जांच के लिए 4 मेंबर वाली कमेटी बनाई थी। कमेटी ने इंडिगो के नेटवर्क प्लानिंग, क्रू रोस्टरिंग और इंडिगो के इस्तेमाल किए जा रहे सॉफ्टवेयर सिस्टम की डिटेल इंवेस्टिगेशन और स्टडी की। साथ ही बयान भी दर्ज किए। इंडिगो एयरलाइंस ने कहा है कि वह DGCA के सभी आदेशों को पूरी तरह मानेंगी और जो भी सुधार जरूरी होंगे, वे सही समय पर किए जाएंगे। कंपनी के बोर्ड और मैनेजमेंट का कहना है कि हाल की घटना के बाद काम करने के तरीकों, सिस्टम और संचालन को मजबूत बनाने के लिए अंदरूनी तौर पर पूरी जांच और समीक्षा की जा रही है। कमेटी के मुताबिक, इंडिगो मैनेजमेंट ने ऑपरेशन में देरी या आपात हालात से निपटने की पर्याप्त तैयारी नहीं की थी।

ऐलान : ग्रीनलैंड पर कब्जे का विरोध कर रहे थे, कहा- नहीं माने तो जून से 25% टैरिफ

ट्रम्प ने आठ यूरोपीय देशों पर 10% टैरिफ लगाया

वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने यूरोप के 8 देशों पर 10% टैरिफ लगाने का ऐलान किया है। ये देश ग्रीनलैंड पर अमेरिका के कब्जे की धमकी का विरोध कर रहे थे।

ट्रम्प ने शनिवार को सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि डेनमार्क, नॉर्वे, स्वीडन, फ्रांस, जर्मनी, यूनाइटेड किंगडम, नीदरलैंड और फिनलैंड टैरिफ के दायरे में आएंगे। इन पर 1 फरवरी से टैरिफ लागू होगा। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर ग्रीनलैंड को लेकर अमेरिका के साथ कोई समझौता नहीं होता है, तो 1 जून से यह टैरिफ बढ़ाकर 25% कर दिया जाएगा। इससे पहले ट्रम्प ने शुक्रवार को व्हाइट हाउस में एक बैठक के दौरान इन देशों पर टैरिफ लगाने की धमकी दी थी।

अमेरिकी कांग्रेस का प्रतिनिधिमंडल 16 जनवरी को डेनमार्क कोपेनहेगन स्थित संसद में पहुंचा। बाएं से दाएं (सामने): सीनेटर डिक डरबिन, मैडलीन डीन, सीनेटर क्रिस कून्स और आजा चेम्निट्ज, सीनेटर थॉम टिलिस, सीनेटर पीटर वेल्च और सीनेटर लिसा मुर्कोव्स्की।

ट्रम्प बोले- गोल्डन डोम प्रोजेक्ट के लिए ग्रीनलैंड जरूरी

इससे पहले शुक्रवार को ट्रम्प ने ग्रीनलैंड को गोल्डन डोम नामक बड़े रक्षा प्रोजेक्ट के लिए भी अहम बताया। गोल्डन डोम अमेरिका का मिसाइल डिफेंस प्रोजेक्ट है। यह इजराइल के आयरन डोम से प्रेरित है। गोल्डन डोम का मकसद चीन, रूस जैसे देशों से आने वाले खतरे से अमेरिका को बचाना है। ट्रम्प ने बताया कि अमेरिका ग्रीनलैंड को लेकर NATO से भी बातचीत कर रहा है। ट्रम्प पहले भी कह चुके हैं कि NATO को अमेरिका का साथ देना चाहिए। अगर अमेरिका ने ग्रीनलैंड पर कंट्रोल नहीं किया, तो रूस या चीन वहां अपना असर बढ़ा सकते हैं, जो किसी भी हालत में स्वीकार नहीं किया जाएगा।

ट्रम्प ने ग्रीनलैंड को खरीदने का प्रस्ताव दिया

ट्रम्प ने पोस्ट में 'ग्रीनलैंड की पूर्ण और पूरी खरीद' के लिए डील की बात कही है और साफ किया है कि तय समय तक समझौता नहीं होने पर टैरिफ बढ़ाया जाएगा। ट्रम्प ने लिखा- हमने कई वर्षों तक डेनमार्क, यूरोपीय यूनियन के सभी देशों और कुछ और देशों को सब्सिडी दी है। हमने उनसे टैरिफ या किसी भी तरह का कोई टैक्स नहीं लिया। अब सदियों बाद समय आ गया है कि डेनमार्क बदले में कुछ लौटाए क्योंकि अब विश्व शांति दांव पर है। ट्रम्प ने कहा कि चीन और रूस ग्रीनलैंड को हासिल करना चाहते हैं और डेनमार्क इसे चाहे भी तो नहीं रोक सकता। फिलहाल वहां सुरक्षा के नाम पर सिर्फ दो डॉग स्लेज (कुत्तों के खींचने वाली गाड़ी) हैं। इस खेल में सिर्फ अमेरिका ही कामयाब तरीके से दखल दे सकता है।

मिस्र और इथियोपिया का झगड़ा सुलझाना चाहते हैं ट्रम्प

राष्ट्रपति अल-सीसी को चिट्ठी लिखी

वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने नील नदी के पानी को लेकर मिस्र और इथियोपिया के बीच चल रहे विवाद में मध्यस्थता की पेशकश की है। ट्रम्प ने कहा है कि वह दोनों देशों के बीच अमेरिकी मध्यस्थता को दोबारा शुरू करने के लिए तैयार हैं। ट्रम्प ने यह बात मिस्र के राष्ट्रपति अब्देल फतह अल-सीसी को लिखे एक पत्र में कही। यह पत्र ट्रम्प के सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर भी पोस्ट किया गया है। रॉयटर्स की रिपोर्ट के मुताबिक ट्रम्प ने पत्र में लिखा कि वह नील नदी के जल बंटवारे के सवाल को जिम्मेदारी से और स्थायी तौर पर सुलझाने के लिए अमेरिका की मध्यस्थता फिर से शुरू करने को तैयार हैं। मिस्र और इथियोपिया के बीच विवाद की बड़ी वजह इथियोपिया की ग्रैंड इथियोपियन रिनेसां डैम (GERD) है।

करीब 5 अरब डॉलर की लागत से यह बांध नील नदी की सहायक ब्लू नील नदी पर बनाया गया है। इथियोपिया ने 9 सितंबर 2025 को इस बांध का उद्घाटन किया था। इसके बाद से मिस्र में नाराजगी है।

इथियोपिया इस बांध को अपनी आर्थिक तरक्की के लिए बेहद अहम मानता है। इथियोपिया की आबादी 12 करोड़ से ज्यादा है और वह अफ्रीका का दूसरा सबसे अधिक आबादी वाला देश है।

वहीं मिस्र का कहना है कि यह बांध अंतरराष्ट्रीय संधियों का उल्लंघन करता है।

तमसा संकेत
tamsa.news@gmail.com

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक विद्यादेवी द्वारा कृष्णा डाइनेस्टी प्रिंटिंग प्रेस म0 न0 195 सेक्टर 6-बी, वृन्दावन योजना, रायबरेली रोड लखनऊ- 226 029 (उ0प्र0) से मुद्रित कराकर तमसा संकेत भवन शहजादपुर, अकबरपुर जनपद अम्बेडकरनगर (उत्तर प्रदेश) (पिन कोड-224122) से प्रकाशित

सम्पादक : विद्यादेवी

समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा

समाचार पत्र में प्रकिाशत लेख, राजनीतिक विश्लेषण, लेखकों के अपने विचार हैं। सम्पादक का इन विचारों से सहमत होना आवश्यक नहीं हैं।
मो0- 9415799533
R.N.I. NO. 64107/96